YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-11 | अंक-96 | सोमवार, 09 मई 2022 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

पुलिस सुधार एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है। हमें अब इन सुधारों को लागू करने के लिए नए सिरे से जोर देना चाहिए। नायडू रविवार को इंडिया इंटरनेशलन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'द स्ट्रगल फॉर पुलिस रिफॉर्म्स इन इंडिया' का विमोचन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

वेंकैया नायडू

7000 साल पहले भी होते थे स्मार्ट शहर, राखीगढ़ी में मिले साक्ष्य 11

चीन की जीरो कोविड पॉलिसी बनी जंजाल, 34 करोड़ लोग घरों में कैद 12

संक्षेप

असम: बोकाजान में विद्रोही संगठन अनला के 13 कैडर ने किया आत्मसमर्पण

कार्बी आंगलोंग। एक बार फिर पहाड़ी जिला कार्बी आंगलोंग में शांति कायम होती नजर आ रही है। रविवार को बोकाजान पुलिस थाना परिसर में सेना के ब्रिगेडियर शैलेंद्र तिवारी, सीआरपीएफ के डीआईजी, कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक पुष्पराज सिंह, असम रायफल के सीओ के साथ ही बोकाजान थाना के प्रभारी अधिकारी मौब्लिक ब्रह्म की उपस्थिति में विद्रोही संगठन अनला के 13 कैडर ने हथियारों समेत आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने चार एके सीरीज की राइफलें, चार पिस्तौल, एक रिवॉल्वर के साथ चार एके सीरीज की मैगजीन और जीवित कारतूस पुलिस और असम रायफल के आला अधिकारियों को सौंपीं।उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी कार्बी आंगलोंग जिला में कई विद्रोही संगठन आत्मसमर्पण कर देश की मुख्यधारा में लौट चुके हैं। पुलिस का कहना है कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों के इस कदम से जिला में शांति की स्थित बहाल होने के साथ ही विकास के रास्ते खुलेंगे।

बदरीनाथ धाम में 15 हजार श्रद्धालुओं ने किए श्रीहरिनारायण के दर्शन

बदरीनाथ धाम। श्री बदरी विशाल के उद्घोष के साथ श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने पर 15 हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट खुलने और अखंड ज्योति दर्शन के गवाह बने। कपाट खुलने के दौरान मंदिर को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। गढ़वाल स्काउट के बैंडों की भक्तिमय संगीत से बदरीपुरी गुंजायमान हो गई। प्रातः चार बजे से कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हुई। पहली महाभिषेक पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित पर्यटन -धर्मस्व संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने देश-विदेश के तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं दीं। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय, पूर्व विधायक महेन्द्र भट्ट, सहित उपाध्यक्ष किशोर पंवार मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि कल 7 मई शाम को योग बदरी पांडुकेश्वर से रावल सहित आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, श्री उद्धव, श्री कुबेर श्री बदरीनाथ धाम पहुंच गये थे। श्री कुबेर ने रात्रि को बामणी गांव में प्रवास किया और आज सुबह कुबेर श्री बदरीनाथ मंदिर परिसर पहुंचे।

हिप्र में भाजपा का मिशन रिपीट तय: संबित पात्रा

शिमला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने रविवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा का 'मिशन रिपीट' तय है। हिमाचल प्रदेश में हम अपनी सरकार जरूर दोहरा रहे हैं। देवभूमि का सामाजिक वातावरण भाजपा के पक्ष में है। वह राज्य अतिथि गृह पीटरहॉफ में भाजपा राज्य मीडिया कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में जीत हासिल की।

ललितपुर पहुंचे सीएम ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया, मुरारी बापू की सुनी रामकथा

बुन्देलखण्ड के हर गांव, हर घर तक पहुंचेगा शुद्ध पानी : योगी

एजेंसी

ललितपुर/झांसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को ललितपुर दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये, वहीं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। मुलाकात के साथ ही चौकाबाग ललितपुर में चल रही मुरारी बापू की कथा में पहुंचकर व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि दिसम्बर तक लगभग सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड के हर गांव-हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचा देंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 10:30 बजे ललितपुर के कचनौंदा बांध पर हेलीकॉप्टर से पहुंचे, जहां प्रदेश के श्रम एवं सेवा योजन राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ व सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने पैर छूकर स्वागत गया। इसके बाद उन्होंने वहां चल रहे जल मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य को देखा व निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। इसके बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से सीधे 11:10 बजे पुलिस लाइन पहुंचे, जहां पुलिस लाइन स्थित सभागार में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। करीब आधा घंटे से अधिक रूकने के बाद 12 बजे वह कार से ललितपुर मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर हाईवे किनारे अमरपुर में निर्माणाधीन मेडीकल ● शेष पेज 11 पर

10 मई क्रांति दिवस पर मेरठ में होगा मुख्यमंत्री योगी का आगमन

मेरठ । प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 मई क्रांति दिवस पर मेरठ का दौरा करने आ रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री शहीद स्मारक पर होने वाले लाइट एंड साउंड शो में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा नौचंदी मेले का दौरा करने की बात कही जा रही है। प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश सरकार ने मेरठ के ऐतिहासिक नौचंदी मेले को प्रांतीय मेला घोषित किया है। इसका औपचारिक उद्घाटन हो चुका है और मेले को 10 मई से शुरू करने की तैयारियां की जा रही है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत 10 मई को मेरठ से ही हुई थी। इस क्रांति में बलिदान देने वाले सेनानियों ● शेष पेज 11 पर

75 जिलों का दौरा करेंगे योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। पहले दिन से तेज रफ्तार से चल रही योगी सरकार 2.0 अब फील्ड में दौरों के जरिए सुशासन की इबारत लिखने की तैयारी में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का इरादा अगले एक साल तक सभी जिलों का दौरा करने का है। उनकी इस मुहिम में दोनों उप मुख्यमंत्री भी साथ देंगे। मिशन 2024 के नजरिए से इसे योगी सरकार की प्रारंभिक तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। इसके तहत मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक को अगले कुछ महीनों में 25-25 जिलों का अलग-अलग दौरा कर सुशासन के एजेंडे को धार देना है। मुख्यमंत्री ने अयोध्या, झांसी, ललितपुर आदि जिलों का दौरा कर इसकी शुरुआत कर दी है। सीएम के दौरे वाले 25 जिलों के अतिरिक्त पचास जिलों में दोनों उप मुख्यमंत्रियों को जाना है।

उप मुख्यमंत्रियों के जिलों के यह दौरे मंडल प्रभारी के तौर पर किए जा रहे दौरों से अलग होंगे। जब इन उप मुख्यमंत्रियों के दौरे पूरे हो जाएंगे तो सीएम उन 50 जिलों में दौरा करने जाएंगे। इस तरह सीएम 75 जिले का दौरा पूरा करेंगे। इस महाअभियान में करीब एक साल लगेगा। इस तरह अधिकारियों के साथ विकास के कामों की समीक्षा, जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का समझना, दलित परिवार के संग भोजन और सुशासन के माडल पर जोर यह काम इन दौरों में सीएम करेंगे। सीएम ● शेष पेज 11 पर

शिक्षा के साथ-साथ जीवन भी बेहतर बनाएगा आईआईएम : राष्ट्रपति

एजेंसी

❐ राष्ट्रपति कोविंद के हाथों हुआ आईआईएम नागपुर के नए भवन और परिसर का उद्घाटन

नागपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि आईआईएम नागपुर न केवल एक शिक्षा संस्थान बल्कि विद्यार्थियों के जीवन के बेहतर बनाने वाला केंद्र भी होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि नागपुर आईआईएम का माहौल छात्रों को न केवल रोजगार खोजने में बल्कि रोजगार प्रदान करने में भी सक्षम बनाएगा।''

राष्ट्रपति कोविंद यहां रविवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नागपुर के नए भवन और परिसर के उद्घाटन के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रपति ने कहा कि नागपुर आईआईएम महिलाओं की उन्नति में योगदान देगा। यही सावित्रीबाई फुले और आनंदीबाई जोशी की धरती को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नागपुर आईआईएम देश का पहला शिक्षा संस्थान है, जिसकी बिल्डिंग विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थित है। राष्ट्रपति ने कहा कि नागपुर देश के संविधान के जनक डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का दीक्षा स्थल भी है। महाराष्ट्र हमेशा से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक विकास का केंद्र रहा है। इस मौके पर राष्ट्रपति के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य मंत्री नितिन राउत, मंत्री सुभाष देसाई और विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 साल पहले विश्वस्तरीय जनशक्ति बनाने के लिए आईआईएम की संख्या बढ़ाने का फैसला किया था। महाराष्ट्र में आईआईएम नागपुर में बनाने का निर्णय लिया गया। फडणवीस ने कहा कि इस संस्थान के लिए 150 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। प्रधानमंत्री ने भूमि पूजन किया और आज राष्ट्रपति इसका उद्घाटन कर रहे हैं। इस मौके पर मंत्री सुभाष देसाई ने कहा कि आज महाराष्ट्र के विकास के उस सपने की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है, जिसकी कल्पना बालासाहेब ठाकरे ने की थी। देसाई ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नागपुर आईआईएम के लिए राज्य सरकार से आवश्यक सहायता देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक माने जाने वाले भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर का पहला सत्र जुलाई 2015 में शुरू हुआ था। चूंकि उस समय इसका अपना भवन नहीं था, इसलिए विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (वीएनआईटी) के परिसर में आईआईएम की कक्षाएं शुरू हुईं। नागपुर के मिहान क्षेत्र में 132 एकड़ भूमि पर आईआईएम नागपुर के भव्य परिसर का निर्माण किया गया है। निर्माण का पहला चरण पूरा हो चुका है। वर्तमान में 132 एकड़ के क्षेत्र में फैले इस भवन में प्रबंधन के विभिन्न विषयों में ● शेष पेज 11 पर

काशी ज्ञानवापी की मुक्ति तक चलेगा संघर्ष याचिका वापसी से नहीं पड़ेगा असर : जीतेन्द्रानन्द

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि काशी ज्ञानवापी के साथ व बाबा विश्वनाथ के साथ सम्पूर्ण हिन्दू समाज खड़ा है। इसलिए काशी ज्ञानवापी की मुक्ति तक संघर्ष चलेगा। उन्होंने कहा कि याचिका वापसी से इस मुक्ति अभियान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वैदिक सनातन संघ द्वारा केस वापसी के एलान पर स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि तथाकथित वैदिक सनातन संघ बिक गया है। कितने में बिके। सौदा कितने में तय हुआ,किस अधिकार से उन्होंने याचिका डाली थी यह वैदिक सनातन संघ को स्पष्ट करना चाहिए। राजनैतिक हित साधने के लिए वह याचिका दाखिल करने आये थे। हलांकि काशी की महिलाओं ने केस वापस नहीं लेने को कहा है। स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि काशी ज्ञानवापी का मसला न्यायालय से नहीं सुलझेगा। तथाकथित वैदिक सनातन संघ जैसे लोग मुकदमे की आड़ में संविधान की आड़ में ढ़ांचे को सुरक्षित रखना चाहते हैं। इनका प्रयास है कि जब तक भाजपा की ● शेष पेज 11 पर

- अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री ने वैदिक सनातन संघ को बताया बिकाऊ
- काशी को दंगे की आग में झोंकने का था प्लान
- धर्म के आधार पर बंटे थे हम किस बात के हिन्दू बचे

नवनीत राणा ने मुख्यमंत्री उद्धव के खिलाफ चुनाव लडने की दी चुनौती

मुंबई। महाराष्ट्र के अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत कौर राणा ने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चुनाव लड़ने का चैलेंज दिया है। सांसद राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री में यदि दम हो तो वह जनता के बीच जाकर चुनाव लड़ कर दिखाए। वह राज्य के किसी भी चुनावी क्षेत्र से जनता के सहयोग से मुख्यमंत्री को परास्त कर सकती हैं। लीलावती अस्पताल से सांसद नवनीत राणा को रविवार सुबह छुट्टी दे दी गई। इसके बाद राणा ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री की तीखी आलोचना की है। राणा ने कहा कि राज्य सरकार ने एक महिला की आवाज दबाने के काम किया है। शिवसेना सत्ता का गलत इस्तेमाल कर रही है। राणा ने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यदि मुख्यमंत्री में हिम्मत हो तो वह चुनाव लड़ें। वह राज्य के किसी भी चुनावी क्षेत्र से मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव लड़ने को तैयार हैं। सांसद ने विश्वास जताया कि बीएमसी चुनाव में राम और हुनमान के भक्त शिवसेना के पापों की लंका ● शेष पेज 11 पर

टीईटी परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले फरार आरोपियों पर इनाम

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ पुलिस ने टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) में गड़गड़ी करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए 24 जनवरी को 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने 3-3 लाख रुपए में अभ्यर्थियों को पास कराने का कॉन्ट्रैक्ट लिया था। 1.5 लाख रुपए एडवांस लिए गए थे। बाकी रुपए पास होने के बाद लेने थे। आरोपियों में 13 स्कूल प्रबंधक, 1 डीआईओएस ऑफिस का बाबू और 8 दलाल शामिल हैं। इस मामले में अभी भी 7 आरोपी फरार चल रहे हैं। फरार सभी आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम एसपी अनुराग आर्य ने घोषित किया है। गिरफ्तार सभी 22 आरोपियों के ऊपर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इस पूरे गिरोह का सरगना रामपुर का अरविंद गुप्ता है। वही परीक्षा केंद्र बने स्कूल संचालकों से मिलीभगत करके अभ्यर्थियों का सीटिंग प्लान तय करता था। प्रबंधक एक दिन पहले उस कमरे में एक मोबाइल छिपा देते थे। जिस परीक्षक की कमरे में ड्यूटी होती थी, वे प्रश्न पत्र उसी मोबाइल से बाहर भेजते थे। फिर थोड़ी देर बाद उस प्रश्न पत्र के अनुरूप आंसर-की की चिट तैयार करके संबंधित परीक्षार्थी के पास पहुंचा दी जाती थी। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि फरार सभी सातों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। आरोपियों में पूर्व ब्लाक प्रमुख इसरार अहमद, सम्मोपुर, रानी की सराय, जगजीवन सिंधवारा खास महाराजगंज, सिकंदर यादव, सेमरहा रानी की सराय, धीरज राय हरैया जीयनपुर, तुसार सिंह, रैदोपुर कोतवाली, सुनील कुमार यादव आहोपट?टी और मुकेश राय उर्फ रिंटू राय मानपुर बिलरियागंज हैं। जिले में शिक्षक पात्रता परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले जिन प्रबंधकों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें प्रमुख रूप से सूर्य प्रकाश यादव प्रबंधक, धर्मेन्द्र यादव शिक्षक, हरेन्द्र यादव स्कूल का बाबू, वेद प्रकाश यादव प्रबंधक, सहर्ष राय प्रबंधक, देवेन्द्र यादव प्रबंधक, हरेन्द्र यादव ● शेष पेज 11 पर

❐ आजमगढ़ जिले में 22 आरोपियों की हुई थी गिरफ्तारी, पूर्व ब्लाक प्रमुख इसरार अहमद सहित सात हुए इनामी

कुलगाम मुठभेड़ : कमांडर समेत दो आतंकी ढेर

एजेंसी

कुलगाम। कुलगाम जिले के देवसर इलाके में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया है। इसके साथ ही मुठभेड़ खत्म हो चुकी है। मारे गए आतंकियों में एक पाकिस्तान का रहने वाला और दूसरा स्थानीय आतंकी शामिल है। सुरक्षाबलों को शनिवार देर रात के बाद देवसर के चीयान नामक क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली। इस पर कुलगाम पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ के जवानों ने साथ मिलकर क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान इलाके में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने सबसे पहले आतंकियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी लेकिन आतंकियों ने गोलीबारी जारी रखी। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के दो आतंकियों को मार गिराया है। कश्मीर के आईजी विजय कुमार ने बताया कि कुलगाम के देवसर के चीयान नामक क्षेत्र में रविवार सुबह से शुरू हुई मुठभेड़ अब खत्म हो चुकी है। इस मुठभेड़ में मारे गए दोनों आतंकियों में से एक की पहचान पाकिस्तान के रहने वाले हैदर के रूप में हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन का कमांडर था। मुठभेड़ में मारा गया दूसरा आतंकी स्थानीय है और उसकी पहचान कुलगाम निवासी शहबाज शाह के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में अभी भी तलाशी अभियान जारी रखा हुआ है।

पहली बार सुखोई फाइटर जेट से होगा नई पीढ़ी की एंटी-रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-1 का परीक्षण

मिसाइलों से लेकर गाइडेड बम तक कई स्वदेशी हथियारों के परीक्षण की तैयारी में भारत

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत स्वदेशी रूप से विकसित कई उन्नत हथियारों का परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। इसमें हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, विकिरण रोधी मिसाइल से लेकर स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड हथियारों में लंबी दूरी तक मार करने वाले गाइडेड बम शामिल हैं। इसी माह कम से कम तीन हथियारों के परीक्षण होने हैं जिसमें हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल के अलावा नई पीढ़ी की एंटी-रेडिएशन मिसाइल भी हैं।

चीन के साथ गतिरोध शुरू होने के बाद से भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने देश में ही विकसित मिसाइलों के ताबड़तोड़ परीक्षण किये हैं। इसके बावजूद अभी भी डीआरडीओ के खजाने में कई ऐसे मिसाइल सिस्टम हैं जिनके सारे परीक्षण पूरे नहीं हुए हैं। आने वाले समय में इनके आखिरी परीक्षण करके इन्हें सशस्त्र बलों को उपयोग के लिए सौंपा जाना है। ''आत्मनिर्भर भारत'' और ''मेक इन इंडिया'' अभियान को पूरा करने के साथ ही यह स्वदेशी मिसाइलें चीन के साथ चल रहे गतिरोध के बीच भारत को भी रक्षा तकनीक में लगातार कामयाबी दिला रही हैं।

तैयारी

- तेजस और मिग-29 लड़ाकू विमानों के साथ लगाई जाएगी हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल
- स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड हथियारों में 100 किमी. तक मार करने वाले गाइडेड बम का भी होगा टेस्ट

भारत स्वदेशी रूप से विकसित कई उन्नत हथियारों का परीक्षण इसी माह करने की तैयारी कर रहा है। इसमें हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, विकिरण

रोधी मिसाइल से लेकर स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड हथियार और लंबी दूरी के ग्लाइड बम शामिल हैं। डीआरडीओ ने इस माह दृश्य सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली 100-किमी. रेंज की एस्ट्रा-1 और 160 किमी. रेंज की एस्ट्रा-2 मिसाइल के परीक्षण की योजना बनाई है। इसके अलावा 150 किलोमीटर की स्ट्राइक रेंज के साथ नई पीढ़ी की एंटी-रेडिएशन मिसाइल (एनजीएआरएम) रुद्रम-1 का परीक्षण भी इस महीने के लिए निर्धारित है। 100-किमी. रेंज की एस्ट्रा-1 मिसाइल के उपयोगकर्ता परीक्षण पूरे होने के बाद रक्षा पीएसयू भारत डायनेमिक्स उत्पादन कर रहा है।

डीआरडीओ के सूत्रों के मुताबिक एस्ट्रा-2 मिसाइल को अपने कैरिज और हैंडलिंग ट्रायल के साथ-साथ ''डमी ड्रॉप्स'' को पूरा करने के बाद फाइटर जेट सुखोई-30एमकेआई से पहली बार ''लाइव लॉन्च'' किया जायेगा। यह पहला मौका होगा जब सुखोई जेट से रूसी हथियार के बजाय स्वदेशी मिसाइल का परीक्षण किया जाएगा। भारतीय वायु सेना ने पहले ही 250 एस्ट्रा-1 मिसाइलों का प्रारंभिक आदेश दिया है। यह मिसाइल मैक 4.5 पर ध्वनि की गति से चार गुना अधिक तेज उड़ान भरती है। तेजस और मिग-29 लड़ाकू विमानों के साथ भी एस्ट्रा-1 के एकीकरण पर कार्य चल रहा है। रुद्रम मिसाइलों को लंबी स्टैंड-ऑफ रेंज से दुश्मन की हवाई सुरक्षा नष्ट करने के लिए डिजाइन ● शेष पेज 11 पर

भाजपा राज में दिन पर दिन कंगाल हो रही है जनता : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने कहा, गरीब फंस रहा गरीबी के दलदल में, पूंजीपति हो रहें मालामाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में हर रोज महंगाई बढ़ रही है। अच्छे दिनों का सपना दिखाने वाली भाजपा के राज में आम आदमी की कमर बुरी तरह टूट चुकी है। पहले पट्रोल-डीजल, सीएनजी के दाम बढ़े अब दवाएं, खाद्य पदार्थ, परिवहन सभी कुछ महंगा हो गया है। महंगाई के कारण हर घर के घर ढह गए। श्री यादव ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि भाजपा की आर्थिक कुनीतियों के चलते हर घर की आय में कमी आई है, बेरोजगारी बढ़ रही है, कामधंधे ठप्प हैं। भाजपा ने देश को अंधकारमय भविष्य की ओर धकेल दिया है। एक बार फिर घरेलू गैस सिलेण्डर 50 रूपए महंगा हो गया है। सिलेण्डर की कीमत एक हजार रूपये के पार हो गया है। घरेलू गैस के दामों में जिस तरह वृद्धि हो रही है उससे घरेलू अर्थव्यवस्था पर गम्भीर प्रभाव पड़ा है। घरेलू बजट बिगड़ता जा रहा है। बढ़ती महंगाई का असर यह भी हुआ है कि बड़ी संख्या में बच्चों की फीस न दे पाने से उनकी शिक्षा भी बाधित हुई है।

अखिलेश ने आगे कहा कि अभी रिजर्व बैंक ने अपना रेपोरेट बढ़ाने की घोषणा की। कई बैंकों ने घर-कार लोन महंगा कर दिया है। इससे ईएमआई का बोझ बढ़ेगा। लाखों कर्जदारों की हालत बिगड़ जाएगी। इसके साथ ही दवाओं के दामों में भारी वृद्धि हुई है। कई गम्भीर बीमारियों की दवाओं के दाम 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। मधुमेह-दिल और कैंसर जैसी बीमारियों के मरीजों को रोज दवा खानी पड़ती है। ऐण्टीबायोटिक और स्टेराइड दवाओं की किल्लत हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में जनता दिन-ब-दिन कंगाल होती जा रही है। बैंकों में जमा वरिष्ठ नागरिकों की जमा पूंजी से उनका निजी खर्च चलता है, भाजपा सरकार ने उस पर भी हथौड़ा चला दिया है छोटी जमा पूंजी वाले अब बैंकों से महंगा कर्ज लेकर भी सिर पर छत का सपना पूरा करने में समर्थ नहीं हो सकेंगे। भाजपा की कुनीतियों से गरीब अब गरीबी के दलदल में और गहरा धंसेगा जबकि भाजपा के पूंजीपति मित्र और ज्यादा मालामाल हो जाएंगे। भाजपा का यही डरावना चेहरा है।

योगी सरकार बुलडोजर चलाने में मस्त अपराधी खुलेआम कर रहे अपराध : महेंद्र सिंह

आप के वरिष्ठ नेता महेन्द्र सिंह ने यूपी में बढ़ते अपराधों पर यूपी सरकार पर साधा निशाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के निवर्तमान प्रदेश प्रवक्ता महेन्द्र सिंह ने यूपी की ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था पर योगी सरकार को आड़े हाथों लिया है। यूपी में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं। श्रावस्ती में विधवा महिला के साथ दुष्कर्म और उसकी आंख फोड़ने की घटना दिल दहलाने वाली है। वहीं बुलन्दशहर में एक डॉक्टर के क्लीनिक में घुसकर दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी गई । प्रतिदिन यूपी में हत्या, रेप, दुष्कर्म की घटनाओं से समाचार पत्र भरे मिलते। महेंद्र सिंह ने रविवार को जारी बयान में कहा कि यूपी में अराजकता का माहौल व्याप्त है। योगी सरकार बुलडोजर चलाने में मस्त है खुलेआम घूम रहे अपराधियों पर लगाम लगाने की फुर्सत नहीं बची है। ऐसी सरकार से जनता त्रस्त हो चुकी है। जनता डरी और सहमी हुई है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी जनता को न्याय दिलाने और प्रदेश की कानून व्यवस्था को दुरुस्त कराने लिए योगी सरकार के खिलाफ आंदोलन विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने श्रावस्ती और बुलंदशहर में हुई सनसनीखेज घटनाओं पर सरकार का ध्यान दिलाते हुए वहां अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई किये जाने की मांग की है। महेन्द्र सिंह ने कहा है कि जनता सुशासन और मजबूत कानून व्यवस्था चाहती है। इसके लिए सरकार को आगे बढ़कर काम करना चाहिये न कि केवल प्रचार प्रसार के माध्यम से फर्जी वाहवाही लूटने का काम करना चाहिए ।

प्रभारी निरीक्षक ने एसक्यू हेयर सैलून का किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी। लखनऊ दक्षिणी जोन की कोतवाली काकोरी के प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र बहादुर सिंह ने दुर्गागंज में एसक्यू हेयर कटिंग सैलून का रविवार को फीता काटकर शुभारंभ किया।इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं सहकारी संघ लिमिटेड काकोरी सभापति वरिष्ठ पत्रकार केशरी राव धारा सिंह यादव,उपनिरीक्षक अंकित यादव,उपनिरीक्षक अमित तोमर,उपनिरीक्षक राजू सिंह,पत्रकार ज्ञान सिंह,सत्यपाल सिंह,श्वेतांक सिंह गौरव,नवाब अली सहित आदि क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सैलून के डायरेक्टर इकबाल ने आये हुए सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

उद्गम वेलफ़ेयर ने अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस पर किया ओपन माइक का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उद्गम वेलफ़ेयर फाउंडेशन की तरफ रविवार को अंतराष्ट्रीय मातृ दिवस पर माँ बोलने से माँ बनने के सफर के विषय पर ओपन माइक का आयोजन निशातगंज स्थित कैफी आज़मी में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में वृद्धाश्रम की तमाम माताएं थी, जिन्होंने इस मौके पर अपने जीवन के तमाम मीठे, तीखे, अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में रश्मि ने अपने कथन की शुरआत करते हुए कहा कि माँ सिर्फ संज्ञा नही है क्रिया भी है। उद्गम का ये मानना है कि ये दिन सब अपनी माओं के साथ तो जरूर मनाते हैं लेकिन इन माओं की कहीं न कहीं अनदेखा करी गयी है, तो उनकी ये पहल थी कि इस मदर्स डे को इनके साथ मनाये। उद्गम की ये पहल के चलते उनसे उनका पता, फ़ोन नंबर भी पूछा गया और उनके इच्छानुरूप उन्हें उनके घर तक पहुचाने का प्रयास भी किया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम में माँ बेटी पर आधारित कई कविताएँ बोली गयीं। तो कुछ माँ बेटी ने साथ मे मंच पर डांस भी किया। इसके अतिरिक्त मौजूद महिलाओं ने अपने माँ बोलने से माँ बनने के सफर को भी मंच पर साझा किया। इस मौके पर मंजरी पांडे, पूजा चौधरी, आयशा खातून, रश्मि गुप्ता, शालिनी कर्की, गुंजन वर्मा, सरिता सिंह, आकांक्षा अवस्थी, रागिनी श्रीवास्तव व रूपाली श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में महिलाए मौजूद रही।

मदर्स डे के उपलक्ष्य में वन स्टॉप सेन्टर के परिसर में इनर व्हील क्लब ने आयोजित की संगोष्ठी

लखनउ। मदर्स डे के उपलक्ष्य में वन स्टॉप सेन्टर लखनऊ के परिसर में इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ प्रेरणा की प्रेसिडेंट राधिका पिपलानी एवं सेक्रेट्री पायल सिंह द्वारा एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम का प्रारम्भ इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ प्रेरणा की प्रेसिडेंट राधिका पिपलानी द्वारा अर्चना सिंह सेन्टर मैनेजर वन स्टॉप सेन्टर लखनऊ को कार्यक्रम आयोजित करने हेतु पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को डॉ नैनी टंडन एवं डॉ आशना अशरफ द्वारा उपरोक्त विषय पर जानकारी प्रदान कर महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उसके उत्तर बताये गये। डॉक्टर द्वारा बताया गया कि महिलाओं में रजोनिवृत्ति के लक्षण, समस्या व निदान तथा समय समय से कौन कौन से टेस्ट कराये जायें, कैल्शियम की दवाईयों का सेवन कब से किया जाये, ब्रेस्ट कैसर की जांच स्वयं कैसे करें तथा सर्विक्स कैंसर आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में बन स्टॉप सेन्टर के कार्मिकों एवं क्षेत्रीय महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के अन्त में अर्चना सिंह के द्वारा डॉ नैनी टंडन एवं डॉ आशना अशरफ को पौधा भेंट कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

शासन आदेशों की अवहेलना

भू माफियाओं से तहसील के अफसर और कर्मियों के रिश्ते

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव प्रयागराज। इस समय राजस्व विभाग के कुछ अफसरों कर्मचारियों की बदौलत क्षेत्र में भूमि विवाद हत्याएं बलवा फौजदारी आदि के मामले निरंतर बढ़ते जा रहे हैं जिससे प्रदेश सरकार जिला प्रशासन बदनाम हो रहा है। कोरांव तहसील में तो इतना भ्रष्टाचार भू माफियाओं का हौसला एसडीएम तहसीलदार कोरांव के कार्यकाल में बढ़ा कि खपटिहा थाना खीरी में एक सिंचाई विभाग के एसडीओ को भू माफियाओं के बुलडोजर जेसीबी मशीन के आगे एसडीएम के सामने ही अपने विभाग की जमीन बचाने के लिए लेटना पड़ा। जिसमें लेखपाल कानूनगो थानाध्यक्ष खीरी तो निलंबित हो गए,किंतु एसडीएम धनबल के सहारे प्रशासन की मुकदर्षकता से शासन की गाज से बचता रहा। बता दें कि स्थानांतरित एसडीएम कोराव अभिनव कनोजिया ने लेंडियारी, देवघाट सहित कई इलाकों में भू अतिचारियों भू माफियाओं से मिलकर एक पक्ष की बात अनसुनी कर रिश्वत ले लेकर तहसील कोरांव में तहसीलदार की एक कथित गलत नाप पैमाइश की स्वार्थी संगठित गठित राजस्व टीम को इस्तेमाल कर बुलडोजर बाबा की डर दिखा दिखा कर अकूत संपत्ति अर्जित कर लोगों का शोषण उत्पीड़न कर रही है। उक्त स्थानीय कुछ राजस्व कर्मियों लेखपालों के कारण नाप जोख में एक पक्षी कार्यवाही से कई लोगों की जानें जा चुकी हैं और फौजदारी की घटनाएं भी हुई है, जिसका खामियाजा पुलिस प्रशासन को झेलना पड़ रहा है। तहसील कोराव में चर्चित कुछ घटनाएं और अफसरों की मनमानी। खीरी में अभिनव कनोजिया एसडीएम पर भू माफियाओं से लंबी रकम लेकर सिंचाई विभाग की जमीन पर्याप्त पुलिस बल के साथ जेसीबी मशीन से भू माफियाओं के इशारे पर प्लाटिंग हेत समतलीकरण करवाने का आरोप चर्चा में था। दूसरा प्रकरण ग्राम देवघाट तिराहे पर एक ग्राम प्रधान संगठन के मंडल स्तर के नेता व पत्रकार शहजादे ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव सहित दो दर्जन बनिया कुर्मी लोहार मुस्लिम आदि वर्ग का घर उनकी मौरूसी भूमि संख्या 1152 पर मुद्दतों से आबाद मकानों को पीडब्ल्यूडी की भूमि में फर्जी जबरदस्ती धन उगाही में फ़ेल हो जाने के चक्कर में ?500000 न मिलने पर उक्त संगठित वसूली वाली राजस्व टीम के कहने पर सारे मकानातों को सड़क हिस्सा में दिखाकर धवस्तीकरण की रिपोर्ट डीएम एवं मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज के यहां प्रस्तुत कर दी। जिस पर सभी मकान मालिकों के स्वामियों ने महिला पुरुष सहित डीएम और क्षेत्रीय विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, माननीय मंत्री नंदी उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन को एसडीएम तहसीलदार कोराव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई, और आपत्ति दाखिल की, जिस पर एसडीएम के विरुद्ध कार्यवाही हुई।और चर्चा है कि एसडीएम पद से हटा दिया गया, तहसीलदार कोरांव पर अब सिर्फ गाज गिरनी बाकी है। 5 मई 2022 को तहसीलदार एवं एसडीएम कोरांव द्वारा लाई गई मनमानी राजस्व टीम द्वारा गलत पैमाइश न किए जाने हेतु प्रार्थना पत्र आरजू विनती करने के बावजूद अनसुनी किए जाने पर द्वारा उचित माध्यम तत्काल ग्राम प्रधान अल्हवा अहद अहमद सिद्दीकी जिला अधिकारी एवं राजस्व विभाग उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को द्वारा उचित माध्यम सूचनाएं दी।

ईशा वालंटियर्स ने मिट्टी बचाओ के संदेश को फैलाने के लिए निकाली साइकिल रैली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। ईशा वालंटियर्स ने रविवार को सुबह मिट्टी बचाओ के संदेश को फैलाने के लिए साइकिल रैली निकाली। जिसमें सैकड़ों लोगों ने साइकिल से जनेश्वर मिश्र पार्क से लोहिया पार्क तक घूमते हुए एक गोल चक्कर पूरा किया। इस अभियान को पिछले महीने सदुरु ने मिट्टी को नष्ट होने से बचाने के लिए तुरंत कार्यवाही किए जाने हेतु शुरू किया था। इस मकसद के लिए नागरिकों का समर्थन जुटाना और राष्ट्रीय नीति में बदलाव लाना अभियान का लक्ष्य है। साइकिल सवार अपना चक्कर पूरा करने के बाद, जनेश्वर मिश्र पार्क में इकट्ठा हुए और सेव सॉयल गीत पर नृत्य किया। पार्क में सुबह घूमने वालों के बीच अभियान के बारे में जागरूकता फैलाई। वालंटियर्स ने मिट्टी के बारे में लोगों के सवालों के जवाब भी दिए और उन्हें अभियान का समर्थन करने को प्रेरित किया। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के उप सचिव आनंद पांडे ने हरी झंडी दिखाकर साइकिलथन की शुरुआत की और इस अभियान की आवश्यकता के महत्व पर बल दिया। अभियान को अपना समर्थन देते हुए उन्होंने कहा कि मिट्टी जो हमारे भोजन का स्रोत है, वह अपना उपजाऊपन खो रही है और इसे पलटने के लिए अगर हम अभी कदम नहीं उठाते, तो भविष्य में हमारे पास कृषि योग्य भूमि नहीं बचेगी। अपने साइकिल सवार मित्रों के साथ, इस अभियान को समर्थन देने में मुझे खुशी हो रही है, और मिट्टी को बचाने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए मैं साइकिल चलाने को सबसे कारगर माध्यमों में से एक मानता हूँ। हमने पानी और हवा को बचाने के बारे में सुना है, अब मिट्टी को बचाने का समय आ गया है। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पार्टियों के सम्मेलन कॉप 15 के 15वें सत्र में सदुरु के आगामी मुख्य भाषण की पृष्ठभूमि में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वह 195 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और राजनीतिक नेताओं से मिट्टी बचाने के लिए अपने देशों में नीतिगत सुधारों को लागू करने का आग्रह करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि मरुस्थलीकरण से वर्ष 2045 तक खाद्यान्न उत्पादन में 40 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, जबकि दुनिया की जनसंख्या नौ अरब पार कर जाएगी। ठगएएकके मुताबिक अगर भूमि की दुर्दशा मौजूदा गति से जारी रहती है तो वर्ष 2050 तक 90 प्रतिशत धरती रेगिस्तान में बदल सकती है जो अब से तीन दशक से भी कम है। फिलहाल सदुरु, मिट्टी को बचाने के अभियान के एक हिस्से के रूप में, यूरोप, मध्य एशिया, और मध्य पूर्व से होकर अकेले मोटरसाइकिल पर 100 दिन तक 30,000 किमी की यात्रा कर रहे हैं। मिट्टी को विलुप्त होने से बचाने हेतु तत्काल नीति संचालित कार्यवाही के लिए वे वैश्विक नेताओं, वैज्ञानिकों, पर्यावरण संस्थाओं, मृदा विशेषज्ञों और दूसरे साझेदारों से मिल रहे हैं। मिट्टी बचाओ अभियान ने दुनिया भर में व्यापक समर्थन प्राप्त किया है, अज़रबैजान ने हाल ही में उन राष्ट्रों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया हैं जिन्होंने नीतियों को लागू करने की प्रतिबद्धता के रूप में मिट्टी बचाओ अभियान के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया हैं। सदुरु 09 मई और 10 मई को कॉप 15 को संबोधित करेंगे। कॉप 15 में सदस्य देशों से ठोस कदम लेने के लिए प्ररित होने की उम्मीद की जाती है, जबकि तेजी से हो रही भूमि की दुर्गति को रोकने और पलटने के लिए धरती के पास समय घटता जा रहा है, जिससे वैश्विक मरुस्थलीकरण और मिट्टी का विनाश हो सकता है।

दानवीर फाउंडेशन ने किया रक्तदान व अंगदान शिविर का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक संस्था दानवीर फाउंडेशन ने रक्दान एवं अंगदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें इस मौके पर फाउंडेशन की संस्थापिका अंकिता अवस्थी ने अपनी माता एवं संस्था के सभी पदाधिकारियों के साथ यज्ञा चेरिटेबल ब्लड बैंक जानकीपुरम में रक्तदान एवं अंगदान शिविर का उद्घाटन किया। उन्होने बताया कि शिविर में करीब 25 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया एवं 19 सदस्यों के द्वारा अंगदान प्रतिज्ञा भी किया गया। सभी रक्त दाताओं को ब्लड बैंक एवं संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। रक्दान दान में सौरभ यादव, पुष्पेंद्र कुमार सिंह, रवि चौहान, शैलेंद्र चौरसिया, दीपक चंद्रा, राजीव शर्मा, आशुतोष शर्मा, सुनीता सिंह, सुधीर सिंह, उदय राज, सत्यांशु अंकित, डॉ ज्ञानेंद्र सिंह, मोहम्मद वकील, रजनीश मिश्रा व पवन गुप्ता ने रक्दान किया। वहीं अंगदान में नेहा सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, रचना मिश्रा, पवन कुमार, अमन वर्मा, गौरव सिंह, अरविंद कुमार सिंह, सुरेंद्र शुक्ला व मुकेश मिश्रा आदि ने अंग दान किया। इस मौके पर प्रांत संयोजक अवध क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी मानवी द्विवेदी, नीमा पंत, हेमंत भसीन, डॉ योगेश विमल, नेहा सिंह, सुरेंद्र कुमार शुक्ला, शालिनी तिवारी, पूजा श्रीवास्तव, जीवा यासमीन, रजनीश मिश्रा व पवन कुमार सोनी रहे।

काकोरी में नहीं थम रहा है अवैध कटान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी,लखनऊ।काकोरी क्षेत्र में लगातार इन दिनों लकड़ी काटने वाले लकड़कट्टों के हौसले बुलंद है लकड़ी कटान लगातार जोरों पर है अवैध रूप से हरे पेड़ों पर लकड़कट्टों का आरा चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह अवैध कटान वन विभाग के संरक्षण में हो रहे है। और शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्यवाही करने को तैयार नहीं हैं। जिससे यह साफ जाहिर होता है कि विभाग की कहीं ना कहीं संलिप्तता है। वहीं ग्रामीणों की शिकायत पर अगर वन विभाग के कर्मचारी या अधिकारी मौके पर पकड़ते हैं तो मामूली से जुर्माने पर खानापूर्ति करके छोड़ देते जिससे लकड़कट्टों के हौसले बुलंद जब सैंया कोतवाल अब डर काहे का काकोरी मे आए दिन लकड़कट्टों का आरा चलता रहेगा।

काकोरी क्षेत्र में मलहा गांव में आम की बाग में लगे 10 से 15 आम के पेड़ों को काट कर पूरी बाग को सफाया कर दिया। इस अवैध कटान की ग्रामीणों ने वन विभाग सहित पुलिस को लगातार सूचना करने के बाद कार्यवाही तो हुई मगर मामूली जुर्माने पर छोड़ दिया गया। जिससे काकोरी क्षेत्र में लकड़कट्टों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं जहां चाहते हैं जिस जगह चाहते हैं पेड़ों को काट डालते हैं और हरियाली को उजाड़ फेंक देते हैं जिसके कारण हमारी पर्यावरण को काफी नुकसान हो रहा है।

कैबिनेट मंत्री का अपना दल के कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में अनुसूचित जाति जनजाति की छात्रा को एक रुपए में देंगे डिग्री
- प्रथम आगमन पर नगराम मंडल के समेसी,असलम नगर, हुसैनाबाद , बहरौली सहित विभिन्न जगहों पर हुआ स्वागत

नगराम, लखनऊ । विधान सभा मोहनलालगंज क्षेत्र के नगराम मंडल में प्राविधिक शिक्षा उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार आशीष पटेल को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने के बाद जनपद में प्रथम आगमन पर जगह जगह स्वागत किया गया । इसी क्रम में समेसी कस्बा स्थित पटेल हीरो एजेंसी पर विकास पटेल सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया । रविवार को अपना दल एस के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष सिंह पटेल के जनपद भ्रमण के दौरान अपना दल के कार्यकर्ताओं ने जगह जगह उनका स्वागत किया । क्षेत्र भ्रमण के दौरान नगराम मंडल के समेसी कस्बे में कैबिनेट मंत्री ने सरदार बल्लभ भाई पटेल , शिवाजी , भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया । इस दौरान विकास पटेल ने अशोक स्तंभ का स्मृति चित्र देकर माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया । इसी क्रम में ग्राम प्रधान बृजेश पटेल , सलेमपुर अचाका प्रधान , वरिष्ठ नेता विकास पटेल , विनीत जायसवाल ग्राम प्रधान शाह मोहम्मदपुर अपैया , रामजी पटेल , सुशील पटेल , हसनपुर ग्राम प्रधान सत्यम सिंह सहित समेसी ग्राम प्रधान अशोक रावत ने माला पहनाकर गणेश एवं अशोक स्तंभ की स्मृति चित्र देकर कैबिनेट मंत्री का जोरदार स्वागत किया । कार्यक्रम में उपस्थित महिला मोर्चा भाजपा नगराम मंडल अध्यक्ष मोनिका गुप्ता ने गणेश स्मृति चित्र देकर कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया । अपना दल एस के कार्यकर्ताओं द्वारा नगराम मंडल के विभिन्न जगहों पर कैबिनेट मंत्री के प्रथम आगमन पर स्वागत किया गया । भ्रमण के दौरान असलम नगर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जितने भी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज हैं वह सभी अपने-अपने कॉलेज में 1-1 अनुसूचित जाति जनजाति छात्रों को एक रुपए के टोकन मनी पर इंजीनियरिंग की डिग्री देंगे, छात्राओं से फीस के तौर पर सिर्फ 1 रूपए लिया जाएगा ।इस दौरान लालजी वर्मा , रामपाल सिंह , बीजक प्रकाश , श्रीकांत वर्मा , इंद्रपाल , लक्ष्मण , सुरेश चंद्र , आशीष कुमार, राजकुमार, जयप्रकाश सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री का समेसी कस्बा स्थित हीरो एजेंसी पर स्वागत किया।

चैतन्य वेलफ़ेयर फाउंडेशन ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विश्व थैलेसीमिया दिवस एवं मदर्स डे के अवसर पर चैतन्य वेलफ़ेयर फाउंडेशन के द्वारा भाऊराव देवरस सिविल अस्पताल महानगर में रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की ब्लड बैंक टीम द्वारा ब्लड कलेक्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर संयुक्ता भाटिया एवं सिविल अस्पताल महानगर के सीएमएस डॉ आर सी सिंह रहे। जिन्होने इस रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को सम्मान पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया। चैतन्य वेलफ़ेयर फाउंडेशन की तरफ से ओम कुमारी सिंह ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में लगभग 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जिसमें विशाल चौधरी, मुकेश सिंह, शरद मेहरोत्रा, रजनीश गुप्ता, अविकल गुप्ता, अभिषेक पांडे, जितेंद्र रोहरा, आस्था रोहड़ा, डॉ दीप्ति वर्मा, पायल धनानी, संजय यादव, अंकिता श्रीवास्तव,

25 लोगो ने किया रक्तदान

पत्रकार प्रमोद यादव, मनोज कुमार, रुद्रांश सिंह, ऊषा तिवारी, डॉ जितेंद्र, धर्मवीर गुप्ता, सचिन श्रीवास्तव, राकेश मनचंदा, देश दीपक सिंह, आकांक्षा मारवाह, मनोज सिंह, संजीव, प्रदीप पात्रा, नेहा वर्मा, प्रतीक व रमन मारवाह ने रक्तदान किया। विशिष्ट अतिथियों में विजय कुमार भल्ला, देश दीपक सिंह, यशवंत सिंह, आर के सिंह, डॉक्टर कोमल, डॉक्टर शुक्ला ने इस मौके पर सबका मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर ओम सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर के आयोजन का उद्देश्य लखनऊ शहर के बाहर के क्षेत्रों के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को लखनऊ शहर में इलाज के लिए आए लोगो को निशुल्क रक्त उपलब्ध कराना है। उन्होने बताया कि संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से एवं कोरोना काल में भी निरंतर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज कुमार यादव, दिवाकर अवस्थी, प्रदीप पात्रा, शरद मेहरोत्रा, प्रदीप शर्मा व रेखा उपस्थित रही।

स्मैक के साथ युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलाल गंज लखनऊ । पुलिस ने शनिवार की शाम चेकिंग के दौरान एक युवक के पास से अवैध स्मैक बरामद कर गिरफ्तार किया। मोहनलाल गंज थाना प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा के अनुसार सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलाल गंज विजय राज सिंह के निर्देश पर सब इंस्पेक्टर कस्बा इंचार्ज राजेंद्र यादव अपने हमराही रोहित कुमार के साथ मऊ नहर पर गश्त कर रहे थे कि तभी पुलिस को देखकर एक युवक अचानक भागने लगा तो पुलिस ने उस युवक को दौड़ा कर पकड़ लिया और तलाशी ली तो उसकी दाहिनी जेब की अंदर से सफ़ेद पन्नी के अंदर नौ ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई नाम पता मालूम करने पर युवक ने अपना नाम शम्भू पुत्र श्याम लाल निवासी जमालपुर दुदुरी थाना नगराम ज़िला लखनऊ बताया मोहनलालगंज पुलिस ने युवक की गिरफ्तारी करते हुए नारकोटिक्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर युवक को जेल भेज दिया।।

केसरी शाह स्मारक एवं भव्य मंदिर में 27 मूर्तियों की हुई प्राण प्रतिष्ठा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बक्शी का तालाब,लखनऊ। नगर पंचायत बख्शी का तालाब के भौली गांव मे केसरी शाह स्मारक एवं भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया।आपको बता दें कि राजस्थान के राजा अभय साह के पुत्र केसरी साह जो लगभग 450 वर्ष पहले नगर पंचायत बख्शी का तालाब के गांव भौली के बड़े द्वार में आकर बसे थे। बख्शी का तालाब के चौहानों की उत्पत्ति इन्हीं से मानी जाती है। केसरी साह स्मारक एवं महादेव मंदिर समिति भौली के संरक्षक कुंवर हरदत्त सिंह चौहान ने बताया कि पिछले कई वर्षों से केसरी साह स्मारक एवं मंदिर निर्माण का प्रयास चल रहा था नगर पंचायत अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने अपने संसाधनों से भव्य मंदिर का निर्माण कराया है।भौली गांव के निवासी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पूरे गांव के 7 मंदिरों में जाकर बिधि बिधान से पूजा पाठ किया गया और उसके बाद मंदिर में 27 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई और उन्हें मंदिर में स्थापित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य तथा गांव के हजारों श्रद्धालु शोभा यात्रा में शामिल हुए।

प्रधान ने तहसील दिवस में की गई भट्ठा मालिकों की शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के मलौली गांव में चल रहे हैं ईंट भट्ठों के वाहनों के कारण गांव का मुख्य रास्ता पैदल चलने लायक भी नहीं रह गया है। इसी बात की शिकायत ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र रावत द्वारा 7 मई 20220 को तहसील दिवस में की गई है और इसी के साथ भट्ठा मालिकों के विरुद्ध कार्यवाही करने की भी मांग की गई है। गांव के प्रधान द्वारा की गई शिकायत के अनुसार मलौली गांव की सीमा में चार ईंट भट्ठे है जिनके वाहनों द्वारा रास्ते खराब किये जाते हैं। भट्ठा मालिकों से कई बार इस संबंध में कहा गया है लेकिन उन लोगों ने अपने कानों में उंगली डाल रखी है।इस समय भट्ठा मालिक केवल अपना लाभ देख रहे हैं। ग्राम प्रधान के अनुसार इन भट्ठों की वजह से दो रास्तों पर आवागमन बाधित हो रहा है।इस दोनों रास्तों पर खडंजा लगा हुआ है फिर भी ये रास्ते चलने लायक नहीं है। गांव वालों के अनुसार मलौली के इन दोनों रास्तों को बदहाली की वर्तमान स्थिति को पहुंचाने वाले आस पास के भट्ठे ही है।लोग कहते हैं कि भट्ठों की कच्ची ईंटें ढोने वाले ट्रैक्टरों से जो ईंटें गिर जाती है उन्हें रास्ते से हटाने का काम नहीं किया जाता है।यही कारण है कि रास्तों में धूल इतनी अधिक बढ़ गई है कि लोगों को पचासों साल पुराने रास्ते याद आने लगे हैं।

किसी ने पखारे मां के पैर, तो किसी ने केक काटकर मनाया मातृ दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- सीओ ने थाने पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ काटा केक

बख्शी का तालाब,लखनऊ।मदर्स डे के मौके पर घरों में रविवार को बच्चों में उत्साह नजर आया। इस दौरान किसी ने मां के चरण पखारे,तो किसी ने केक काटकर मां का गुणगान किया।इसके साथ ही रविवार को विद्यालयों में अवकाश होने के चलते तमाम बच्चों ने अपनी मां की घर के कामों में मदद कर मदर्स डे मनाया। मदर्स डे को लेकर राजधानी के ग्रामीण क्षेत्र बीकेटी के तमाम घरों में बच्चों ने तैयारियां की हुई थीं।किसी ने सुबह मां के लिए चाय बनाई, तो किसी ने खाना बनाने में मां की मदद की। इस दौरान केक काटकर मां को शुभकामनाएं दी गईं। वहीं चरण छूकर बच्चों ने मां का आशीष प्राप्त किया।कठवारा गांव निवासी कुमुद बाजपेयी जिज्ञासा बाजपेयी ने मां पिंकी बाजपेयी और ज्योती सिंह ने मां सीमा सिंह के साथ केक काटकर मदर्स डे मनाया। साथ ही मां की बात मानने का वादा किया।वहीं विहिप जिलाध्यक्ष राम प्रकाश सिंह एडवोकेट ने वृद्ध माताओं के चरणों को गंगाजल,दूध,दही, शहद आदि से धोया और उन्हें फूल मालाएं,पहनाकर श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मां का सम्मान प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए। ईश्वर की बनाई दुनिया में सबसे खूबसूरत रचना मां है। भगवान से बढ़कर पहला स्थान मां का होता है।और जहां मां का सम्मान नहीं होता, वो घर नरक के समान होता है।वहीं बीकेटी की महिला सीओ नवीना शुक्ला ने बीकेटी महिला थाना प्रभारी ईशा सचान व अन्य महिला पुलिस कर्मियों के साथ केक काटकर मातृ दिवस मनाया उन्होंने मातृ शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक महिला अपनी ढ़ेर सारी जिम्मेदारियो को बिना थके,बिना रुके निभाती है।साथ ही अपने बच्चे का पूरा ख्याल रखते हुए एक माँ के रूप में दोहरी भूमिका भी साथ-साथ निभाती हैं।उन्होंने कहा कि माँ बहुत खुश होती है जब उसका बच्चा हँसता है तथा जब वह रोता है तो बहुत दुखी हो जाती है, इस दुनिया में माँ ही एकमात्र ऐसी इंसान होती है जो अपने बच्चों के लिये पूरी निष्ठावान होती है।मां बच्चे को जन्म देने से लेकर उसे एक अच्छा इंसान बनाने एवं उसके चरित्र और पूरे जीवन को आकार देती है और अपने बच्चे की वृद्धि और विकास में माँ महत्वपूर्ण भूमिका भी अदा करती है।

मदर्स डे पर ममता ने लगायी मुख्यमंत्री योगी से मदद की गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । अपने नशेड़ी पति मुकेश सिंह के गलत चालचलन और रोजाना होने वाली घरेलू हिंसा से अपने दो दुधमुंहे बच्चों को बचाने में जुटी कन्नौज निवासी ममता ने रविवार को मुख्यमंत्री दरबार में मदद के लिये गुहार लगाई। कन्नौज के तिरवा गांव में रहने वाली ममता ने बताया कि उसके पति के गलत चालचलन से अपने बच्चों को बचाने के लिये उसने कन्नौज के पारिवारिक न्यायालय में तलाक के लिये प्रार्थनापत्र देने का का निर्णय लिया था लेकिन उसके अधिवक्ता रणधीर सिंह माथुर ने बहका कर ससुराल वालों से गुजाराभत्ता लेने का मुकदमा दर्ज करा दिया।इसके बाद रणधीर एडवोकेट उसके ससुराल वालों से मिलकर समझौते के लिये दबाव डालने लगा।इसमें असफल होने पर उसने अदालत परिसर में उसके पिता और भाई पर जानलेवा हमला कर दिया जिसमें पिता और भाई को गंभीर चोटें लगी थीं।ममता ने बताया कि सैकड़ों चश्मदीदों के सामने दिनदहाड़े हुई इस घटना का मुकदमा कन्नौज सदर थाने में 20 अप्रैल 2022 से दर्ज है लेकिन अब अपने पुलिसिया और आपराधिक संपर्कों के दम पर रणधीर और उसके ससुराल वाले उसके बच्चों सहित सबको मारने का षड्यंत्र रचने में जुटे हैं।कन्नौज के एसपी के रुख पर बात करने पर ममता ने पत्रकारों को बताया कि उनकी सहायता के कारण आज वह अपने घायल पिता के साथ मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचने में सफल हो पाई है।मामला आईपीएस से भाजपा विधायक बने समाज कल्याण मंत्री के विधानसभा क्षेत्र से जुड़ा बताया गया है।ममता और उसके पिता ने बताया कि कन्नौज में अपराधियों से संपर्क में रहने वाले अधिवक्ता रणधीर माथुर के खिलाफ उन्होंने कन्नौज सदर विधायक के अलावा उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से शिकायत दर्ज कराई है और उन्होंने उचित कार्यवाही का आश्वासन भी दिया है।

टीएमसी नेता ने किया रवींद्र नाथ टैगोर की मूर्ति का अनवरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। रविवार को ए पी सेन गर्ल्स डिग्री कॉलेज टीएमसी नेता संजय चक्रवर्ती ने रवींद्र नाथ टैगोर की मूर्ति का अनवरण किया गया। इस अवसर पर तृणमूल कांग्रेस के नेता संजय चक्रवर्ती जी ने रवींद्र नाथ टैगोर जी के बारे में कहा कि वह विश्व विख्यात कवि, साहित्य कर, दर्शनिक, राष्ट्र गण के रचिता, तथा एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति थे। अपनी कृतियों के माध्यम गुरुदेव हमेशा लोगो के दिलो में जिदा रहेंगे।

अंतराष्ट्रीय मातृ दिवस पर 15 आदर्श माताओं का हुआ सम्मान

लखनऊ। वीरांगना इंडिया द विशाल कश्यप इनिशिएटिव और त्रुवेदा के तरफ से रविवार को अंतराष्ट्रीय मातृ दिवस मनाया गया। जिसमे 15 ऐसी आदर्श माताओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने बच्चों के परवरिश के लिए अपना सर्वस्व त्याग दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत की पहली महिला बाउंसर मेहरुन्निसा ने सबको सम्मानित किया। उन्होंने कहां के मां एक ऐसा शब्द है जिसमे पूरी दुनिया दिखाई देती है और आज की माताओं में बच्चों की परवरिश के अलावा भी बहुत सारे कार्य करने की क्षमता होती है। वीरांगना इंडिया की राष्ट्रीय महासचिव प्रिया मिश्रा ने कहां की दुनिया की एकमात्र सत्य मां होती है, क्यों की हम उनके माध्यम से इस दुनिया में आते है। त्रुवेदा की निर्देशक हिना नदीम ने कहां के बहुत सारी माताएं है सम्मानित करने के लिए लेकिन एक दिन में सबको सम्मानित करना संभव नहीं है। इसलिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शकील अहमद को व्हीलचेयर देकर की मदद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नीशू वेलफ़ेयर फाउंडेशन एवं मां गायत्री जन सेवा संस्थान की तरफ से रविवार को कैम्पल रोड निवासी मोहम्मद शकील अहमद को व्हीलचेयर देकर मदद की। बतातें है कि मोहम्मद शकील जो की दुकान चलाकर परिवार का पालन पोषण करते है लेकिन काफी दिनों से बीमारी के चलते बेड पर थे और चल फिर पाने में असमर्थ हैं। शकील अहमद के तीन बच्चे हैं जिनके भरण पोषण की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी। पर अब उनके लिए जिम्मेदारी निभाना बहुत कठिन हो गया है क्योंकि शकील अहमद बिस्तर से उठ भी नहीं पाते हैं। हालांकि जब इस बात की जानकारी मां गायत्री जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह और नीशू वेलफ़ेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष गुंजन वर्मा को हुई तो उन्होंने तत्काल व्हीलचेयर लेकर शकील को प्रदान की ताकि उनके रोजमर्रा के जीवन में थोड़ी सी आसानी हो सके।

मजदूरी करके भी महिलाएं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का कर रही प्रयास : राज्यपाल

- एकेटीयू के 22 वर्ष पूरा होने पर आविर्भाव दिवस व मातृ दिवस का हुआ आयोजन
- मातृ शक्ति का बढ़ाया मान किया सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर से आईईटी में आयोजित आविर्भाव दिवस के 22 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर और मातृ दिवस के मौके पर रविवार को राज्यपाल सहकुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि अब महिलाओं की सोच में परिवर्तन आया है। कम पढ़ी लिखी महिलाएं भी मजदूरी करके अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का प्रयास कर रही हैं। जिससे कि उनके बच्चे भी अच्छा जीवन यापन कर सकें। भारत अब रूढ़िवादी सोच से बाहर निकल रहा है, इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका महिलाएं निभा रही हैं। इस मौके पर उन्होंने मातृ शक्ति का सम्मान किया। परमार्थ संस्था के पांच बच्चों और उन्हें पढ़ाने वाली पांच आईईटी की छात्रा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहुओं, निर्माण कार्य में लगी महिलाओं को सम्मानित किया। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की। वहीं प्रसूता महिलाओं के शिशुओं को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। उन्होंने आईईटी के नवनिर्मित उत्तरी गेट का भी अनावरण किया। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने एकेटीयू के 22 वर्षीय यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस 22 साल में विश्वविद्यालय ने बहुत से उतार चढ़ाव को देखते हुए तकनीकी शिक्षा के विकास में योगदान दे रहा है। कहा कि विश्वविद्यालय न केवल तकनीकी शिक्षा बल्कि उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ाने में भी अपनी भूमिका निभा रहा है। कहा कि हिन्दी में बीटेक की पढ़ाई करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इस विश्वविद्यालय से जुड़े जितने कालेज हैं उन्होंने अपने यहां अपने स्रोतों से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की न्यूनतम एक छात्रा को पढ़ाने की पहल की है। कुलपति प्रो0 प्रदीप कुमार मिश्र ने कहा कि 22 वर्ष पहले प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा के विकास को नया आयाम देने के लिए इस विश्वविद्यालय शुरूआत की थी। अपने स्थापना के उद्देश्यों को पूरा करता हुआ यह संस्थान सिर्फ तकनीकी शिक्षा ही नहीं बल्कि सामाजिक सरोकार का भी भागीदार बन रहा है। कहा कि शिक्षा का तात्पर्य तभी पूरा होता है जब हम समाज के लिए कुछ कर सकें। इस दिशा में विश्वविद्यालय अपने दायित्वों का निर्वहन करने का प्रयास कर रहा है। कहा कि आज मातृ दिवस के शुभ अवसर पर हमें सभी माताओं के सम्मान का संकल्प लेना चाहिए।

जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कहा कि मातृ दिवस और विश्वविद्यालय के आविर्भाव दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम निश्चित ही हमें प्रेरणा देगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के 22 वर्षों के इतिहास को समेटे एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी।

महिलाओं को दिया टिप्स

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल महिलाओं के लिए अभिभावक की भूमिका में रहीं। उन्होंने बच्चों के सही पालन पोषण के बारे में बताया। कहा कि बच्चों में बचपन से ही आत्मनिर्भर बनने की आदत डालनी चाहिए। माताओं को उन्हें ऐसा संस्कार देना चाहिए जिससे कि वो आगे चलकर किसी पर निर्भर न रहें। घर का वातावरण ऐसा बनाये जिससे कि बच्चों पर कोई बुरा प्रभाव न पड़े। क्योंकि ये बच्चे ही हमारे देश के भविष्य हैं। मां बनने का सौभाग्य हर महिला के लिए सुखद होता है। माताओं का सम्मान करना होगा। कहा कि अन्न प्राशन कराने की रस्म का लक्ष्य है कि छह माह के बच्चे को कौन कौन सा पौष्टिक भोजन दिया जाये जिससे कि उनका विकास अच्छे ढंग से हो। गोद भराई भी इसी तरह की प्रथा है जिससे कि गर्भवती महिलाओं को ये बताया जाता है कि उनके लिए सही खान पान क्या है।

जिम्मेदारी का दिलाया एहसास

राज्यपाल ने कहा कि अभी भी 15 से 17 फीसदी बच्चों का जन्म अस्पताल में न होकर घरों में होता है। कहा कि हमें अपने अपने गांव या आस पास की गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में डिलेवरी के लिए जागरूक करना चाहिए। साथ ही कुपोषित बच्चों और टीबी के मरीज बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जागरूक कर अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहिए। कहा कि घर में पड़ने वाले जन्म दिवस को होटल में मनाने की बजाय यदि हम आंगनबाड़ी केंद्रों पर जाकर बच्चों को खाना खिलाएं तो यह ज्यादा संतुष्टि देने वाला होगा।

विश्वविद्यालयों में होंगे परंपरागत खेल

राज्यपाल ने कहा कि हम अपने पारंपरिक खेलों से दूर हो गये हैं। जबकि ये खेल हमें एक दूसरे से जुड़ने का मौका देते थे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में पारंपरिक खेल जैसे, कबड्डी, खो-खो, लट्टू, गिल्ली डंडा का, लंगड़ी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र से लेकर अध्यापकों तक की भागीदारी होगी। कहा कि हर विश्वविद्यालय परिसर में बरगद का पेड़ लगाना चाहिए।

देवरी लोकल टूरिस्ट स्पॉट का डीएम ने किया लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर/बेहजम-खीरी। बेहजम ब्लाक के देवरी ग्राम पंचायत में बने पिकनिक स्पॉट, अमृत सरोवर रूपी मॉडल तालाब जो सौंदर्यीकरण, नौकाविहार की सुविधाओं से युक्त व बेहद खूबसूरत है जिसका शनिवार को डीएम महेंन्द्र बहादुर सिंह ने लोकार्पण किया। शनिवार देर शाम डीएम ने अपने परिवार व अफसरों के साथ बेहजम की देवरी ग्राम पंचायत पहुंचकर इस मॉडल तालाब को ग्रामीणों को समर्पित किया जो कि किसी टूरिस्ट स्पॉट से कम नहीं है। साथ ही कहा कि अब इस खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट की देख रेख और रखरखाव की जिम्मेदारी आप सबकी है। सतरंगी गुब्बारों से सजे धजे इस अमृत सरोवर रूपी मॉडल तालाब का डीएम महेंद्र बहादुर सिंह और उनकी धर्मपत्नी जिला आकांक्षा समिति की अध्यक्ष अल्पना सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह के साथ विधि विधान से पूजन अर्चन कर इसका शुभारंभ किया। डीएम की दोनों पुत्रियों ने फीता काटकर इसे ग्रामीणों को समर्पित किया। डीएम व उनकी धर्मपत्नी ने परिसर में औषधीय व फलदार तथा छायादार पौधों को भी रोपित किया। डीएम ने परिवार के साथ करीब 30 मिनट तक नौका विहार का आनंद भी लिया। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि देवरी के लिए यह बहुत ही गौरव का दिन है कि आज देवरी को एक लोकल टूरिस्ट स्पॉट की सौगात मिली है, जिसमें वह नौका विहार का भी आनंद ले सकेंगे तथा सरोवर के बीच मे बने श्री नारायण जी के मंदिर अपने आराध्य की पूजा अर्चना भी कर सकेंगे। यह मॉडल तालाब चारों तरफ सतरंगी रोशनी से सुसज्जित है। डीएम ने इस कार्य को पूर्ण करने वाले अफसरों को शुक्रिया कहा, तथा उन्होंने मौजूद ग्रामीणों से कहा कि इसे स्वच्छ व सुंदर बनाए रखना, आप सबकी समेकित

- सतरंगी गुब्बारों से सजे देवरी टूरिस्ट स्पॉट में डीएम ने परिवार संग लिया नौका विहार का लुफ्त
- इस टूरिस्ट स्पॉट को सुरक्षित व संरक्षित रखना आपकी सबकी जिम्मेदारी : डीएम

जिम्मेदारी है, देवरी गांव में नौका विहार लोगों को अद्भुत आनंद देगा। ह्लस्वच्छ लखीमपुर खीरी- सुंदर लखीमपुर खीरीह्व के अभियान में ग्राम प्रधान केशव राम, सचिव रमेश कुमार ने भी बड़ी भूमिका अदा करके रिजल्ट ओरिएंटेड काम किया है जो काबिले तारीफ है। अन्य प्रधानों को भी इससे प्रेरणा लेकर अपने तालाबों को विकसित करने का संकल्प लेना चाहिए, जो स्वच्छ एवं सुंदर लखीमपुर अभियान में अहम किरदार बनेगा। इस मौके पर बीडीओ बेहजम शिखर श्रीवास्तव, प्रमुख बीना राज, सदस्य जिला पंचायत रामशंकर राज, समाजसेवी बृजेश सिंह, ग्राम प्रधान केशव राम, सचिव रमेश कुमार, पूर्व प्रधान जाहेन्दर सिंह, एडीओ पंचायत रामाधार, एपीओ समेत अन्य अफसर, ब्लाक कर्मचारी, पत्रकार बंधु एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दो पीएचसी पर स्वास्थ्य मेले में देखे गए 97 मरीज, साल में हुई 308 डिलीवरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- एसीएमओ डॉ.अनिल कुमार गुप्ता ने किया पीएचसी बरबर और औरंगाबाद का निरीक्षण

लखीमपुर-खीरी। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की जमीनी हकीकत जानने के लिए एसीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने पसगवां सीएससी अंतर्गत पीएचसी बरबर व औरंगाबाद का निरीक्षण किया। दोनों जगह मेले में करीब 97 मरीज देख गए। जिन्हें आवश्यकता अनुसार दवाइयां दी गई और वहीं जाचें कराई गई। दोनों ही पीएचसी पर बने डिलीवरी प्वाइंट पर साल में 308 डिलीवरी कराई गई। इस दौरान पीएचसी प्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार मौजूद रहे। एसीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों को संपन्न कराने के लिए सीएमओ डॉ. शैलेंद्र भटनागर के निर्देश पर उनके द्वारा पीएचसी बरबर और औरंगाबाद का निरीक्षण किया गया है। इस दौरान पीएचसी बरबर में 58 मरीज देखे गए थे। वहीं पीएचसी औरंगाबाद में 39 मरीज देखे गए थे। पीएचपी औरंगाबाद में स्टाफ नर्स उर्वशी और विमलेश्वरी सहित वार्ड बॉय रितेश अनुपस्थित पाए गए, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं पिछले माह में सीएचसी पर 14 डिलीवरी कराई गई थीं और साल में 235 डिलीवरी कराई गई हैं। पानी सप्लाई के लिए मोटर खराब था जिससे टंकियों में पानी नहीं आ रहा था। दरवाजे और खिड़कियां सही कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह पीएचसी बरबर में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बाउंड्री वाल टूटी है, पुराने आवास कंडम कराकर नीलामी करने के निर्देश दिए गए। बिजली व्यवस्था सही करने के लिए मौके से ही बिजली विभाग से दूरभाष पर बात कर बिजली सप्लाई लाइन को सही करने संबंधित वार्ता की गई। इसी के साथ पीएचसी पर लाइट और पंखे सही करने के निर्देश पीएचसी प्रभारी डॉ प्रमोद वर्मा को दिए गए। टंकियों में पानी नहीं आ रहा था, इसे दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। पीएससी में पिछले एक माह में 7 डिलीवरी की गई थीं वहीं साल में 73 डिलीवरी कराई गई हैं, जिसे और बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दोनों ही पीएचसी पर साफ-सफाई तथा लगी हुई झाड़ियों को तत्काल साफ कराने के भी निर्देश दिए गए।

माडल तालाबों में भी नहीं एक बूंद, जिम्मेदार बने मूकदर्शक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- तेज धूप ने इंसानों के साथ पशु पक्षियों का जीना मुश्किल कर दिया है
- तालाब पोखरों मे धूल उड़ रही है स्थिति ऐसी ही रही तो पशु पक्षियों के सामने संकट

सीतापुर । महराजनगर उत्तर प्रदेश के सीतापुर में सरकारी तालाबों में धूल उड़ रही है और पानी के लिए पशु पक्षियों का बुरा हाल है जबकि गर्मी अपने पुरे शबाब पर है फिर भी जिम्मेदार बराबर नजरंदाज कर रहे हैं और गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं हजारों की संख्या में में मनरेगा से जिले में सभी ग्राम पंचायतों में तालाब खुदवाये गये है लेकिन तालाबों में पानी नहीं हराया गया है इस कारण पशु पक्षियों को पानी की तलाश में भटकते रहते हैं इसमें से तमाम तो ऐसे हैं जो प्यास के कारण दम तोड देते हैं जो किसी में रिकार्ड नहीं है दिनोदिन बढ रही गर्मी और तेज धूप ने इंसानों के साथ पशु पक्षियों का जीना मुश्किल कर दिया है ऐसे में बेजुबान प्यास बुझाने इधर उधर भटकते रहते हैं दुसरी तरफ तालाब पोखरों मे धूल उड़ रही है स्थिति ऐसी ही रही तो पशु पक्षियों के सामने संकट और बढ़ जायेगे जिले के अधिकांश तालाबों में पानी नहीं है । विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से सिर्फ दिखावे के लिए महज खानापूर्ति की गई है । सकरन ब्लाक में अधिकांश तालाबों में धूल उड़ती दिखाई देती है और जिम्मेदार मौन बने बैठे हैं और सिर्फ कागजों पर ही तालाब पोखरों मे पानी भरा जाता है जबकि जिले में मनरेगा से खुदवाये गये हजारों की संख्या में तालाब है मिश्रिख, बिसवां, लहरपुर, परसेंडी , रेउसा ब्लाक में वर्षों पूर्व बनवाये ग्रे माडल तालाब भीषण गर्मी में सूखे पड़े हैं किसी भी पंचायत में ग्राम पंचायत। में प्रधान द्वारा पशु पक्षियों को पीने के लिए पानी तालाबों में भरवाया नहीं गया जिससे पशु पक्षियों को इधर उधर भटकने पर मजबूर हैं । माडल तालाबों में भी नहीं एक बूंद पानी विकास खण्ड रेउसा में करीब पैंतीस माडल तालाब खुदवाये गये है और इस समय किसी भी तालाब में एक बूंद पानी नहीं है और जिम्मेदार अधिकारी और प्रधान मूकदर्शक बने हुए हैं जिससे पशु पक्षियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।

मंत्री के निरीक्षण में खुली वसूली की पोल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला अस्पताल में मरीजों से इलाज के नाम पर हो रही उगाही की पोल शनिवार को प्रदेश की बाल विकास पुष्टाहार एवं महिला कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतिभा शुक्ला के सामने खुल गई। वार्ड में भर्ती मरीजों ने मंत्री से शिकायत की कि उनसे यहां पैसों की वसूली की जाती है। मरीजों के तीमारदारों ने बेड से चादर हटाकर मंत्री को दिखाया कि कैसे जर्जर एवं फटे बेड पर भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। इस पर मंत्री ने इन सबकी जांच कराने का निर्देश डीएम को दिया। मंत्री ने वार्डों में गर्मी से बेहाल मरीजों व तीमारदारों की सुविधा के लिए कूलर भी लगाने का निर्देश दिया।जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिए जाने के दावे शनिवार को उस समय खोखले साबित हुए, जब बाल विकास पुष्टाहार एवं महिला कल्याण राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला जिला अस्पताल के निरीक्षण पर पहुंचीं। वैसे तो अस्पताल प्रशासन ने शुक्रवार को ही सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं, लेकिन शनिवार को उसकी सभी तैयारियां धरी की धरी रह गईं।हुआ यह कि मंत्री प्रतिभा शुक्ला लेबर रूम, ऑक्सीजन प्लांट व डायलिसिस वार्ड का जब निरीक्षण कर रही थीं, तो इसी बीच कुछ तीमारदारों ने उनसे वार्ड नंबर चार में चलने का अनुरोध किया। इस पर वे सीधे वार्ड नंबर चार में पहुंच गईं। मरीजों व तीमारदारों से जानकारी लेती हुईं जब वह बेड संख्या 19, 20 व 21 पर पहुंचीं, तो वहां भर्ती मरीजों के तीमारदारों ने आरोप लगाते हुए कहा कि इलाज के नाम पर उनसे उगाही की गई है। कहा गया कि सिर्फ हम लोगों से ही नहीं, कई अन्य मरीजों व उनके तीमारदारों से भी इलाज के नाम पर वसूली की जाती है।

मरीजों व तीमारदारों की ओर से उगाही किए जाने की शिकायत की गई, तो वहां मौजूद अस्पताल प्रशासन सन्न रह गया। वहां कुछ तीमारदारों ने बेड शीट को हटाया, तो क्षतिग्रस्त बेड की तस्वीर सामने आ गई। बेड फटा हुआ था। तीमारदारों ने शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि इसी प्रकार के क्षतिग्रस्त बेड पर मरीजों को भर्ती किया जाता है। इस पर मंत्री ने मामले की जांच कराने के निर्देश डीएम को दिए। साथ ही यह भी कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

मंत्री को देख रो पड़ी तीमारदार

वार्ड नंबर चार में ही एक बेड पर सम्मनपुर निवासी अल्फिया भर्ती थी। बीते दिनों आई आंधी के साथ बारिश के बीच उसके पैर पर टिनशेड गिर पड़ा था, जिससे फ्रैक्चर हो गया था। उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा था। मंत्री प्रतिभा शुक्ला जब उसके बेड के पास पहुंचीं, तो उन्हें देखते ही बालिका की मां फफक कर रो पड़ी। जब मंत्री से महिला ने कहा कि उसकी पुत्री को ब्लड की जरूरत है। मंत्री ने अधिकारियों की तरफ देखा तो वहां मौजूद अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि उसे ब्लड जरूर मिलेगा। ब्लड की कोई कमी नहीं है। अधिकारियों से आश्वासन पाकर अल्फिया के परिवारीजनों को काफी राहत महसूस हुई।

वार्डों में लगाए जाएं कूलर

भीषण गर्मी को देखते हुए मरीजों व तीमारदारों ने समुचित व्यवस्था न होने की शिकायत मंत्री से दर्ज कराई। बताया कि ऊपरी मंजिल का हिस्सा होने के कारण वार्डों में काफी गर्मी रहती है। केवल पंखे के सहारे गर्मी से राहत मिल पाना संभव नहीं हो रहा है। इस पर मंत्री ने जिम्मेदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक वार्ड में जल्द कूलर लगाया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्ची से सुनी कविता

अंबेडकरनगर। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला कटेहरी विकास खंड के घाघूपुर परिषदीय विद्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं। केंद्र के निरीक्षण के बीच उन्होंने वहां बच्चों से कविता व अक्षर ज्ञान के बारे में जानकारी हासिल की। बेटी आदिती प्रजापति ने मंत्री के समक्ष कविता पढ़कर सुनाई। मंत्री ने कार्यकर्ता अमरावती की प्रशंसा की। उन्होंने पांच गर्भवती महिलाओं की जहां गोदभराई की, तो वहीं तीन बच्चों का अन्नप्रासन कराया। इसके बाद मंत्री अहिरौली थाने गईं। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क का जायजा लिया। महिला पुलिसकर्मी चंचल सिंह से शिकायतों के बारे में जानकारी ली। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह को निर्देशित किया कि महिलाओं के प्रति पूरी तरह से नरमी बरती जाए। शिकायत दर्ज कराने पहुंचने वाली महिलाओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इन मौके पर एमएलसी हरिओम पांडेय, डीएम सैमुअल पॉल एन, सीडीओ घनश्याम मीणा, एसडीएम पवन जायसवाल, सीओ अशोक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेत्री अर्चना मिश्रा का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

आलापुर अंबेडकरनगर। एक समारोह में शिरकत करने के लिए आ रही भाजपा की प्रदेश मंत्री मंत्री अर्चना मिश्रा का रामनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी विधानसभा स संयोजक पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष आनंद जायसवाल आदि की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया अपने भव्य स्वागत से अभिभूत भाजपा प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने कार्यकर्ताओं के मान सम्मान का पूरा भरोसा दिल आया उक्त मौके पर मंडल अध्यक्ष गोविंद साहब भगवान पांडे राजेश्वर पाठक वैभव त्रिपाठी अश्वनी तिवारी अल्गू मद्धेशिया त्रिवेंद्रम जायसवाल गुलाब सिंह नीरज सोनी अनूप मद्धेशिया शत्रुघ्न मद्धेशिया विजय बहादुर घर भरन चौहान राजित राम मौर्य अमन कुमार शिशिर चौरसिया गंगाधर चतुर्वेदी सोनू गौड सत्येंद्र मद्धेशिया संजय जायसवाल कृष्णा मद्धेशिया रघुराज मधेशिया राम बहादुर चौहान विजय बहादुर गौतम रुद्र प्रताप सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे ।

टेंडर होने के बाद भी नहीं कराए गए कार्य

धौरहरा-खीरी। नगर पंचायत धौरहरा में टेंडर होने के एक साल बाद भी नहीं कराया गया काम नामित सभासदों ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर विधायक व एसडीएम से शिकायत कर कार्य पूरा कराए जाने की मांग की है। शनिवार को तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में नगर पंचायत के नामित सभासद प्रमोद तिवारी, सुरेन्द्र दीक्षित ने विधायक विनोद शंकर अवस्थी, एसडीएम धीरेंद्र सिंह को एक शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि नगर पंचायत में 2020 में बाजार स्थित रामनवमी मंदिर में इंटर लॉकिंग लगवाने के लिए टेंडर हुआ था जिसमे अब तक सिर्फ नाली का निर्माण ही किया गया है इंटरलॉकिंग का कार्य अभी नही कराया गया है। जिसे जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग की है। वही शुक्लावार्ड में सामुदायिक भवन का टेंडर किया गया था उसका निर्माण भी अधूरा पड़ा है ऐसे कई टेंडर हुए हैं जो काम एक साल बीत जाने के बाद भी अधूरे पड़े हुए हैं जिस तरफ कोई भी जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नही दे रहा है अतः मामले को संज्ञान में लेकर शीघ्र ही निर्माण कार्य पूरा कराए जाने की मांग की।

बांकेगंज के परिषदीय विद्यालय ग्रट नंबर 3 को मिला बेस्ट स्कूल ऑफ द वीक का खिताब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- बांकेगंज के परिषदीय विद्यालय ग्रट नंबर 3 को मिला बेस्ट स्कूल ऑफ द वीक का खिताब
- जब बालिस्टर ने संभाली स्कूल की कमान, बदल दी सूरत, लोग बोले वाह-वाह क्या बात है...

लखीमपुर-खीरी। ह्लइनको इनका हक दे पाऊं, पाने से ज्यादा लौटाऊं, स्नेह लुटाऊं, खूब पढाऊं, पावन शिक्षक धर्म निभाऊं, हे भगवान रहे सदबुध्दि, सत्य मार्ग से भटक न पाऊं।ह्व उक्त मनोभाव मन में सजाए बांकेगंज ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय ग्रट नंबर 3 के इंचार्ज प्रधानाचार्य बालिस्टर कुमार न केवल कही गई बल्कि उसका अमल करने के लिए वह पूरे जी-जान से जुटे हुए हैं। प्रधानाध्यापक की कार्यप्रणाली से ग्रामीण बोले वाह-वाह क्या बात है। खीरी में इन दिनों परिषदीय विद्यालयों में एक दूसरे से बेहतर बनने की होड़ मची हुई है, यह प्रतिस्पर्धा डीएम महेंद्र बहादुर सिंह द्वारा दिए गए टास्क से शिक्षकों के मन में उत्पन्न हुई है। डीएम ने हर सप्ताह एक सर्वश्रेष्ठ विद्यालय घोषित करने की एक श्रंखला शुरू की, फिर क्या शिक्षक अपने विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए पूरे जी-जान से जुट गए। इस सप्ताह बांकेगंज ब्लॉक के ग्रंट नंबर-3 गांव के प्राथमिक विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ विद्यालय के रूप में चुना गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक बालिस्टर विद्यालय को साफ व स्वच्छ विद्यालय बनाने के लिए अथक प्रयास किया। विद्यालय गांव से 2 किलोमीटर पर होने से बच्चों की कम उपस्थिति का दंश झेल रहा। कई प्रयास हुए मगर उपस्थिति न बढ़ सकी। दिसंबर 2021 में बालिस्टर को स्कूल की कमान मिली, बलिस्टर ने अपने वेतन से विद्यालय में प्रोजेक्टर की व्यवस्था की। कई अन्य प्रयोग किए ताकि बच्चे विद्यालय की ओर आकर्षित हो। परिणाम यह हुआ कि नए प्रयोग से बच्चों की उपस्थिति के साथ-साथ उनके ज्ञान एवं बौद्धिक स्तर में भी परिवर्तन देखने को मिला।

गार्डनिंग के शौकीन बालिस्टर ने विद्यालय में स्वमं बनाया किचन गार्डन

किचन गार्डन के बनने से जहां एक और प्रधानाध्यापक के गार्डनिंग करने का सपना भी साकार हुआ वहीं दूसरी ओर विद्यालय और भी सुन्दर दिखने लगा। विद्यालय का भौतिक परिवेश को सुधारने के लिए ग्राम पंचायत के सहयोग, साथी अध्यापकों की मेहनत व लगन की वजह से आज भौतिक परिवेश सुधरा, जो किसी प्राईवेट विद्यालय से कमतर नहीं है।

परिवार की खुशियों का श्रेय स्कूली बच्चों को देते बालिस्टर

बालिस्टर बताते हैं कि प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत सभी बच्चों को वो हर खुशी दे पाऊं जो खुशी इनकी वजह से मेरे परिवार को मिली है। उन्होंने इस मनोभाव को कविता में भी सजाया है ह्लइनको इनका हक दे पाऊं, पाने से ज्यादा लौटाऊं, स्नेह लुटाऊं, खूब पढाऊं, पावन शिक्षक धर्म निभाऊं, हे भगवान रहे सदबुध्दि,सत्य मार्ग से भटक न पाऊं ह्लबताते चलें इनकी या कविता सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर खूब वायरल हुई, जिसे डीएम महेंद्र बहादुर सिंह समेत कई अफसरों ने भी शेयर किया।

क्षेत्रीय अधिकारियों की मिलीभगत से बिना परमिशन के रात में हो रहा मिट्टी खनन

महराजनगर (सीतापुर)। मामला बिसवां तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत क्योंटी बादुल्ला का है जहां लेखपाल दीपक यादव कानून गो देशराज वर्मा की मिलीभगत से क्षेत्र में मिट्टी खनन का कार्य जोरों से चल रहा है ऐसा ही मिट्टी खनन का मामला सामने आया की क्योंटी बादुल्ला गांव निवासी कल्लू तेली पुत्र घसीटे ने 2/5/2022की रात से 3 व 4/मई 2022 की रात को बिना परमिशन के मिट्टी खनन का कार्य किया जिसकी सूचना मीडिया कर्मियों द्वारा लेखपाल दीपक यादव व कानूनगो देशराज वर्मा को दी गई लेखपाल महोदय मौके पर तो गए और मौका देख कर लिखा पढ़ी भी की लेकिन 3 दिन गुजर जाने के बावजूद भी लेखपाल कानून गो द्वारा अभी तक मिट्टी खनन माफियाओं के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई इससे साफ साबित होता है कि यह सब खेल क्षेत्रीय लेखपाल और कानूनगो की सह पर खेला जा रहा है। अब देखना यह होगा की तहसील स्तर पर बैठे उच्च अधिकारी खनन माफियाओं के खिलाफ क्या कार्यवाही करते हैं या मामले को यूंही रफा-दफा करके ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा

दबंगों की पौ बारह, पीड़िता की नहीं सुनी जा रही थानगांव थाने में

थानगांव सीतापुर । एक तरफ प्रदेश की योगी सरकार जहां असहाय मजलूमों को न्याय दिलाने की बात करती है। वहीं जनपद की थानगांव पुलिस सरकार की मंशा पर पानी फ़ेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। आप कितना भी सताए जा रहें हो पुलिस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता उसे शायद मतलब है तो सिर्फ काली कमाई से। ऐसा एक मामला गत दिवस थानगांव थाना क्षेत्र के चिरैया गांव में देखने को मिला। जहां पर पीड़िता कलावती पत्नी मेहीलाल निवासी चिरैया मजरा भदेवा की मानें तो उसका और गांव के ही रोहित पुत्र मल्लू, होलीराम पुत्र मोहित,गुरुमेश पुत्र गोकरन का जमीनी विवाद था। जिसका सुलह बीती 6 मई 2022 को थाने के द्वारा हो गया था। जिसके बाद मामला सुलह होने के चलते पीड़ित ने अपनी जगह में नीव भरवाना शुरू किया जिस समय नीव भरी जा रही थी उस समय भी विपक्षी मौजूद थे। लेकिन 7 मई को विपक्षियों के द्वारा नीव तोड़ दी गई साथ ही पीड़िता को फावड़े से ज़ख्मी भी कर दिया। जिसकी सूचना पीड़िता के द्वारा संबंधित थाने में दी गई। पीड़िता ने बताया की प्रार्थना पत्र पर पुलिस कार्यवाही करने की बजाय पुलिस विपक्षियों का साथ दे रही है। जिसके चलते पीड़िता डीएम,एसपी,विधायक के चक्कर लगाने को विवश है।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का अभिनंदन समारोह सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा लखीमपुर के तत्वावधान में शहर के एक होटल में सदर विधायक योगेश वर्मा का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सक्सेना ने की व मुख्य अतिथि के रूप में लखीमपुर सदर विधायक योगेश वर्मा मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. नमिता श्रीवास्तव ने किया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के इस अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए आयोजकों का धन्यवाद देते हुए मुख्यातिथि क्षेत्रीय विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि युवाओं और जनमानस के सहयोग से यह प्रचंड जीत मिली है। यह जीत कार्यकर्ताओं व आप लोगों की है। मैं भाजपा कार्यकर्ता पहले हूँ। सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के नारे के साथ हम विकास के पथ पर उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेत्री डॉ. ईरा श्रीवास्तव की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी नेतृत्व क्षमता, बेदाग छवि, सरल, सुलभ स्वभाव की बदौलत ही आज वो लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। इससे पूर्व डॉ. अजय आगा ने विधायक श्री वर्मा की विजय पर गौरवांवित होते हुए उनके हर सोपान पर सफलता की कामना की। महासभा संरक्षक डॉ यदुलेश मुरारी सक्सेना ने कायस्थ समाज के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए वर्तमान दशा पर फिक्र की। डॉ. यदुलेश ने कायस्थ समाज के उत्थान के लिए आरक्षण की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कायस्थ समाज के राजनीति में भागीदारी पर भी बल दिया। अभाकाम संरक्षक, पूर्व चेयरमैन डॉ. ईरा श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनने की राह पर चल पड़ा है। डॉ. ईरा ने सदर विधायक को दोबारा प्रचंड जीत पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने भाजपा की तरफ से उपस्थित कायस्थ जनों को भी धन्यवाद दिया। इस अभिनंदन कार्यक्रम का आगाज युवा कवि कुलदीप समर की ओजस्वी कविताओं से हुआ। कार्यक्रम के बीच मे बाल प्रतिभाओं की सुरमई प्रस्तुति व थिरकते कदमों ने समारोह का समा बांध दिया। शालिनी श्रीवास्तव की गणेश वंदना ने माहौल को भक्तिमय कर दिया। समारोह की शुरुआत भगवान चित्रगुप्त की स्तुति, वंदना व चित्रगुप्तमयी गीत से हुई।

गरीब पिता द्वारा रिश्वत की दूसरी क़िस्त ना दे पाने के कारण शादी अनुदान किया निरस्त

अम्बेडकरनगर । बेटी के विवाह के लिए अनुसूचित जाति के गरीब पिता ने शासन द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले विवाह अनुदान की ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी किया लेकिन समाज कल्याण विभाग के एक लिपिक द्वारा उससे दो हज़ार रुपये को रिश्वत मांगी गई लेकिन गरीब पिता ने मात्र एक हज़ार रुपये ही दिया तो विभागीय बाबू ने अनुदान पास नहीं किया जिसके बाद गरीब पिता ने जब बाबू से अपना पैसा वापस मांगा तो अब उसे धमकी मिलने लगी है जिससे भयभीत होकर मजबूर पिता ने जिलाधिकारी से न्याय की गोहार लगाई है।मामला इब्राहिमपुर थानाक्षेत्र के अवसानपुर का है जहां के स्थाई निवासी रामकेश भारती की पुत्री का विवाह गत 21 मई 2021 को था जिसके लिए गरीब पिता द्वारा सरकार की शादी योजना अनुदान के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी किया था और फिर समाज कल्याण विभाग का चक्कर लगाने लगा। समाज कल्याण विभाग में तैनात एससी-एसटी बाबू आनंद द्वारा भारती से एक हज़ार रुपए लेने के बाद काफी दौड़ाया और पुनः एक हज़ार रुपये की डिमांड कर दिया इस दौरान गरीब पिता बीमार हो गया जिसके कारण बाबू आंनद को रिश्वत की दूसरी क़िस्त नहीं दे सका। रामकेश का आरोप है कि रिश्वत की दूसरी क़िस्त ना दे पाने के कारण शादी अनुदान निरस्त कर दिया गया। गरीबी की मार झेल रहे रामकेश भारती द्वारा अपना एक हज़ार रुपए जब वापस मांगा गया तो दबंग बाबू भारती को धमकी तक देने लगा। किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत रामकेश भारती ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गोहार लगाई है।

बिजली चेकिंग करने पहुंचे कर्मियों को ग्रामीणों ने पीटा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अंबेडकरनगर। उमस भरी गर्मी में बिजली की आवाजाही से परेशान लोगों का गुस्सा अब भड़कने लगा है। इसके चलते ही चेकिंग करने पहुंचे बिजली कर्मियों को नाराज ग्रामीणों ने घेर कर पीटा। मामला सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सिसारा गांव से जुड़ा है। यहां बकाया राजस्व की वसूली को पहुंचे बिजली कर्मियों के खिलाफ ग्रामीणों ने अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए मारपीट की। इसकी चपेट में आकर एक बिजली कर्मी घायल हुआ। टीम में शामिल बिजली कर्मियों ने क्षेत्रीय ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी काम काज में अड़ंगा डालने का आरोप लगाते हुए मारपीट करने की तहरीर पुलिस थाने में दी है।जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त बिजली संकट के बीच पॉवर कार्पोरेशन के अधिकारियों ने बकाया बिल वसूली का अभियान चला रखा है। भीषण गर्मी में बिजली की अघोषित कटौती के कारण पहले से ही परेशान लोगों में इसे लेकर व्याप्त आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। शनिवार को सम्मनपुर के सिसारा गांव में ऐसे ही एक मामले में बिजली कटौती से गुस्साए ग्रामीणों ने राजस्व वसूली को पहुंची टीम पर चेकिंग व वसूली के नाम पर अभद्रता करने का आरोप लगा कर हंगामा काटा। इस दौरान कुछ आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्युत कर्मियों को घेर कर उनके साथ हाथापाई भी शुरू कर दी। इस मारपीट में एक कर्मी चोटिल हुआ।इस संबंध में कर्बला कासिमपुर विद्युत उपकेंद्र के कर्मी श्याम सुंदर वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार सुबह वह साथी कर्मचारी दिलीप, अजय व मनोज के साथ ग्राम सिसारा में विद्युत चेकिंग व बकाया वसूली के लिए गए थे। इस दौरान कुछ ग्रामीणों से उन्होंने विद्युत कनेक्शन का कागजात दिखाने को कहा। इस पर वह नाराजगी जताते हुए अभद्रता करने लगे। इसका विरोध करने पर ग्रामीणों ने बिजली कर्मियों को घेरकर उनकी पिटाई शुरू कर दी। श्यामसुंदर का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके गले से सोने की चेन भी छीन ली गयी। वरिष्ठ ग्रामीणों के हस्तक्षेप बाद हंगामा थमने के बाद पीड़ित कर्मी विद्युत उपकेंद्र कर्बला कासिमपुर पहुंचे।

पांच साल की बच्ची के साथ किया बलात्कार

अम्बेडकरनगर । जैतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की 5 वर्षीय बच्ची के साथ उसके चचेरे मौसा ने किया बलात्कार। पीड़ित के पिता के मुताबिक़ पीड़िता के पिता के बहन की शादी थी कि पिता के भाई के साढ़ू अनिल कुमार पुत्र राजकुमार निवासी गोविंदपुर ने अपने रिश्तेदारी में गया हुआ था जहां पर 6 मई को रात करीब 9 बजे ने टाफी देने के बहाने बच्ची को ले गया और बलात्कार किया। काफी ब्लीडिंग होने के बाद पीड़िता के घर वाले ने लोकल डॉक्टर के यहां ले गए जहां उसका दवा इलाज किया गया। गार्जियन की तहरीर पर पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बच्ची को मेडिकल के लिए भेज दिया गया है।

डॉक्टर बने बेटों ने 'मदर्स डे' पर पूरा किया सपना

नर्सिंग होम का उद्घाटन करते समय माताओं का गर्व से सिर हुआ ऊंचा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शिवगढ़ (रायबरेली)। पढ़-लिखकर डॉक्टर बने दो बेटों ने मदर्स डे के अवसर पर मां को ऐसा तोहफा दिया कि उनका सिर फक्र से ऊंचा हो गया। दोनों माताओं ने अपने बेटों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हर किसी मां-बाप का सीना उस समय गर्व से चौड़ा हो जाता है जब उनकी सन्तान तरक्की करती हैं, समाज में मां बाप का नाम रोशन करती है, क्षेत्र का नाम रोशन करती है, देश का नाम रोशन करती है। गौरतलब हो कि शिवगढ़ क्षेत्र की सीमा पर स्थित गढ़ा गांव के रहने वाले डॉ. सूरज वर्मा, डॉ. संजीव वर्मा के माता-पिता का सपना था कि उनके बेटे पढ़-लिखकर डॉक्टर बने और समाज की सेवा करें। कठिन परिश्रम के पश्चात पढ़-लिखकर डॉक्टर बने डॉक्टर सूरज वर्मा, डॉ. संजीव वर्मा ने मदर्स डे के अवसर पर अपनी माताओं को गायत्री नर्सिंग होम की सौगात दी है। जिसका उद्घाटन गायत्री नर्सिंग होम के एमडी डॉ. संजीव वर्मा की मां सुनीता देवी व डॉ. सूरज वर्मा की मां गायत्री देवी द्वारा संयुक्त रुप से फीता काटकर किया गया। फीता काटते समय दोनों डॉक्टरों की माताओं का सिर फक्र से ऊंचा हो गया। गौरव की अनुभूति करते हुए गायत्री देवी और सुनीता देवी ने कहा कि डॉक्टर को लोग भगवान का दर्जा देते हैं, किन्तु डॉक्टर वहीं है जिसके अन्दर हमेशा इंसानियत जिंदा हों। उन्हें पूरा भरोसा है कि उनके बेटे नेक नियति से मरीजों को अपनी बेहतर सेवाएं देकर समाज सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली की सीमा पर स्थित ग्रामीण अंचल में नर्सिंग होम खुलने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। ऐसे लोग जो लोग लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी इलाज के लिए जाने में असमर्थ हैं अब वे आसानी से गायत्री नर्सिंग होम में अपना इलाज करा सकेंगे। गायत्री नर्सिंग होम के एमडी डॉक्टर संजीव वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गायत्री नर्सिंग होम में चौबीसों घंटे सभी प्रकार के ऑपरेशन, दूरबीन द्वारा ऑपरेशन, हड्डी के ऑपरेशन एवं प्लास्टर, नॉरमल एवं सिजेरियन डिलीवरी, ओपीडी, भर्ती की सुविधा, ब्लड जांच एवं एक्सरे की सुविधा के साथ ही न्यूरो सर्जरी की सुविधा मिलेगी। डॉ. सूरज वर्मा ने बताया कि एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध है, साधन का अभाव होने पर मरीजों के परिजन मरीज को नर्सिंग होम तक लाने के लिए एंबुलेंस सेवा का लाभ ले सकते हैं।

बीएमपीएस में 'मदर्स डे' से प्रवेश पर 2100 की छूट

लालगंज (रायबरेली)। नगर की अग्रणी शिक्षण संस्थान बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में रेडक्रास दिवस, रेड दिवस व मदर्स डे पर बच्चों ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उल्लेखनीय है कि बीएमपीएस प्रबंधन बच्चों को श्रेष्ठ शिक्षा देने के साथ-साथ उनकी आंतरिक प्रतिभा को भी निखारने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। इसी कड़ी में रेडक्रास दिवस, रेड दिवस व मदर्स डे पर बच्चों की आयु वर्ग के आधार पर विभिन्न कार्यक्रम के जरिए बच्चों के अंदर छिपी नैसर्गिक प्रतिभा को दिखाने का सफल प्रयास किया गया। संयोजन सीसीए इंचार्ज प्रीति श्रीवास्तव, सुनिधि सिंह व सहयोग सीमा मैम, स्मिता, आकांक्षा, ज्योति, सृष्टि, दीपिका, शुभी, रजनी, अंजू श्रीवास्तव, विनोद चौधरी आदि ने किया। कक्षा छह से 12 के बच्चों ने रेड क्रॉस से संबंधित एक्टिविटी के अंतर्गत फर्स्ट-ऐड बॉक्स बनाया जिसमें कक्षा छह से आठ के छात्रों में विक्रमशिला ग्रुप ने बाजी मारी, वहीं कक्षा नौ से 12 के छात्रों में वल्लभी ग्रुप ने बाजी मारी। छोटे बच्चों ने रेड दिवस के अंतर्गत हाथ और पैर के द्वारा अपनी कृतियों को बनाकर सभी को अचंभित किया। विद्यालय की उदीयमान छात्रा संजिनी सिंह ने पैर के तलवे की सहायता से 'लेडी बर्ड' बनाकर अपनी कला शक्ति का जबरदस्त लोहा मनवाया। अयांश चौधरी, अनुश्री, आद्या, शिवांग पांडे, अद्यांश, प्रज्ञा, मान्या, प्रितिशा, अस्तित्व, अवनी, अंशू आदि ने भी रेड दिवस मनाने के लिए रेड वेशभूषा पहनकर अपनी प्रस्तुति दी।

मिस एंड मिसेज के ऑडिशन में प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

रायबरेली। स्थानीय दीप पैलेस में डॉ. आकांक्षा गोगना द्वारा जेसीआई रायबरेली युवा के संयुक्त तत्वाधान में मिस एंड मिसेज प्रतियोगिता का प्रथम चरण ऑडिशन के रूप में सम्पन्न हुआ। शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन से हुआ। मुख्य जज की भूमिका में डॉ. गीता कुमार, डॉ. विनोद गोगना, डॉ. आकांक्षा, डॉ. स्तुति सिंह (कृपालु इन्स्टीट्यूट), गरिमा कक्कड़ (एफडीडीआई) एवं मीना दीक्षित रही। संचालन विवेक मिश्रा की देख-रेख में हुआ। आयोजन सुबह 11 बजे से शुरू हुआ जो कि देर शाम तक चला। ऑडिशन में कुल 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ऑडिशन में प्रतिभागियों का चयन ब्यूटी एण्ड ड्रेस मेकअप सेंस, वॉक एण्ड बॉडी लैंग्वेज एवं इंट्रोडक्शन के आधार पर किया गया। इसका परिणाम नौ मई को प्रतिभागियों को बता दिया जायेगा। इसमें चयनित प्रतिभागी ही अगले चरण, ग्रॉड फिनाले में हिस्सा ले सकेंगे, जो कि 29 मई रविवार को बटोही रिसार्ट में आयोजित किया जायेगा। ऑडिशन में शहर की लड़कियों एवं विवाहित महिलाओं ने बड़े जोश के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उनका कहना था कि पहली बार हमारे शहर में इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जो कि अब तक सिर्फ बड़े शहरों में तक ही सीमित थी। उन्होने बताया कि डॉ. आकांक्षा गोगना ने हमे एक ऐसा बड़ा मंच दिया है। जिस पर हम अपनी प्रतिभा एवं गुणों को डेवलप करके प्रस्तुत कर सकते हैं, एवं अपने सपनो को पूरा कर सकते हैं। इस अवसर पर जेसीआई रायबरेली युवा अध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताएं समय-समय पर आयोजित कराई जाती रही हैं एवं आगे भी कराई जाती रहेंगी, जिससे प्रतिभागियों को रायबरेली में ही मॉडलिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सके।

गंगा में डूबे युवक का मिला शव

लालगंज (रायबरेली)। शनिवार को गेगासो गंगा घाट पर नहाते समय डूब गए युवक अमर सिंह पुत्र सुरेश सिंह के शव को गोताखोरों ने खोज निकाला है। परिवार के होनहार बच्चे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया । सरेनी प्रभारी निरीक्षक इंद्रपाल सिंह तोमर ने किसी तरह अमर सिंह के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही की है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को अमर सिंह अपने साथियों के साथ गंगा नहाने गया था जहां वह गहरे पानी में समा गया था। बड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने अमर सिंह के शव को खोज निकाला। वहीं एसडीएम विजय कुमार ने भी तहसीलदार ज्ञान प्रताप सिंह के साथ स्वयं नाव से गंगा नदी में अमर सिंह की खोजबीन की थी। अमर सिंह की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक अमर सिंह ग्राम महेशपुरा थाना सुभाष नगर जिला बरेली का निवासी है। वह अपने ननिहाल अंबारा पश्चिम गांव आया था।

स्टैंडर्ड स्कूल में मनाई गई गुरुदेव की जयंती

लालगंज (रायबरेली)। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल लालगंज में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रज्ञा बाजपेई के द्वारा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के चित्र पर माल्यार्पण कर गुरुदेव के त्याग एवं तपस्या तथा उनके दर्शन के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया द्य एथलीट दिवस के उपलक्ष्य में बच्चो द्वारा योगा व खेल कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या द्वारा बताया गया कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। इसलिए बच्चों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। प्रधानाचार्या ने कहा कि आज के बढ़ते आधुनिक व भौतिक वाद के युग में शिक्षा के साथ-साथ खेल जैसी विधा में भी बच्चों को पारंगत होना आवश्यक है। खेल की दुनिया हमें ऊंचाइयों पर पहुंचा सकती है। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं व कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धा से मनाया मां गंगा का जन्मोत्सव

ऊंचाहार (रायबरेली)। ऊंचाहार के गोकर्ण ऋषि की तपस्थली गोकना घाट पर गंगा सप्तमी एवं भानु सप्तमी के शुभ अवसर पर मां गंगा का जन्मोत्सव श्रद्धा से मनाया गया। मां गंगा गोकर्ण जनकल्याण सेवा समिति की ओर से शनिवार की संध्या व रविवार की सुबह गंगा व भगवान सूर्यदेव का पूजन, आरती व दीपदान का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पतित पावनी गंगा में डुबकी लगा कल्याण की कामना की। इस अवसर पर लोगों ने घाट पर साफ-सफाई की और गंगा को स्वच्छ व निर्मल रखने के लिए संकल्प लिया। बाद में समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय मंत्री अभिलाष चंद कौशल ने गंगा आरती व दीपदान करके गंगा मां की पूजा-अर्चना की। संस्था के सचिव पंडित जितेंद्र द्विवेदी ने पूजन कराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अभिलाष चंद्र कौशल ने कहा पतित पावनी मां गंगा हम सब की मां है। जीवनदायिनी है। करोडों लोगों की आस्था और जीविका का स्रोत है। हम सभी का कर्तव्य है कि मां गंगा को निर्मल एवं स्वच्छ बनाएं रखें। संस्था के सचिव पंडित जितेंद्र द्विवेदी ने कहा गंगा सप्तमी के दिन पतित पावनी मां गंगा का जन्म हुआ था। आज के दिन गंगा स्नान करने से सैकड़ों सूर्य ग्रहण के समान फल प्राप्त होता है। कार्यक्रम में सर्वेश त्रिपाठी, शिवशरण सिंह, सत्यम बाजपेई, घनश्याम निषाद बीडीसी, अर्पित कुमार, रामगोपाल बाजपेई, राम सिंह, पुष्पेंद्र तिवारी, अजय मिश्रा, इंद्रेश सिंह, छैल बिहारी मिश्रा, मनोज कुमार, रमा तिवारी बीडीसी, सोमेश कुमार, शिवराज सैनी आदि उपस्थित रहे।

एम्बुलेंस में प्रसूता ने दिया बच्चे को जन्म

नसीराबाद (रायबरेली)। प्रसूता को प्रसव के लिए एंबुलेंस से अस्पताल ले जाते समय एक बार फिर बच्चे की किलकारी से एंबुलेंस गूंज उठी। अस्पताल पहुंचने के पहले ही प्रसूता ने एंबुलेंस में सुरक्षित बच्चे को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित बताए जा रहे हैं, जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नसीराबाद में इलाज चल रहा है। गौरतलब हो कि पूरे कनपुरिहन मजरे परैया नमकसार गांव की रहने वाली प्रसूता नीशा पत्नी सुरेन्द्र के प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नसीराबाद लेकर जा रहे थे। तभी रास्ते में छतोह के पास प्रसूता ने पांचवें बच्चे को सुरक्षित जन्म दिया। एंबुलेंस चालक कमलेश कुमार व ईएमटी अशोक कुमार ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ्य हैं जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नसीराबाद में इलाज चल रहा है।

मुख्य न्यायाधीश ने नवनिर्मित एडीआर सेंटर का किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

रायबरेली। शहर के छजलापुर में लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर स्थित नवनिर्मित एडीआर सेन्टर का उद्घाटन इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति राजेश बिंदल द्वारा शिलापट का अनावरण कर एवं फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायमूर्ति एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष प्रीतिंकर दिवाकर भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक न्यायमूर्ति सिद्धार्थ, उच्च न्यायालय इलाहाबाद के महानिबंधक आशीष गर्ग, जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद, प्रधान न्यायाधीश पारिवार न्यायालय रवीन्द्र विक्रम सिंह, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण गुरुप्रीत सिंह बावा, उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव संजय सिंह प्रथम, डीएम माला श्रीवास्तव, एसपी श्लोक कुमार, उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी भागीरथ वर्मा, सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे। उद्घाटन के बाद माननीय मुख्य न्यायाधीश, माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति, महानिबंधक उच्च न्यायालय, जनपद न्यायाधीश रायबरेली, सदस्य सचिव उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वृक्षारोपण किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित कुमार द्वारा बताया गया कि नवनिर्मित एडीआर भवन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यालय, सुलह व मध्यस्थता केन्द्र एवं स्थायी लोक अदालत स्थित है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ यहां से प्राप्त किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सुलह व मध्यस्थता केन्द्र के माध्यम से विवाद आपसी सहमति के आधार पर सुलह-समझौता कराये जाते हैं। स्थायी लोक अदालत के माध्यम से जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों का निस्तारण सुगमता से कराया जा सकता है। नवनिर्मित एडीआर भवन में वादकारियों एवं आमजन की सुविधा के लिए रिसेप्शन एरिया में बैठने की एवं शुद्ध व शीतल पेयजल की व्यवस्था की गयी है।

तकनीकी खराबी से एनटीपीसी की छह नंबर यूनिट बंद

ऊंचाहार (रायबरेली)। एनटीपीसी की ऊंचाहार परियोजना में 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट में तकनीकी खराबी आ गई है। जिसके कारण इस यूनिट को बंद करना पड़ा है। इससे ऊंचाहार परियोजना में बिजली उत्पादन घटकर 840 मेगावाट रह गया है। बिजली किल्लत और गर्मी के कारण बढ़ी हुई बिजली की मांग के बीच ऊंचाहार से बुरी खबर है। ऊंचागर एनटीपीसी की परियोजना में 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर छह में तकनीकी खराबी आ गई है। इस यूनिट के ब्वायलर गैस ट्यूब पंचर हो गई थी। जिसमे गैस का रिसाव होने लगा था। धीरे-धीरे रिसाव काफी बढ़ गया था। जिसके कारण शनिवार की रात करीब आठ बजे इस यूनिट को बंद करना पड़ा है। इसके अलावा एनटीपीसी में 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर एक को पहले ही वार्षिक मरम्मत के लिए बंद किया गया था। इस प्रकार से एनटीपीसी ऊंचाहार में 710 मेगावाट का उत्पादन घटकर अब 840 मेगावाट रह गया है। ज्ञात हो कि एनटीपीसी की ऊंचाहार परियोजना में 210 मेगावाट क्षमता की पांच यूनिटें स्थापित हैं, जबकि 500 मेगावाट क्षमता की छह नंबर यूनिट है।

अण्डर-23 व रणजी ट्रॉफी का क्रिकेट ट्रायल सम्पन्न

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

रायबरेली। यूपीसीए के संयोजन में रायबरेली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अण्डर-23 आयु वर्ग (पुरूष) व रणजी ट्रॉफी का रायबरेली, प्रतापगढ़ व अमेठी जनपद का जिला स्तरीय क्रिकेट ट्रॉयल आज एनएस क्रिकेट एकेडमी के ग्राउण्ड पर सम्पन्न हुआ। सुबह से ही ट्रॉयल देने आये पंजीकृत खिलाड़ियों का जमावड़ा लगा रहा। तीनों जनपदों से आए 245 खिलाड़ियों में चयनकर्ताओं के सामने अपनी-अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने की होड़ लगी रही। यूपीसीए के चयनकर्ता व पूर्व रणजी खिलाड़ी अलीगढ़ से असलम अली, पूर्व रणजी खिलाड़ी व यूपीसीए के चयनकर्ता बरेली से कमलकान्त कनौजिया एवं पूर्व रणजी खिलाड़ी व यूपीसीए के चयनकर्ता आरिस असलम ने तीनों जिलों से आये हुए अण्डर-23 तथा रणजी ट्रॉफी के 245 पंजीकृत खिलाड़ियों का ट्रॉयल लिया। चयनकर्ताओं ने कठिन परिश्रम के बाद तीनों जनपदों के अण्डर-23 व रणजी ट्रॉफी के सभी खिलाड़ियों को चयनित करते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा को गहराई से परखा। आरडीसीए के निदेशक व यूपीसीए के संयुक्त सचिव मो. फहीम ने बताया कि रायबरेली मण्डल के अन्तर्गत आने वाले तीनों जनपद जिसमें रायबरेली, प्रतापगढ़ व अमेठी के सभी पंजीकृत खिलाड़ियों का अण्डर-23 व रणजी ट्रॉफी का ट्रायल सम्पन्न कराया गया। 245 खिलाड़ियों का ट्रॉयल लिया। तीनों जनपदों के खिलाड़ियों को चयनित करके चयनित खिलाड़ियों की सूची अलग-अलग अपने पास सुरक्षित कर ली है। ट्रॉयल में ट्रॉयल कोआर्डीनेटर आषीष त्रिपाठी, ट्रॉयल संयोजक नदीम सिद्दीकी, सिविल रावत, अभिषेक शुक्ला आदि लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

मीना मंच द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

सलोन (रायबरेली)। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण उनकी सुरक्षा उन्हें सम्मान तथा स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम को ग्रामीण क्षेत्र में प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा मीना मंच द्वारा केजीबीवी सूची सलोन में मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी जय प्रकाश वर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी सुधा वर्मा, महिला कल्याण अधिकारी शेफाली सिंह, सुषमा कश्यप, श्रद्धा सिंह ग्राम प्रधान, अनीता सहित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी शामिल हुए। मिशन शक्ति जागरूकता का संदेश देने के लिए छात्राओं द्वारा रंगोली, पोस्टर एवं मॉडल और पपेट स्लोगन का प्रदर्शन किया गया जिसकी सभी ने जमकर सराहना की। जिला प्रोबेशन अधिकारी जय प्रकाश वर्मा ने कहा कि आप सभी मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ अवश्य उठाएं समय से आवेदन करें इसके अलावा गांव परिवार घर में यदि कोई विधवा महिला हो तो उसे पेंशन का लाभ अवश्य दिलाएं। इसके अलावा घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न से संबंधित किसी भी समस्या के लिए वन स्टॉप सेंटर 181 नंबर पर कॉल करके समस्या का निदान कराएं। कार्यक्रम का आयोजन एवं संयोजन बालिका शिक्षा रिसोर्स पर्सन प्रअ एसएस पांडेय द्वारा किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी सुधा वर्मा ने कहा कि मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम से आज महिलाएं एवं बालिकाएं सशक्त एवं जागरूक बन रही हैं। कार्यक्रम में केजीबीवी स्टाफ वार्डन नीलम वर्मा, पूर्णकालिक शिक्षिका प्रतिभा सिंह एवं अपूर्वा श्रीवास्तव, विजय कुमार, प्रभाकर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जाति विशेष नहीं सर्वसमाज के लिए हैं सरकार की योजनाएं : परविन्दर सिंह

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविन्दर सिंह ने रायबरेली के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लेकर समीक्षा व अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याओं के निस्तारण हेतु बैठक की तथा सक्षम अधिकारियों को आदेशित किया कि अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए समाज के अंतिम पायदान तक बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जाये। अल्पसंख्यक आयोग सदस्य ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के लोगों के लाभ हेतु केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि समाज के सभी लोगों को न्याय मिले तुष्टिकरण किसी का भी नहीं हो। सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक कल्याणकारी योजना का लाभ मिले 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास' इसी नीति से सभी वर्गों के लोगों का विकास कार्य कर ही है। सरकार की सभी योजनाएं सभी पात्र लाभार्थियों व गरीबों के लिए है किसी विशेष जाति वर्ग के लिए नहीं हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रेम प्रकाश उपाध्याय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुनीता देवी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. वीरेन्द्र सिंह, वक्फ निरीक्षक राम किशोर, एडीआईओ इंजेश सिंह, मो. राशिद, अनीस आदि अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

घर में घुसकर पिता-पुत्र को पीटा

खीरों (रायबरेली)। थाना क्षेत्र के गांव बरौला में मामूली सी बात को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। जिससे नाराज होकर दो युवकों ने अपने पड़ोसी के घर में घुसकर पिता-पुत्र को पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। खीरों पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दो नामजद युवकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। बरौला निवासी सोहित कुमार पुत्र छंगालाल ने खीरों थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि मेरे पड़ोसी विशाल और आंशू पुत्रगण बनवारी लाल से मामूली सी बात को लेकर कुछ कहासुनी हो गई थी। जिससे नाराज होकर दोनों लोगों ने मेरे घर में घुस कर मुझे तथा मेरे पिता छंगा लाल को गाली देते हुए मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शोर-शराबा सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच बचाव किया तो दोनों लोग जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। प्रभारी निरीक्षक आदर्श सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर नामजद दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कार्यवाही की जा रही है।

एनटीपीसी में एटक का सम्मेलन संपन्न

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

ऊंचाहार (रायबरेली)। एनटीपीसी ऊंचाहार में ऑल इंडिया एनटीपीसी वर्कर्स फेडरेशन वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। एनटीपीसी की ओर से निदेशक (मानव संसाधन) दिलीप कुमार पटेल वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा जुड़े और सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन का उद्घाटन ऑल इंडिया एनटीपीसी वर्कर्स फेडरेशन के कार्यवाहक अध्यक्ष का. पीके गांगुली ने किया और बैठक की अध्यक्षता ऑल इंडिया एनटीपीसी वर्कर्स फेडरेशन के महामंत्री एवं एनबीसी के केन्द्रीय नेता का. सदरुद्दीन राना ने की।

एनटीपीसी उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय की ओर से महाप्रबंधक (मानव संसाधन) मिलन कुमार ने सम्मेलन को संबोधित किया जबकि मुख्य महाप्रबंधक अभय कुमार समैयार ने ऊंचाहार परियोजना की ओर से संबोधन दिया। प्रथम पाली में फेडरेशन की बैठक हुई, जिसमें एनटीपीसी की विभिन्न परियोजनाओं से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार साझा करते हुए कर्मचारियों की वर्तमान समस्याओं को सेंट्रल लीडर के सामने रखा। एडिशनल सेंट्रल लीडर जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने सभी की समस्याओं को नोट किया और आश्वस्त किया कि प्रबंधन से वार्ता कर इनका समाधान किया जायेगा। ऑल इंडिया एनटीपीसी वर्कर्स फेडरेशन की कमेटी का चुनाव सम्पन्न हुआ जिसमें ऊंचाहार परियोजना से जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को उप महामंत्री चुने जाने के साथ ही रवींद्र सिंह कुशवाहा को भी कमेटी में शामिल किया गया। अध्यक्ष का. रामेन्द्र कुमार एवं महामंत्री का. सदरुद्दीन राना को चुना गया। द्वितीय पॉली में कर्मचारियों के लिए आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें का. पीके गांगुली ने एटक के क्रांतिकारी इतिहास का संक्षिप्त परिचय दिया। मंच संचालन जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन राजेन्द्र प्रसाद ने दिया। इस मौके पर महाप्रबंधक गण मानव संसाधन विभाग की प्रमुख वंदना चतुर्वेदी, ऑफीसर्स एसोसिएशन के महामंत्री अभय सिंह, आरके सिंह समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट से प्रदेश की महिलायें हो रही आत्मनिर्भर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को रोजगार देने के लिए सबसे बड़ी पहल की है। गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाओं को पहुंचाने के लिये 58,000 बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट) बनाने का काम पूरा कर लिया है। सभी चयनित बीसी सखी का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है सरकार की इस नीति से बैंकिंग सेवाएं लोगों के घरों तक पहुंच रही है। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को अपने बैंक खातों से धनराशि निकालने और उसमें पैसा जमा करने में बड़ी आसानी हुई हैं उनका बैंक शाखाओं तक जाने का समय व खर्चा बच रहा है और घर के करीब ही बैंक के रूप में बीसी सखी मिल जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिशन रोजगार, मिशन शक्ति और मिशन कल्याण जैसी अनेक योजनाओं को शुरू किया है। इसके क्रियान्वयन हेतु तैयार किये गये कार्यक्रम के अनुसार सरकार के संबद्ध विभाग तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। इस क्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा और यूको बैंक के सहयोग से यूपी इंडस्ट्रियल कंसलटेंट्स लि. (यूपीकॉन) ने बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट) बना लिये हैं। बीसी सखी बनाने का लक्ष्य को पूरा करने में लगे हैं। गांव से लेकर शहरों में बीसी सखी 24 घंटे बैंकिंग सेवाएं दे रही हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की सभी महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए बीसी सखी योजना की शुरूआत की है। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य की सभी महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से प्रदेश में बीसी सखी बनाने का कार्यक्रम बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ मिलकर किया जा रहा है। यूपी इंडस्ट्रियल कंसलटेंट्स लि. (यूपीकॉन) भी सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति, वित्त एवं विकास निगम लि. के माध्यम से 500 अनुसूचित जाति के युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर देते हुए बीसी बनाए थे। बीसी सखी बनाने के लिए पूर्व सैनिकों, पूर्व शिक्षकों, पूर्व बैंक कर्मियों और महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। बीसी सखी बनने के लिए योग्यता में 12वीं कक्षा पास होना अनिवार्य किया गया है। अभ्यर्थी को कम्प्यूटर चलाना भी आना चाहिए, उस पर कोई वाद या पुलिस केस नहीं होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थी के चयन से पहले एक छोटी सी परीक्षा भी ली जाती है। इसमें उत्तीर्ण होने वाला अभ्यर्थी बीसी सखी बन सकता है। बीसी सखी योजना से जुड़ने वाली महिलाओं को सम्मानजनक काम मिलने के साथ लोगों की सेवा करने का भी बड़ा अवसर मिल रहा है। लोगों को तत्काल बैंकिंग सेवा मिलने से उन्हें खुद को भी खुशी होती है। बीसी सखी बनने के बाद ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रत्येक माह एक निश्चित आमदनी का माध्यम बना है। उन्हें एक स्थायी रोजगार मिला है। बीसी सखी योजना के तहत बैंकिंग सेवाओं को घर-घर देना रोजी-रोटी का एक बेहतर साधन बना है। इससे सबसे अधिक फायदा बैंक के ग्राहकों को हुआ है।

अमृत पंचवटी वाटिका का डीएम व एसएसपी ने किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- भूसा दानवीरों को किया गया सम्मानित
- अब तब दानवीरों से प्राप्त हुआ 1565 कु. भूसा

बहराइच । तहसील नानपारा के ब्लाक बलहा अन्तर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर मटेही में लगभग 7.5 हेक्टेयर भू-भाग पर स्थापित होने वाली अमृत पंचवटी वाटिका का जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने उप जिलाधिकारी नानपारा अजित परेश, पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा जंग बहादुर यादव, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, बीडीओ बलहा संदीप कुमार, मिहींपुरवा के रामेन्द्र कुमार सिंह कुशवाहा, रिसिया के विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारियों, अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग भाजपा कृपा राम वर्मा, क्षेत्रीय गणमान्य व संभ्रान्त तथा बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामवासियों की मौजूदगी में विधिवत पूजा अर्चना के साथ वाटिका का उद्घाटन किया तथा सब के साथ मिलकर पौधरोपण भी किया। वाटिका के उद्घाटन अवसर पर लगभग 1000 पौध रोपित किये गये। कार्यक्रम के दौरान भूसा दानवीरों ग्राम गुलरा के राम नरायन यादव व ग्राम हाड़ा बसेहरी के प्रधान प्रतिनिधि मो. साजिद हुसैन को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि पृथ्वी को बचाये रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिये सबसे कारगर और सरल तरीका यह है कि उपलब्ध भूमि पर अधिक से अधिक से पौधरोपण किया जाय। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों से जिलाधिकारी ने अपील की कि सभी लोग अपने तथा अपने प्रियजनों के नाम से पौध रोपण करें। डीएम ने कहा कि आज हम और यहॉ पर एक बहुत मकसद के लिए जमा हुए है। हमें और आपकों यहॉ पर पौधरोपण करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। हमारे इस कार्य से पर्यावरण सुरक्षित रहेगा जिसका लाभ हमारी आने वाली पीढ़ीयों को भी मिलता रहेगा। सभी लोगों से अपील की कि इस वाटिका में बरगद, पाकड़, कटहल, ऑवला, नीबू के साथ-साथ अपनी मर्जी के पौध लगाये। क्योकि इस वाटिका से स्थानीय लोगों के साथ पशु पक्षियों को भी भोजन और आसरा मिलेगा। डीएम ने वाटिका में गौशाला स्थापित करने का भी सुझाव दिया ताकि यहॉ पर रोपित किये जाने वाले पौधों को जैविक खाद भी मिलती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों से जिलाधिकारी ने भूसा दान करने की अपील करते हुए कहा कि धार्मिक दृष्टिकोण से दान का बड़ा महत्व है। यहॉ पर मौजूद कुछ लोगों द्वारा भूसा के लिए नकद धनराशि दान करने के अनुरोध पर जिलाधिकारी ने सभी से अपील की कि दान की धनराशि से भूसा क्रय करके गौशाला को उपलब्ध करा दें। डीएम डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि अब तक जनपदवासियों को ओर से 1565 कु. भूसा दान किया जा चुका है। डॉ. चन्द्र ने सभी दानवीरों का आभार व्यक्त किया।

दहेज हत्या का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत वांछित अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्षो को दिये थे।उक्त निर्देश के अनुक्रम मे थाना कौडिया पुलिस ने दहेज हत्या के वांछित अभियुक्त सूरज कुमार राव को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने वादी की लड़की को दहेज की बात को लेकर प्रताड़ित करते हुए जान से मार दिया था जिसके सम्बन्ध में वादी द्वारा थाना कौडिया में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कौड़िया पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट एवं युवा प्रकोष्ठ के द्वारा जिला एवं मण्डलीय कारागार गोरखपुर में वरिष्ठ जेल अधीक्षक ओम प्रकाश कटियार एवं जेलर प्रेम शंकर शुक्ल की उपस्थिति में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ में सभी कैदियों ने यज्ञ में भाग लिया। पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ के दौरान व्यास पीठ से देवदूत अजय कुमार चौबे ने बताया कि आत्मा परमात्मा का अंश है हमे अपने आत्मा की आवाज को सुनना चाहिए और अपने गुरु के संरक्षण में रहना चाहिये। गुरु तो बहुत मिलते है परंतु सदगुरुदेव एक ही मिलते है। इस संसार मे जो भी मानव नित्य अपने सदगुरुदेव का ध्यान करके अपने दैनिक कार्यो को करता है वह अवश्य ही सफलता प्राप्त करता है। हम सभी अपने मन चित एवं वाणी को जितना संयमित करते है उतना ज्यादा जीवन में लाभान्वित होते है। मुख्य ट्रस्टी दीना नाथ सिंह ने कहा कि इस मृत्युलोक में हम सभी से गलतियां होती है और होती रहेंगी, परन्तु हम सभी को आत्म चिंतन के माध्यम से अपने कमियों को खोजना और उसका परिष्कार करना ही यज्ञ है। अगर हम ऐसा अपने जीवन मे नित्य करते है तो हम आदर्श व्यक्ति एवं आदर्श परिवार के रूप में पहचाने जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन युवा प्रकोष्ठ से अजय कुमार चौबे ने किया, यज्ञ कार्यक्रम को परिव्राजक कैलाश चौहान ने सम्पन्न कराया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार से परिव्राजक राजेन्द्र शर्मा, नारायण दत्त तिवारी एवं आशीष कुमार गुप्ता शामिल हुए।

कुबेर तिवारी ने खरगूपुर के थाना प्रभारी का पदभार संभाला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। कुबेर तिवारी ने थाना खरगूपुर के थाना प्रभारी का पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने एक विशेष मुलाकात के दौरान कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व समाज के लिए एक कलंक है, जिसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने शहर के लोगों से असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने में पुलिस प्रशासन की मदद करने की अपील की। वहीं कहा कि लोग अपने कामों के लिए बिना किसी झिझक के थाने आएं व हर व्यक्ति को पूरा सम्मान दिया जाएगा।

स्कूल जा रहे छात्र को ई-रिक्शे ने रौंदा, मौत

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के घटकना गांव में शनिवार को स्कूल जा रहे छात्र को ई-रिक्शा ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आसपास के ग्रामीण जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक चालक वाहन छोड़कर भाग गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही वाहन को अभिरक्षा में ले लिया।अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के घटकना गांव निवासी अमरेंद्र का पुत्र अर्जुन (7) परिषदीय विद्यालय घटकना में पढ़ता था। प्रतिदिन की तरह वह शनिवार को भी विद्यालय गया। बताया जाता है कि वह बगैर ड्रेस के ही विद्यालय गया था। इस पर शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उसे ड्रेस पहनकर स्कूल आने के लिए कहा। कहा गया कि मंत्री का दौरा है। ऐसे में सभी बच्चों को ड्रेस में ही आना है। इस पर अर्जुन वापस घर चला गया।घरवालों ने ड्रेस साफ न होने की बात कहते हुए उसे फिर से विद्यालय भेज दिया। इस बार जब वह सड़क पार कर रहा था, तभी उधर से गुजर रहे तेज रफ्तार ई-रिक्शे ने उसे रौंद दिया। इसके साथ ही ई-रिक्शा उस पर पलट गया, जिससे अर्जुन नीचे दब गया। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। जब तक आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक चालक वाहन छोड़कर भाग गया। ग्रामीणों ने आननफानन वाहन के नीचे दबे छात्र को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। कोतवाली पुलिस के अनुसार अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

गैर इरादत्तन हत्या के दो नफर अभियुक्त गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर । डॉ0 विपिन ताडा , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा ''अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी'' के संबंध में चलाये जा रहे अभियान/निर्देश के क्रम में व श्री किशन कुमार ,पुलिस अधीक्षक नगर जनपद गोरखपुर व श्री रत्नेश कुमार सिंह , क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ के कुशल पर्यवेक्षण में व रणधीर कुमार मिश्रा प्रभारी निरीक्षक थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर के कुशल निर्देशन में अभियान के क्रम में दिनांक 06/05/2022 को रात्रि समय करीब 11.30 बजे तीनो दोस्तों ने आपस में नशा किया नूर मोहम्मद पुत्र स्व0 शेर अली निवासी म0नं0 575 ख़ उ.क्र रेलवे कालोनी बिछिया थाना शाहपुर गोरखपुर व आफताब अली पुत्र अकबर अली निवासी बैंक रोड अग्रवाल अस्पताल के सामने थाना कोतवाली जनपद गोरखपुर ने शिवा चौहान पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी 626 जी बी0जी0 रेलवे कालोनी बिछिया थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर से मार पीट व धक्का मुक्की किये जिसके कारण छत से गिरने की वजह से शिवा चौहान की मृत्यु हो गयी । जिसके सम्बन्ध में मृतक शिवा चौहान के भाई द्वारा लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया जिसके क्रम में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 193/22 धारा 304 भादवि शाहपुर गोरखपुर पर पंजीकृत कर विवेचना किया गया जिसमें 1. नूर मोहम्मद पुत्र स्व0 शेर अली निवासी म0नं0 575 ख़ उ.क्र रेलवे कालोनी बिछिया थाना शाहपुर गोरखपुर उम्र 20 वर्ष, 2. आफताब अली पुत्र अकबर अली निवासी बैंक रोड अग्रवाल अस्पताल के सामने थाना कोतवाली जनपद गोरखपुर उम्र 19 वर्ष को पीएसी मोड के पास से समय करीब 09.45 बजे गिरफ्तार कर अभियुक्तगण को न्यायिक अभिरक्षा रिमांड हेतु माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है ।

अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस पर राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस के अवसर पर इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष मा. राज्यपाल श्रीमती आनन्दी बेन पटेल की अध्यक्षता में ''बी ह्यूमन काइन्ड'' विषय पर रेडक्रास भवन कैसरबाग लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के लाईव स्ट्रीमिंग के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला सूचना विज्ञान केन्द्र के वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में जिला रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी मनोज, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अजीत चन्द्रा, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, सोसायटी के अन्य पदाधिकारी सरदार सरजीत सिंह, पुत्ती लाल बाजपई, राकेश चन्द श्रीवास्तव, डॉ अजीम उल्ल्लाह खां, डॉ. डी.एन. शर्मा, आर.ए. सिद्दीकी, विनोद कुमार श्रीवास्तव, हिमांशु अवस्थी, उदय शंकर त्रिपाठी, चन्द्रिका प्रसाद शुक्ल व अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

आठ आरा मशीन संचालकों पर दर्ज होगा केस

अंबेडकरनगर। वन विभाग के एसडीओ धर्मेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को टांडा कोतवाली समेत कई अन्य क्षेत्रों में संचालित आरा मशीनों पर छापा मारा। इस दौरान एक आरा मशीन जहां बगैर लाइसेंस के संचालित मिली, तो वहीं सात आरा मशीनों पर लगभग पांच लाख रुपये की प्रतिबंधित लकड़ी मिली। इस पर आरा मशीन संचालकों के विरुद्ध संबंधित थाने में केस दर्ज करने के लिए तहरीर दी।एसडीओ ने मुबारकपुर स्थित एक आरा मशीन पर छापा मारा तो वहां हड़कंप मच गया। संचालक किसी भी प्रकार का लाइसेंस नहीं दिखा सका। इस पर आरा मशीन को सीज कर संचालक के विरुद्ध केस दर्ज करने के लिए टांडा कोतवाली में तहरीर दी।इसके बाद एसडीओ ने हंसवर व बसखारी थाना क्षेत्र में संचालित सात आरा मशीनों पर छापा मारा, तो वहां लगभग पांच लाख रुपये की प्रतिबंधित लकड़ी मिली। एसडीओ ने बताया कि लकड़ी को सीज कर दिया गया है। साथ ही संबंधित आरा मशीन संचालकों के विरुद्ध केस दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है।

सड़क अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का चला बुलडोजर

स्थानीय नागरिकों में खुशी, प्रशासन की तारीफ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पादरी बाजार । स्वच्छ गोरखपुर सुन्दर गोरखपुर एवं यातायात व्यवस्था को आसान बनाने के लिए एसएसपी डा. विपिन टाडा के निर्देश पर शनिवार को पादरी बाजार पिपराइच मार्ग पर लगभग 1 किलोमीटर सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रशासन का बुलडोजर अभियान चलाकर सड़क की दोनों तरफ साफ सफाई व अतिक्रमण हटाया गया म एसपी ट्रैफिक एमपी सिंह ने अतिक्रमण करने वालो को चेतावनी दी की अगर सड़क पर कोई भी अतिक्रमण किया तो कठोर कारवाई होगी । इस दौरान एसीएम राजेश कुमार वर्मा, कर्नल सीपी सिंह, सीओ ट्रैफिक जयप्रकाश सिंह, प्रभारी निरीक्षक रणधीर कुमार मिश्र, पादरी बाजार चौकी इंचार्ज संतोष सिंह आदि मौजूद रहें ।

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर ब्लडबैंक में गोष्ठी का आयोजन

सुलतानपुर। विश्व थैलेसीमिया दिवस पर जिला चिकित्सालय ब्लडबैंक में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.डीके त्रिपाठी ने उपस्थित डाक्टर, स्वास्थ्य कर्मी व आए हुए गणमान्यों को संबोधित करते हुए कहाकि आज थैलेसीमिया से ग्रसित मरीजों को बगैर रक्तदान किये उन्हें रक्त दिया जा रहा है। थैलेसीमिया की रोकथाम के लिए जागरूकता बहुत आवश्यक है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.डीके त्रिपाठी ने कहाकि महिलाओं के गर्भावस्था के तीन माह के दौरान एकबार जांच अवश्य करवाना चाहिए, जिससे गर्भ में पल रहे बच्चे के बारे में पता चल सकता है कि बच्चा स्वस्थ हैं तथा थैलेसीमिया जैसी बीमारी से मुक्त है। सीएमओ डॉ.त्रिपाठी ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहाकि थैलेसीमिया से बचाव के लिए जागरूकता बहुत आवश्यक है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ एनेस्थेटिक/प्रभारी ब्लडबैंक डॉ.आरके मिश्र ने गोष्ठी में आए हुए लोगों को थैलेसीमिया रोग के बारे में विस्तार से बताते हुए कहाकि थैलेसीमिया बीमारी की जांच यदि समय रहते हो जाए तो प्रारंभिक दौर में ही थैलेसीमिया का पता चल जाता हैं, जिससे ग्रसित मरीजों का उपचार शुरूकिया जा सकता है। डॉ.मिश्र ने बताया कि जनपद का ब्लडबैंक अयोया, प्रतापगढ़, सुलतानपुर के अतिरिक्त अन्य जनपदों के लगभग 150 थैलेसीमिया ग्रसित मरीजों को बगैर रक्तदान करवाएं खून दे रहा है। उन्होनें कहाकि जिला चिकित्सालय ब्लडबैंक ने कोविड़ काल में 800 यूनिट ब्लड कोरोना ग्रसित मरीजों को दिया था। उक्त अवसर पर मुख्य चिकित्साधिक, ब्लडबैंक के कर्मचारियों में लैब टेक्निशियन विजय चौरी, ईंद्र यादव, अवनीश शाह, देवनाथ, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी में शमशाद बाबा, कुलदीप, सन्जू, राजेश तथा चंद्रिका, रेनू मिश्रा सहित तमाम स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

गंगा पूजन के साथ मनाई गंगा सप्तमी

बदायूं। गंगा समग्र ब्रजप्रान्त के प्रांतीय सदस्य अशोक तोमर जी ने गंगा सप्तमी पर्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तिथि का माँ गंगा के अवतरण से विशेष सम्बंध है, उन्होंने कहा कि हमारे पुराणों में वर्णित कथाओं के अनुसार राजा भगीरथ जी ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए माँ गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए घोर तपस्या की।उनकी तपस्या से माँ गंगा प्रसन्न हुईं और पृथ्वी की ओर चल पड़ी तब उनके तीव्र वेग को भगवान शिव ने अपनी जटाओं से रोक दिया, तब गंगा को मुक्त करने के लिए भगवानशिव की राजा भगीरथ ने तपस्या की तब भगवान शिव ने माँ गंगा को अपनी जटाओं से एक छोटे स्वरूप में मुक्त किया उस दिन वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि ही थी जिस कारण माँ गंगा का शिव जटाओं से मुक्ति दिवस को गंगा सप्तमी पर्वके रूप में अनवरत मनाया जाता है। उसके बाद उपस्थित सभी गंगा भक्तों से अपील करते हुए कहा कि मां गंगा पृथ्वी पर तबसे लेकर आज तक सम्पूर्ण सृष्टि का पोषण करने के साथ अपनी निर्मल धारा में जनजन के पाप धोती आ रहीहैं,लेकिन आज माँ गंगा का अस्तित्व हम सबके अविवेकपूर्ण व्यवहार के कारण संकट में है माँ गंगा को स्वच्छ ,निर्मल और अविरल बनाने के लिए आम जनमानस को आगे आने और बचाने केलिए सामुहिक प्रयास की जरूरत है, ये प्रयाश गंगा ही नहीँ अन्य नदियों ,पोखरों और तालाबों को भी बचाने के लिए करना होगा यदि गंगा को बचानाहै तो हमें अन्य नदियों केलिए भी बचाने केलिए सततप्रयास करने की जरूरत है। जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे अनुज प्रताप सिंह ने सभी उपस्थित गंगा प्रेमियों को गंगा स्वक्षता की शपथ दिलाई एवम गंगा में पन्नी ,पूजा सामग्री या अन्य कोई अप्सिस्ट पदार्थ गंगा में प्रभाहित होने से रोकना है। इस अवसर पर प्रसून सक्सेना ,अजय तोमर ,ओमपाल , वेदपाल कठेरिया जी , निखिल ,अनिल ,विवेक , आदित्य ,संजीव श्रीवास्तव ,डेविड तोमर समेत अनेक गंगा प्रेमी उपस्थित रहे।

मिलिक में खाद के गड्ढों पर किए गए अवैध कब्जे को राजस्व टीम ने हटवाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा-खीरी। शासन द्वारा सरकारी जमीनों पर किये गए अबैध कब्जे को हटवाने को लेकर चलाये जा रहे अभियान के तहत जिलाधिकारी खीरी के निर्देश पर एसडीएम धौरहरा के निर्देशन में तहसील क्षेत्र के मिलिक में खाद के गड्ढों व चकरोडों पर किये गए अवैध कब्जे को राजस्व टीम ने ट्रैक्टर से जुतवा कर खाली करवा दिया। रविवार को अवैध कब्जा हटाओ अभियान के तहत एसडीएम धीरेंद्र सिंह के निर्देशन में राजस्व टीम ने तहसील क्षेत्र के ग्राम मिलिक में गाटा संख्या 1715 जो खाद के गढ्ढे के नाम दर्ज है, पर मिलिक के कुछ लोग अवैध कब्जा किये हुए थे। वहीं चकरोडों पर भी लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था। जिससे लोगों को खेतों तक पहुँचने में दिक्कत हो रही थी। राजस्व टीम जिसमें राजस्व निरीक्षक रामचन्द्र, क्षेत्रीय लेखपाल नितेश मिश्रा, विनोद कुमार ने पहुंचकर ट्रैक्टर से जुतवा कर अवैध कब्जा हटवा दिया और दुबारा कब्जा करने पर कार्यवाही की बात कही। वहीं अवैध कब्जा हटाये जाने को लेकर चलाये जा रहे अभियान को देखते हुए अवैध कब्जेदारों में हड़कंप मचा हुआ है।

दबंगों ने 25 गांवों के लोगों का रास्ता किया अवरुद्ध

❒ विधायक निधि से बनी सड़क को जेसीबी से खुदवाया, पुलिस मौन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। दबंगों की दबंगई इस कद्र बढ़ गई है कि अब सरकारी सड़कें भी सुरक्षित नह हैं। बाकायदा जेसीबी से विधायक निधि से बनी सड़क खोद दी गई। जिससे 25 से अधिक गांव के लोगो का रास्ता अवरुद्ध हो गया। इसकी शिकायत के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नह की। मामला कुड़वार ब्लक क्षेत्र का है। यहां कोटवा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद इरफान ने बताया कि हमारे ग्राम ब्रह्मजीतपुर से अझुई तक जो रोड गई है उसको मोहम्मद जहीर पुत्र हसनैन, कदीर, कौसर, शोएब पुत्र जहीर, हसीब पुत्र हसनैन, मोहम्मद अहमद पुत्र शफीक, कौनैन अशरफ, महबूब पुत्र नसीर ने सारी रोड जेसीबी बुलवा कर खुदवा दिया। जबकि यह रोड पीडब्ल्यूडी व विधायक निधि से बनी थी। हम एसओ के पास भी शिकायत करने गये लेकिन हमारी सुनी नह गई। हमने एसडीएम, तहसीलदार, नायाब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल से फोन से बात कर बताया। डीएम को भी फोन किया लेकिन फोन उठा नह। उन्होंने बताया कि हमने 1076 पर भी फोन किया। रास्ते को जेसीबी मशीन से खोद दिया गया जिससे पच्चीसों गांवों के लोगों का आना-जाना बाधित हो गया है। अब अगर हमको घर आना हो तो 8 किमी पैदल चले तो घर पहुंचते हैं। इसकी लिखित शिकायत हमने एडीएम से की है। आज डीएम को दरखास्त देने आया था लेकिन वह मिले नह अब हम सोमवार को डीएम से मिलकर दरखास्त देंगे। प्रधान प्रतिनिधि ने यह भी बताया कि सरकारी सड़क खोद दिये पूछने पर दबंग कहते हैं कि आप कौन होते हैं। मेरा आर्डर है कोट से। रोजाना उसमे पक्की कब्र बनवा रहे हैं। जबकि उसमे 32 नंबर तालाब है, 24 नंबर तालाब है और 35ख ग्राम समाज की जमीन है उसको भी खुदवा दिया है।

सांसद प्रतिनिधि ने किया नि:शुल्क प्याऊँ का उद्घाटन

जानवर, पक्षियों के पानी पीने की होगी व्यवस्था: प्रवीण अग्रवाल

❒ संस्था के हर सामाजिक कार्य में भोला सिंह का रहेगा आर्थिक अंशदान

फोटो न0-04

सुल्तानपुर। जय अंबे माता सेवा संस्थान ने पड़ रही भीषण गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए अच्छी पहल शुरू की है। नगर क्षेत्र के चौराहों पर प्याऊ की निःशुल्क व्यवस्था कर राहगीरों की प्यास बुझाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। निःशुल्क प्याऊ का उद्घाटन फीता काटकर सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने किया। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि गर्मी के समय में प्यासे को पानी पिलाना पुण्य का कार्य है। संस्था के पदाधिकारी, कार्यकर्ता बधाई के पात्र है। रविवार को चौक क्षेत्र में निशुल्क प्याऊ को संचालित करने के लिए वकायदे जय अंबे माता संस्थान की ओर से समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद मेनका गांधी के पीआरओ रंजीत कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता नागेंद्र प्रताप सिंह भोला, पूर्व नगरपालिका चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य नंदन चतुर्वेदी, बब्बू फाइटर, दीपू उपाध्याय समेत नगरपालिका के सभासद दिनेश चौरसिया, संतोष सिंह आदि की उपस्थिति में निःशुल्क प्याऊ का उद्घाटन सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने किया। सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने सुझाव दिया कि चौराहों के साथ-साथ ऐसे स्थानों पर भी प्याऊ की व्यवस्था की जाए, जहां पर राहगीरों की आमद होती है। और उनकी प्यास बुझे, इसके लिए वकायदे उन्होंने अस्पताल, बस अड्डा, तहसील, दीवानी आदि स्थानों पर प्याऊ को संचालित करने की सलाह दी। फिलहाल जय अम्बे माता संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य की सराहना चारों ओर हो रही है। संस्था ने निशुल्क प्याऊ के लिए 51 घड़ों की व्यवस्था की है।

महाराणा प्रताप जयंती पर क्षत्रिय महासभा करेगा कार्यक्रम का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में 9 दिन सोमवार मई को गांधी स्टेडियम परीक्षा ग्रह पीलीभीत में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष संजय सिंह तोमर,उपाध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा कार्यक्रम के संयोजक इंद्रेश सिंह चौहान रहेंगे कार्यक्रम के संयोजक इंद्रेश सिंह चौहान ने बताया कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कई जनप्रतिनिधि भी शामिल रहेंगे अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की ओर से सभी क्षत्रिय महासभा के लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने के लिए आमंत्रित किया गया पीलीभीत में 9 मई दिन सोमवार को महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों की ओर से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों ने दी कार्यक्रम की जानकारी

दूर-दूर से क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंचकर कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शनिवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों ने जनपद के अंतर्गत निवास करने वाले क्षत्रिय बंधुओं से संपर्क कर 9 मई को होने वाले भव्य कार्यक्रम पहुंचने की अपील की यह कार्यक्रम अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की ओर से पीलीभीत में स्थित गांधी स्टेडियम प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी क्षत्रिय बंधुओं से पहुंचने की अपील की गई है क्षत्रिय समाज के लोगों से संयोजक इंद्रेश सिंह चौहान,कुँवर धर्मेंद्र सिंह चौहान,रामपाल सिंह पूर्व प्रधान,नवीन सिंह चौहान, वीरेंद्र पाल सिंह चौहान ,भूपेंद्र सिंह चौहान,सतेंद्र सिंह के द्वारा संपर्क कर कार्यक्रम में पहुँचने की अपील की गई है

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मायके पक्ष ने लगाया हत्या आरोप, थाने में दी तहरीर

बदायूं। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के एक गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गांव पहुंची विवाहिता की मां ने हत्या कर शव जलाने का लगाया आरोप पुलिस मामले की जांच कर रही है। विद्यावती पत्नी रामबहादुर निवासी हरुनगला थाना बिशारतगंज जिला बरेली ने अपनी पुत्री दयावती की शादी दो वर्ष पहले कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव अहरुइया के निवासी महेंद्र पुत्र गनेश के साथ की थी। तभी से आए दिन महेंद्र दहेज की खातिर दयावती के साथ मारपीट करता रहता था कई बार रिस्तेदारो ने पंचायत भी कराई लेकिन बात नहीं बनी विवाहिता की मां का आरोप है कि शनिवार की सुबह किसी ने उन्हें फोन द्वारा सूचना दी कि उनकी लड़की दयावती को मार दिया गया है।जहां सूचना पर जब विवाहिता की मां गांव अहरुइया पहुंची तो ससुराल वाले उनकी लड़की के शव को जला चुके थे। विवाहिता की मां ने पति महेंद्र ,देवर दामोदर ,ससुर गनेश ,सास शिवदेई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए थाने में तहरीर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गनेश के छोटे लड़के की बारात दो दिन पहले ही लौट कर आई थीं जिसमें गनेश के बड़े लड़के महेंद्र के मुताबिक छोटे लड़के को दहेज ज्यादा मिला था।जहां शुक्रवार की रात महेंद्र का अपनी पत्नी के साथ दहेज को लेकर झगड़ा हुआ था महेंद्र ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और गुस्से में आकर पत्नी ने जहर खा लिया जिससे उसकी मौत हो गई।

प्रदेश मंत्री बनी सुषमा देवी, सोशल मीडिया पर मिल रही हैं शुभकामनाएं

पूरनपुर। श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ द्वारा समाज के अनुयायियों को धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर विश्व स्तर पर संगठित कर उनको अपनी विचारधारा से जोड़ने का कार्य करती है इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विश्व महापीठ के आदर्श संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास के ज्ञान दर्शन में महापीठाधीश्वर संत सरवण दास के आशीर्वाद से दुष्यंत गौतम अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति पर प्रदेश अध्यक्ष रामवीर भैया जी ने पूरनपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत निजामपुर लाह निवासी भाजपा नेत्री सुषमा देवी को प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया साथ ही उनसे यह आशा और विश्वास भी किया गया है कि वह विश्व महापीठ के मध्यम से श्री गुरु रविदास की शिक्षा के प्रकाश में समाज के अंदर सामाजिक समरसता का निर्माण,सामाजिक बुराई एवं कुरीतियों को रोकने और गुरु रविदास की ज्ञानवाणी एव कल्याणकारी उपदेशों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी युवा भाजपा नेत्री वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी पीलीभीत की जिला उपाध्यक्ष हैं पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व क्षेत्रीय कार्यकारिणी की सदस्य भी रह चुके हैं उनके द्वारा प्रदेश मंत्री नियुक्त होने पर जनपद और प्रदेश के लोग सोसल मीडिया के माध्यम से बधाई दे रहे हैं।

डीएम व कलीम खान को राज्यपाल ने दिया रेडक्रास अवार्ड, उपस्थित रहे डिप्टी सीएम

पीलीभीत। विश्व रेडक्रॉस दिवस पर लखनऊ में आयोजित एक समारोह में महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पीलीभीत के डीएम पुलकित खरे और कलीम अतहर खान को रेडक्रास अवार्ड से सम्मानित किया पीलीभीत के इतिहास में पहली बार हुआ हैं जो जिले के दो लोगो को रेडक्रास अबार्ड प्रदान किया गया हैं कोविड काल के दौरान रेडक्रास को सक्रिय कर राहत सामग्री का वितरण एवम प्रदेश में सर्वाधिक रक्तदान कराने के लिये डीएम पुलकित खरे तथा कोविड काल में रक्तदान शिविरों का आयोजन,कोविड में सहायता के लिये विभिन्न संस्थाओं से रेडक्रास के लिए धन एकत्रित करने के साथ साथ जरूरतमन्दों को चिन्हित कर उनको हाइजीन किट,साबुनसेनेटाइजर वितरण एवं जरुरत मन्दो को भोजन पैकेट उपलब्ध कराने के लिए कलीम अतहर खान को रेडक्रास एवार्ड प्रदान किया महामहिम राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समारोह में इन दोनों व्यक्तित्व को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,रेडक्रास सोसायटी उत्तरप्रदेश की सचिव डॉ हिमाबिन्दु नायक सहित प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समर्पित स्वच्छता को जीवन का हर क्षण मातृ दिवस पर गोमती मित्रों का प्रण

सुलतानपुर। यूं तो किसी भी दिवस की कल्पना बिना मां के नह की जा सकती कारण की यह जीवन ही मां का दिया हुआ है लेकिन फिर भी एक विशेष दिवस की परिकल्पना इसलिए कि हम बैठ कर विचार करें कि हम अपनी जीवनदायिनी के प्रति कितने धर्मनिष्ठ हैं। गोमती मित्रों के लिए सौभाग्य रहा कि मातृ दिवस के दिन साप्ताहिक श्रमदान के तहत उन्हें मां गोमती की सेवा प्राप्त हुई और फिर क्या था गगन भेदी जयकारों के साथ संरक्षक रतन कसौंन के नेतृत्व में गोमती मित्रों ने आदि गंगा मां गोमती की स्वच्छ-निर्मल-अविरल धारा के लिए जीवन के अंतिम क्षण तक समर्पित रहने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन एवं मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी ने जनमानस से अपील की कि जिस मां ने जन्म दिया है उसके साथ-साथ आदि गंगा मां गोमती की सेवा का संकल्प भी आज के दिन अवश्य लें। स्वच्छता श्रमदान में मुख्य रूप से संत कुमार प्रधान, राजेश पाठक, अजय प्रताप सिंह, रामेंद्र प्रताप सिंह राणा, सेनजीत कसौंन दाऊ, संतोष अग्रहरी, प्रिंस सिंह, अनुज प्रताप सिंह, दीपू कसौन, पवन मौर्य, आमोद विक्रम सिंह, अर्जुन यादव, तेजस्व पांडे, राज मिश्रा, प्रांजल सिंह, आयुष, आदित्य, अर्पित आदि उपस्थित रहे।

पुलिस व एसओजी टीम के मुठभेड़ में बदमाश कमर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ पकड़ा गया बदमाश बीते महीने परमानंदपुर पर हुई गल्ला व्यापारी से 5.50 लाख की लूट में था शामिल

बिसौली । बदायूं में बिसौली तहसील के फैजगंज बेहटा पुलिस के साथ एसओजी टीम की बीते महीने दिनदहाड़े गल्ला व्यापारी से लूट में शामिल बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई बदमाश के गोली लगने पर पुलिस द्वारा कमर नाम के बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश के पास से गल्ला व्यापारी से लूटे गए 5.50 लाख रुपये में से 2 लाख 10 हजार रुपये नगद बरामदगी के साथ तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ है। पुलिस मुठभेड़ में मुरादाबाद का बदमाश कमर गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में गोली लग गई. जहां जवाबी फायरिंग में एक सिपाही के हाथ में भी गोली लग गई । बदमाश कमर फैजगंज बेहटा क्षेत्र में 5 लाख की लूट में शामिल था। पुलिस को उसके पास से 2 लाख 10 हजार रुपये, तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक बदमाश कमर पर 12 मुकदमे दर्ज है। रविवार की सुबह थाना फैजगंज बैहटा पुलिस को दो संदिग्ध बदमाशों के संबंध में सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया. जहां चेकिंग के दौरान सुबह 4 बजे के आसपास दो बदमाश मोटरसाइकिल पर आते हुए दिखाई दिए । इस दौरान दोनों बदमाशों को पुलिस ने पीछा किया तो दोनों बदमाश इस्लामगर रोड की तरफ भागने की कोशिश करने लगे. उपरोक्त सूचना पर मौके पर प्रभारी निरीक्षक इस्लामनगर मय फोर्स द्वारा बदमाशों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई. इस दौरान पुलिस फोर्स को देखकर बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी । एसओजी टीम, थाना इस्लामनगर व थाना फैजगंज बेहटा पुलिस टीमों द्वारा जबाबी फायरिंग मे एक बदमाश के पैर में गोली लग गई तो वहीं एक सिपाही भी घायल हो गया. इस बीच दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा. जिसकी तलाश लगातार जारी है । स्थानीय पुलिस पूछताछ के दौरान बदमाश ने अपना नाम कमर पुत्र रफिक निवासी थांवला थाना बिलारी जनपद मुरादाबाद बताया. पुलिस को बदमाशों के संबंध में यह शंका थी कि जो थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्रान्तर्गत लूट की घटना हुई थी वह घटना अभियुक्त कमर उपरोक्त व उसके गैंग द्वारा की गई थी । पुलिस की गोली लगने से घायल बदमाश कमर को उपचार के लिए औरछी सीएचसी थाना फैजगंज बेहटा भेजा गया. पुलिस को बदमाश के पास से एक तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है साथ ही पैसों से भरा एक बैग भी मिला है. जिसमें 2 लाख 10 हजार रुपये बरामद हुए हैं. पुलिस द्वारा अभियुक्त से पैसों के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि वे लूट के पैसों को ठिकाने लगाने जा रहे थे. फिलहाल पुलिस की तरफ से उपरोक्त घटना के संबंध में स्थानीय थाना पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सेवानिवृत्त होने पर उपनिरिक्षक को किया सम्मानित

बदायूं। सेवानिवृत्त होने पर उपनिरीक्षक जितेन्द्र सिंह को थाना उसावां परिसर में पुलिसकर्मियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान उनका माल्यार्पण कर उपहार भेंट किए गए। थानाध्यक्ष प्रकाश सिंह ने कहा कि उपनिरीक्षक ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण 41 वर्ष पुलिस विभाग को दिए और जनता की सेवा की। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान ईमानदारी व निष्ठा का परिचय दिया। पुलिस कर्मियों को उनकी सेवा से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर थानाध्यक्ष प्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक उपदेश सिंह, महेन्द्र सिंह,कॉन्स्टबल, अवनीश, अजय, महेन्द्र सिंह, वीकेश, विकास, अर्जुन, नावेद, धर्मेन्द्र, विनोद, हरीश, समर, रवेंद्र सिंह, नरवीर, रविन्द्र सुक्ला ,दीपक ,रावेंद्र कुमार, आदि मौजूद रहे।

सीसीटीवी कैमरे में कैद बकरी चोरों पर आखिर क्यों मेहरबान है बल्दीराय पुलिस

❒ हत्थे चढ़ने के बाद मित्र पुलिस ने चोरों को दंड मुक्त किया - बड़ा सवाल- ?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/ सुल्तानपुर। बल्दीराय थानांतर्गत देहली बाजार में विगत 3 मई को दिनदहाड़े बाइक सवार दो लोग बकरी बाइक पर लादकर, भाग पाते इसके पहले ही ग्रामीणों की मदद से चोरों को पकड़कर पुलिस के सौंपा दिया जाता है। पीड़िता द्वारा दी गयी तहरीर पर कार्यवाई के बजाय चोरों पर मेहरबान पुलिस हत्थे चढ़ने के बावजूद मुक्त कर दिया जाता है। चोरों के सामने ही पीड़िता को अश्लील, शर्मनाक गालियां धमकियां देकर भगा जाता है। जबकि उसी पशु चोर की कैमरे में कैद फोटो पिछले माह चौबीस अप्रैल की स्पष्ट है ।

वर्तमान सरकार का नारी शशक्तिकरण का नारा, बल्दीराय पुलिस के लिए कोई में नही रखता है। पीड़िता कुसुम वर्मा पुत्री राम सुमेर निवासिनी देहली पुलिस व चोरों के भय के साये में जी रही है। पीड़िता को थाने के दीवान (यादव) द्वारा शर्मनाक गालियों के साथ ,धमकी भी दी गयी है। पीड़ित महिला एक बृद्ध व विधवा मां के साथ सड़क के किनारे एक झोपड़ी में निर्धनता के बीच जीवन बसर कर रही है। बीते लगभग एक वर्ष से पशु चोरों के निशाने पर रहे परिवार के लिए बल्दीराय पुलिस गूंगी व बहरी हो गयी है। सांठगांठ का खेल कहा जाय अथवा चोरों का प्रभाव जिसके चलते बकरी चोर खुले में घूम रहे हैं। जबकि एक सीसीटीवी कैमरे में बाइक पर बकरीसहित चोरों की स्पष्ट फोटो गतमाह 24 अप्रैल की दिख रही है। चोरों के साथ खड़ी मित्र पुलिस अभीउतक चोरों पर मुकदमा नही दर्ज कर पाई है। पीड़िता कुसुम वर्मा ने मुख्यमंत्री उप्र व पुलिस कप्तान सुल्तानपुर, महिला आयोग से दोषियों पर मुकदमा व न्याय की याचना की है।

रेडक्रास दिवस पर आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। विश्व रेडक्रास दिवस के तत्वावधान में जिला अस्पताल के राजकीय रक्तकोष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया विश्व थैलीसीमिया दिवस है इससे प्रभावित बच्चे भी इस मौके पर उपस्थित रहे। शिविर का शुभारम्भ अपर जिलाधिकारी रामसिंह गौतम तथा मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आलोक शर्मा ने संयुक्त रूप से किया इस शिविर में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आलोक शर्मा ने सबसे पहले रक्तदान कर विधिवत शिविर का उदधाटन किया मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ विजय कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया राजकीय रक्तकोष में विश्व रेडंक्रास दिवय पर रक्तदान शिविर का आरंभ अपर जिलाधिकारी रामसिंह गौतम, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आलोक शर्मा, मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ विजय कुमार तिवारी ने रेडक्रास के संस्थापक हेनरी डूनॉट के चित्र पर मार्ल्यापण किया इसके बाद राजकीय रक्तकोष के समस्त कर्मचारियों तथा रेडक्रास सोसायटी के सदस्यों ने उनके चित्र पर मार्ल्यापण तथा पुष्पांजलि अर्पित की शिविर के संयोजक अमिताभ अग्निहोत्री ने विधिवत रक्तदान शिविर के संबंध में जानकारी दी शिविर में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.आलोक शर्मा ने सबसे पहले रक्तदान किया इसके बाद दिनेश कुमार गगवार, डॉ प्रणव शास्त्री, अंकुर वर्मा,लक्ष्मीकांत झा, श्वेतांक सक्सेना,मोहित सहगल, अवतार सिंह मोनू,शिवम पटेल ने रक्तदान किया इस अवसर पर जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ रमाकांत सागर, रेडक्रास सोसायटी के शिविर संयोजक अमिताभ अग्निहोत्री,सह संयोजक राजेश गंगवार,सौरभ अग्रवाल,रवि शर्मा देव,जगदीश सक्सेना उपस्थित रहे शिविर के सफल आयोजन में राजकीय रक्तकोष के दिग्विजय सिंह गंगवार, मनोज कुमार यादव, कपिल वैश्य,अमरीन फात्मा ने विशेष सहयोग किया शिविर में रक्तदान करने वालों को रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से आगामी कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

वन विभाग ने अवैध सागौन की लकड़ी ट्रैक्टर-ट्राली सहित पकड़ा, मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लंभुआ/सुलतानपुर। बीती रात लंभुआ थाना क्षेत्र के वधुपुर चौराहे स्थित वन विभाग के डिप्टी रेंजर लंभुआ धीरेंद्र यादव मय हमराही आनन्द पांडेय वन रक्षक व दैनिक श्रमिक आशीष पांडेय के साथ मुखबिर की सूचना पर घोटाला घेराबंदी करते हुए जाल बिछाया ही था कि थोड़ी देर पश्चात एक ट्रैक्टर आता दिखाई दिया। डिप्टी रेंजर धीरेंद्र यादव के द्वारा ट्रैक्टर रोकने को कहा गया, ट्रैक्टर ट्राली पर सागौन की लकड़ी लकडियां लदी थी, जिसपर ड्राइवर से ट्राली पर लदी हुई लकडियों के परमिट के कागज मांगा गया, परंतु ड्राइवर द्वारा किसी भी प्रकार का कागज नही होने की बात कही गई। तत्पश्चात ट्रैक्टर ट्राली सहित लंभुआ कोतवाली ले चलने की वन विभाग के अधिकारी द्वारा बात कही गई, थोड़ी देर में ठेकेदार गुड्डू सिंह आ गए, उनके द्वारा ट्रैक्टर न ले जाने को कहा गया। परंतु वन विभाग की टीम ने कोतवाली लंभुआ पुलिस की मदद से ट्रैक्टर ट्राली सहित कोतवाली पहुंची। इसी दरम्यान ठेकेदार द्वारा वन विभाग की टीम को देख लेने की धमकी तक दे दी गई, जिसपर डिप्टी रेंजर लंभुआ धीरेंद्र यादव के द्वारा कोतवाली लंभुआ में मुकदमा पंजीकृत कराने के लिए तहरीर दी गई। जिसमें सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने तक का उल्लेख किया गया है। सूत्रों की माने तो जिस ट्रैक्टर पर अवैध रूप से सागौन की लकड़ी पकडी़ गई है, उस ट्रैक्टर का कोई कागजात भी नही है, जिससे एमवी एक्ट की कार्रवाई भी होगी, उधर लंभुआ कोतवाली में ट्रैक्टर ट्राली पर लदी हुई सागौन की लकडियों के 16 बोटा मिले।

किसलिए हो रहा बिजली कोयले की किल्लत का शोर

फिलहाल देश में कोयले और बिजली की किल्लत का माहौल बनाया जा रहा है। इस तरह के हालात निर्मित करने की कोशिशें इसलिए हो रही हैं ताकि देश का जनमानस केन्द्र की मोदी सरकार के खिलाफ खड़ा होने लगे। इस माहौल को हवा-पानी मिल रही है उन राज्यों में जहां पर कोयले के सर्वाधिक भंडार हैं। जैसे झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा। गौर कीजिए कि इन सब राज्यों में गैर-भाजपाई सरकारें हैं। अब जरा आगे चलिए। वोट के लालच में फ्री बिजली देने वाले दिल्ली, पंजाब, राजस्थान जैसे राज्य भी गैर- भाजपाई शासित हैं। क्या गर्मियों के मौसम में पहली बार बिजली की खपत बढ़ रही है और बिजली की किल्लत को महसूस किया जा रहा है? नहीं न। दिल्ली में बिजली की कटौती नाम-निहाद हो रही है। पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सियासत करने से पीछे नहीं हट रहे। वे कोयले की कमी को मुद्दा बना रहे हैं और सबको डरा रहे हैं। अब उन्होंने एक और खेल खेलना शुरू कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने फैसला लिया है कि 01 अक्टूबर, 2022 से दिल्ली में बिजली पर सब्सिडी केवल उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो इसे लेना चाहेंगे यानी बिजली पर छूट अब वैकल्पिक होगी। इस योजना के तहत लोगों के पास यह ऑप्शन होगा कि अगर वे चाहे तो अपनी सब्सिडी को त्याग सकते हैं। कोई क्यों छोड़ेगा? उन्होंने इससे मिलती-जुलती बात तब भी कही थी जब डीटीसी की बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर करने की घोषणा की गई थी। तब कहा गया था कि जो महिलाएं टिकट लेना चाहें वह ले सकती हैं। डीटीसी बसों में सफर करने वाली किसी महिला से पूछ लीजिए कि क्या वह टिकट लेती है? उत्तर नकारात्मक ही मिलेगा। महाराष्ट्र में भी बिजली संकट गहराता जा रहा है। भारत की प्रगति का रास्ता महाराष्ट्र से होकर ही गुजरता है। वहां इस प्रकार की स्थिति का होना अफसोसजनक है। महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली तथा पंजाब जैसे राज्यों का बिजली कंपनियों पर लाखों करोड़ बकाया पड़ा है। महाराष्ट्र सरकार तो सुप्रीम कोर्ट में केस तक हार चुकी है और उसे भुगतान करना ही करना है, उसके बाद भी ये राज्य बिजली खर्च कर रहे है और पेमेंट भी नहीं कर रहे हैं। सबको पता है कि सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) के 7,918 करोड़ रुपये के भारी बकाया के कारण कई राज्यों, विशेष रूप से महाराष्ट्र, राजस्थान और पश्चिम बंगाल को कोयले की आपूर्ति कम हुई है। जरा इन राज्यों के नेताओं की बेशर्मी देखिए कि ये कोयले की कमी का रोना तो रो रहे हैं, पर ये नहीं बता रहे कि जेनको का बकाया धन वापस क्यों नहीं कर रहे? जबकि इन्होंने जनेको से बिजली खरीद कर उपभोक्ताओं को कई बार दुगने दाम तक में बेच भी दिया है और ज्यादातर पैसा वसूल भी कर लिया है तो कैसे सुधरेगा बिजली क्षेत्र? कहां से आएगा जेनको के पास अपना काम करने लिए आवश्यक धन? कोयले की कमी की नौटंकी की जानकारी कई माह पहले से थी, आप यकीन नही करेंगे पर ये भी टूलकिट का ही एक पूर्व नियोजित हिस्सा है, सरकार विरोधी माहौल बनाने के लिए। जब सारे पैंतरे आजमाकर हार गए हैं तो कुछ नई योजनाओं पर काम शुरू हुआ है, जिनमें दंगे भड़काना और मूलभूत आवश्यकताओं की कमी कर के ठीकरा सरकार पर फोड़ना। दंगे भड़कने से कोर वोटर भाजपा से दूर होगा, जैसा वोटर का स्वभाव है और मूलभूत आवश्यकताओं की कमी पर नया वोटर जो जुड़ा है वह भी निराश होकर दूर होगा। अब पंजाब की बात करेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान की हर घर में प्रति माह 300 मुफ्त यूनिट की घोषणा से राज्य सरकार के वार्षिक बिजली सब्सिडी बिल में लगभग 2,000 करोड़ रुपये का इजाफा होगा। उनकी घोषणा के साथ, बिल बढ़कर 6,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। कर्ज में डूबी पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को अपने थर्मल प्लांटों को चलाने के लिए आयातित कोयले की खरीद के लिए और भारी खर्च करना होगा, क्योंकि केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने पंजाब और अन्य राज्यों को कोयला आयात करने की सलाह दी है। इतना सब कुछ होने पर भी पंजाब सरकार मुफ्त की बिजली देने से बाज नहीं आ रही।

विकास में बाधा बनती, महंगाई और बेरोजगारी

देश के विभिन्न राज्यों की बात करें तो हरियाणा में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा रही। इसी तरह देश भर में डायन बनी महंगाई का कहर रुकता नहीं दिख रहा है. भारत की खुदरा महंगाई दर पिछले 17 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है. सरकारी एजेंसी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयकी तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर फरवरी के मुकाबले 14.49 फीसदी बढ़कर 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गई है। महंगाई और बेरोजगारी का यह आकड़ा लम्बे अरसे से उपर नीचे हो रहा है। यह तो सौ फीसदी सच है कि कोई भी सरकार शतप्रतिशत महंगाई और बेरोजगारी आकड़ा प्रस्तुत नही कर सकती। लेकिन जो स्थितियॉ रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद तेजी से बदली है उसके परिणाम स्वरूप देश के विकास में महंगाई और बेरोजगारी एक बड़ा रोड़ा बनकर सामने उभरी है। ऐसे में पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई को कम करने के लिए महीनों इंतजार के बाद एक कदम उठाया है, जिस पर स्वाभाविक ही मिश्रित प्रतिक्रिया हो रही है। मई 2020 से ही रिजर्व बैंक रेपो रेट को स्थिर रखे हुए था। अब जब रेपो रेट में बढ़ोतरी कर दी गई है, तब बैंक पहले की तुलना में कम नकदी या पैसे रिजर्व बैंक से उधार लेंगे। इससे बैंकों के पास जब नकदी की कमी होगी, तब वे भी ब्याज बढ़ाएंगे या अगर ब्याज नहीं बढ़ाया, तो ऋण देने में कमी करेंगे। ऋण देने में जब कमी आएगी, तब बाजार में अनेक वस्तुओं, जमीन–जायदाद की खरीद में भी कमी आएगी। जब खरीद में कमी आएगी, तब महंगाई भी कम होगी। रिजर्व बैंक ने जैसे ही रेपो रेट को 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.40 किया, वैसे ही शेयर बाजार में बिकवाली चालू हो गई। मतलब शेयरों को खरीदने की तुलना में शेयरों को बेचने की होड़ मच गई। रेपो रेट बढ़ने के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। यह कहने की जरूरत नहीं है कि भारतीय शेयर बाजार में तेजी लगातार बनी हुई है।

कोरोना काल के विभत्स से उबरने के दौरान केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा देश की लगभग आधी आबादी का भेट भरने के लिए निःशुल्क खाद्यान्न योजना लागू करना और यह दावा करना की लगभग अस्सी करोड़ लोगों को सरकार निःशुल्क राशन उपलब्ध करा रही है यह कोई उपलब्धि या विकास का मानक नही है। कोराना काल की बंदी ने देश के विकास में जो रोड़ा अटकाया था उसके थमने के बाद अब महंगाई और बेरोजगारी एक बड़ा रोड़ा बनकर सामने आ चुकी है। सब्जी से लेकर तेल तक पर लगभग सरकार का मूल्य नियंत्रण बेदाम साबित हो रहा है। सरकार के लाख दावें के बावजूद बेरोजगारी चरम पर है। सरकार जिस तरह के रोजगार का दावा कर रही है उसमें 90 प्रतिशत रोजगार सरकार के न्यूनतम मजदूरी की दर से कम भुगतान वाले है। देश में महंगाई दर और बेरोजगारी दर प्रतिस्पर्धा चल रही है। अभी छह दिन पूर्व का आकड़ा देखें तो शहरों में बेरोजगारी दर मार्च के 8.28 फीसदी के मुकाबले बढ़कर 9.22 फीसदी हो गई है। वहीं ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर मार्च के 7.29 फीसदी से कम होकर अप्रैल में 7.18 फीसदी पर आ गई है। सीएमआईइ के अनुसार, देश के विभिन्न राज्यों की बात करें तो हरियाणा में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा रही। इसी तरह देश भर में डायन बनी महंगाई का कहर रुकता नहीं दिख रहा है. भारत की खुदरा महंगाई दर पिछले 17 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है. सरकारी एजेंसी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयकी तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर फरवरी के मुकाबले 14.49 फीसदी बढ़कर 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गई है। महंगाई और बेरोजगारी का यह आकड़ा लम्बे अरसे से उपर नीचे हो रहा है। यह तो सौ फीसदी सच है कि कोई भी सरकार शतप्रतिशत महंगाई और बेरोजगारी आकड़ा प्रस्तुत नही कर सकती। लेकिन जो स्थितियॉ रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद तेजी से बदली है उसके परिणाम स्वरूप देश के विकास में महंगाई और बेरोजगारी एक बड़ा रोड़ा बनकर सामने उभरी है। ऐसे में पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई को कम करने के लिए महीनों इंतजार के बाद एक कदम उठाया है, जिस पर स्वाभाविक ही मिश्रित प्रतिक्रिया हो रही है। मई 2020 से ही रिजर्व बैंक रेपो रेट को स्थिर रखे हुए था। अब जब रेपो रेट में बढ़ोतरी कर दी गई है, तब बैंक पहले की तुलना में कम नकदी या पैसे रिजर्व बैंक से उधार लेंगे। इससे बैंकों के पास जब नकदी की कमी होगी, तब वे भी ब्याज बढ़ाएंगे या अगर ब्याज नहीं बढ़ाया, तो ऋण देने में कमी करेंगे। ऋण देने में जब कमी आएगी, तब बाजार में अनेक वस्तुओं, जमीन-जायदाद की खरीद में भी कमी आएगी। जब खरीद में कमी आएगी, तब महंगाई भी कम होगी। रिजर्व बैंक ने जैसे ही रेपो रेट को 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.40 किया, वैसे ही शेयर बाजार में बिकवाली चालू हो गई। मतलब शेयरों को खरीदने की तुलना में शेयरों को बेचने की होड़ मच गई। रेपो रेट बढ़ने के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। यह कहने की जरूरत नहीं है कि भारतीय शेयर बाजार में तेजी लगातार बनी हुई है। जब बुरा दौर चल रहा था, तब भी भारतीय शेयर बाजार में तेजी दिख रही थी, क्योंकि मौद्रिक नीतियां ऐसी थीं कि निवेशकों को जरूरत से ज्यादा सहूलियत हो रही थी। बहुत से लोग कोरोना के विकट दौर में भी मालामाल हुए हैं और महंगाई भी लगातार बढ़ रही है। आज के समय में शेयर बाजार में अगर रेपो रेट में कमी की वजह से गिरावट आती है, तो इसे बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। चंद उद्यमियों के मालामाल होने या शेयरों के जोर पर अरबपतियों की संख्या बढ़ने से देश के आम लोगों को कोई विशेष लाभ नहीं है। देश में फरवरी महीने से ही महंगाई को लेकर चिंता जताई जा रही है। भारत में खुदरा महंगाई दर पिछले 17 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। अर्थशास्त्री यह तय मान रहे थे कि भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाएगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की प्रशंसा करनी चाहिए कि उन्होंने बढ़ती महंगाई पर ध्यान देते हुए रेपो रेट में करीब दो साल बाद यह बदलाव किया है। केंद्रीय बैंक को पूरी अर्थव्यवस्था को समग्रता में देखना चाहिए। जहां अमीरों या निवेशकों के साथ न्याय जरूरी है, वहीं सबसे ज्यादा जरूरी है, कीमतों को नियंत्रण में रखना। बढ़ती कीमतों का असर हरेक आदमी और हर कंपनी पर पड़ रहा है। रिजर्व बैंक के लिए भी यह बहुत जरूरी है कि वह जहां देश के विकास की रफ्तार को सुनिश्चित रखे, वहीं तेज महंगाई पर भी लगाम लगाए। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने जहां कच्चे तेल के मूल्यों में बहुत बढ़ोतरी की है, वहीं इसके चलते घरेलू बाजार में भी मूल्य में करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पेट्रोल व डीजल की बढ़ी कीमतों ने परिवहन लागत बढ़ाया है, जिससे विभिन्न पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि हुई है।आर्थिक विकास के मार्ग में महंगाई एक ऐसी फांस बनकर रह गई है, जिसका तत्काल स्थायी हल उपलब्ध ही नहीं है। बढ़ती महंगाई की दर का सदैव नकारात्मक रुख होता है। यह सदैव आर्थिक संकट का अंदेशा पैदा करती है। इससे गरीबों की क्रय क्षमता कम हो जाती है, तो अमीरों के वित्तीय निवेश का मूल्य भी घट जाता है। पिछले काफी समय से गरीबों और अमीरों के बीच की आर्थिक खाई लगातार बढ़ रही है। ऐसे में महंगाई का प्रति वर्ष नए रिकॉर्ड बनाना, गरीबों के जीवन को और दूभर बनाता है। बढ़ती महंगाई ने कई देशों को आर्थिक संकट में डाला है। इसका ताजा उदाहरण श्रीलंका की आर्थिक बर्बादी है। आजकल अमेरिका में भी इसे लेकर खूब असंतोष है। अभी अमेरिका में महंगाई दर 8.5 प्रतिशत, इंग्लैंड में सात प्रतिशत, जर्मनी में 7.4 प्रतिशत है। भारत में वर्तमान समय में यह दर छह प्रतिशत से अधिक है, जो बड़ी चिंता का सबब है। अभी भारत में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। महामारी के बाद जैसे-तैसे जिंदगी पटरी पर आई तो है,परंतु मध्यवर्गीय व्यक्ति अपनी आर्थिक बचत में महंगाई के कारण कमी महसूस कर रहा है। पिछले तीन वर्षों से असंगठित क्षेत्रों के लोगों की आय में बढ़ोतरी नहीं हुई है। आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) भारत की अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वाली संस्था है, उसके अनुसार दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर बढ़कर 7.9 फीसदी हो गई। नवंबर में यह 7 फीसदी थी। एक साल पहले दिसंबर 2020 में बेरोजगारी दर 9.1 फीसदी से ज्यादा थी। हाल के दिनों में अनुभव किए गए स्तरों की तुलना में भारत में बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है। 2018-19 में बेरोजगारी दर 6.3 फीसदी और 2017-18 में 4.7 फीसदी थी।पिछलें माह राज्यसभा को बताया कि 2018- 2020 के बीच देशभर में लगभग 25 हजार लोगों ने बेरोजगारी और कर्ज के बोझ के चलते आत्महत्या की हैं। व्यापार में नुकसान और नौकरी न मिलने की वजह से देश में परिवार की जिम्मेदारी का बोझ लादी हुई जनता मानसिक रूप से परेशान है। कुल मिलाकर महंगाई और बेरोजगारी के बीच प्रतिस्पर्धा से देश का विकास ही प्रभावित नही हो रहा बल्कि देश की जनता की रीढ़ टूटने के साथ मनोबल टूट रहा है। ऐसी स्थिति में देश की सरकार को बेरोजगारी और महंगाई की रोकथाम के लिए एक चार्ट बनाकर प्रतिदिन के हिसाब से युद्ध स्तर पर कार्य शुरू करना होगा। -प्रेम शर्मा

यह ईश्वरद्रोह नहीं तो क्या है?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

गुजरात के एक गांव में कुछ हिंदुओं ने दो अन्य हिंदुओं पर इसलिए हमला कर दिया कि वे अपने पूजा-पाठ को लाउडस्पीकर पर गुंजा रहे थे। ध्यान रहे कि यह हमला न तो मुसलमानों पर हिंदुओं का था और न ही हिंदुओं पर मुसलमानों का। उक्त दोनों हमले अलग-अलग कारण से हुए और उनका चरित्र भी अलग-अलग है लेकिन दोनों में बुनियादी समानता भी है। दोनों हमलों में मौतें हुईं और दोनों का मूल कारण एक ही है।

अपने देश में 5 मई दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिन्हें लेकर भारत के धर्मध्वजियों और नेताओं को विशेष चिंता करनी चाहिए। पहली घटना हैदराबाद में हुई और दूसरी गुजरात में। हैदराबाद में एक हिंदू नौजवान नागार्जू की हत्या इसलिए कर दी गई कि उसने सुल्ताना नामक एक मुसलमान लड़की से शादी कर ली थी। गुजरात के एक गांव में कुछ हिंदुओं ने दो अन्य हिंदुओं पर इसलिए हमला कर दिया कि वे अपने पूजा-पाठ को लाउडस्पीकर पर गुंजा रहे थे। ध्यान रहे कि यह हमला न तो मुसलमानों पर हिंदुओं का था और न ही हिंदुओं पर मुसलमानों का। उक्त दोनों हमले अलग-अलग कारण से हुए और उनका चरित्र भी अलग-अलग है लेकिन दोनों में बुनियादी समानता भी है। दोनों हमलों में मौतें हुईं और दोनों का मूल कारण एक ही है। वह कारण है-असहिष्णुता! यदि गांव के कुछ लोगों ने अनजाने या जानबूझकर लाउडस्पीकर लगा लिया तो उससे कौन सा आसमान टूट रहा था? उन्हें रोकने के लिए मारपीट और गाली-गुफ्ता करने की क्या जरूरत थी। यदि सचमुच लाउडस्पीकर की आवाज कानफोडू थी और उससे आपके काम में कुछ हर्ज हो रहा था तो आप पुलिस थाने में जाकर शिकायत भी कर सकते थे लेकिन किसी की आवाज काबू करने के लिए आप उसकी जान ले लें, यह कहां कि इंसानियत है? इसके पीछे का सूक्ष्म कारण पड़ोसियों का अहंकार भी हो सकता है। किसी कमतर पड़ोसी की यह हिम्मत कैसे पड़ गई कि वह पूजा-पाठ के नाम पर सारे मोहल्ले में अपने नाम के नगाड़े बजवाए? यदि हमलावर लोग कानून-कायदों का दूसरों से इतना सख्त पालन करवाना चाहते हैं तो उन्हें खुद से पूछना चाहिए कि उन्होंने अपने पड़ोसी की हत्या करके कौन से कानून का पालन किया है? जहां तक एक मुस्लिम लड़की का एक हिंदू लड़के से विवाह का सवाल है, दोनों की दोस्ती लंबी रही है। वह विवाह किसी धर्म-परिवर्तन के अभियान के तहत नहीं किया गया था। वह शुद्ध प्रेम-विवाह था। लेकिन भारत में आज कोई भी बड़ा नेता या बड़ा आंदोलन ऐसा नहीं है, जो अन्तरधार्मिक और अंतरजातीय विवाहों को प्रोत्साहित करे। हम लोग अपने मजहबों और जातियों के कड़े सींखचों में अभी तक जकड़े हुए हैं। जो व्यक्ति इन संकीर्ण बंधनों से मुक्त है, वह ही सच्चा धार्मिक है। वही सच्चा ईश्वरभक्त है। यदि ईश्वर एक ही है तो उसकी सारी संतान अलग-अलग कैसे हो सकती है? उनका रंग-रूप, भाषा-भूषा, खान-पान देश और काल के मुताबिक अलग-अलग हो सकता है लेकिन यदि वे एक ही पिता के पुत्र हैं तो आप उनमें भेद-भाव कैसे कर सकते हैं? यदि आप उनमें भेद-भाव करते हैं तो स्पष्ट है कि आप धार्मिक हैं ही नहीं। आप एक नहीं, अनेक ईश्वरों को मानते हैं। इसका एक गंभीर अर्थ यह भी है कि ईश्वर ने आपको नहीं, आपने ईश्वर को बनाया है। हर देश और काल में लोगों ने अपने मनपसंद ईश्वर को गढ़ लिया है। ऐसे लोग वास्तव में ईश्वरद्रोही हैं। उनके व्यवहार को देखकर तर्कशील लोग ईश्वर की सत्ता में अविश्वास करने लगते हैं।

सेहत मंत्र

लकवा मार सकता है अधिक धूम्रपान

अगर किसी भी रूप में आप तंबाकू का सेवन (सिगरेट, बीड़ी, हुक्का, तंबाकू का पान आदि) करते हैं, तो यह समझें कि अपनी जिंदगी और सेहत के साथ दुश्मनी मोल ले रहे हैं। तंबाकू की लत में फंसे व्यक्ति यह संकल्प लें कि उन्हें अपनी सेहत के इस दुश्मन को हमेशा के लिए छोड़ देना है। इस संदर्भ में विवेक शुक्ला ने बात की कुछ विशेषज्ञ डॉक्टरों से... धूम्रपान एक ऐसा 'जहर' है, जो धीरे-धीरे शरीर के कई आंतरिक अंगों को कमजोर करता है। धूम्रपान से होने वाली समस्याओं से बचाव का एक ही उपाय है कि इसे शीघ्र ही छोड़ दिया जाए। दुर्भाग्यवश धूम्रपान के कारण अगर किसी रोग से ग्रस्त हो ही जाएं, तो मेडिकल साइंस में हुई प्रगति के कारण अब इस रोग का इलाज संभव है। विष के समान है तंबाकू : तंबाकू अनेक बीमारियों का एक प्रमुख कारण है। तंबाकू से निर्मित उत्पादों के सेवन से न सिर्फ व्यक्तिगत, शारीरिक, और बौद्धिक नुकसान हो रहा है बल्कि समाज पर भी इसके दूरगामी आर्थिक, दुष्प्रभाव दिखाई देने लगे है। हालात यह है कि ग्लोबल एडल्ट टोबेको सर्वे (सन- 2016-17) की रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में से लगभग 10 करोड़ लोग सिगरेट या बीड़ी का सेवन करते हैं। विश्व में तंबाकू के उपभोग के कारण 70 लाख व्यक्तियों की प्रतिवर्ष मृत्यु हो जाती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लाखों लोग तंबाकू की खेती और व्यापार से अपनी आजीविका कमाते हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि इन विरोधाभासों का हल कैसे संभव है। दरअसल तंबाकू की समस्या का हल हर स्तर पर इच्छा शक्ति से जुड़ा हुआ है। फिर चाहे यह इच्छा शक्ति तंबाकू से निजात दिलाने की हो या फिर तंबाकू छुड़ाने का प्रयास करने वाले लोगों की, उसके घर वालों की हो अथवा नियम कायदे-कानून और सरकारों की हो। धूम्रपान से नुकसानः धूम्रपान के इस्तेमाल से चार हजार हानिकारक रासायनिक पदार्थ निकलते हैं, जिनमें निकोटीन और टार प्रमुख हैं। विभिन्न शोध-अध्ययनों के अनुसार लगभग 50 रासायनिक पदार्थ कैंसर उत्पन्न करने वाले पाए गए हैं। तंबाकू सेवन और धूम्रपान के परिणामस्वरूप रक्त का संचार प्रभावित हो जाता है, ब्लड प्रेशर की समस्या का जोखिम बढ़ जाता है, सांस फूलने लगती है और नित्य क्रियाओं में अवरोध आने लगता है।

धर्म मंत्र

मंदिर में परिक्रमा करते समय बोलें एक मंत्र, एक-एक कदम पर बढ़ेगा पुण्य

जब भी किसी मंदिर जाते हैं या घर में पूजा-पाठ करते हैं तो भगवान का ध्यान करते हुई परिक्रमा जरूर करनी चाहिए। परिक्रमा करना किसी भी देवी-देवता की पूजा का महत्वपूर्ण अंग है। मान्यता है कि परिक्रमा से पापों का नाश होता है। परिक्रमा करते समय ध्यान रखें ये बातें: भगवान की मूर्ति और मंदिर की परिक्रमा हमेशा दाहिने हाथ से शुरू करना चाहिए। जिस दिशा में घड़ी के कांटे घूमते हैं, उसी प्रकार मंदिर में परिक्रमा करनी चाहिए। मंदिर में स्थापित मूर्तियों सकारात्मक ऊर्जा होती है, जो कि उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवाहित होती है। बाएं हाथ की ओर से परिक्रमा करने पर इस सकारात्मक ऊर्जा से हमारे शरीर का टकराव होता है, जो कि अशुभ है। जाने-अनजाने की गई उल्टी परिक्रमा हमारे व्यक्तित्व को नुकसान पहुंचा सकती है। दाहिने का अर्थ दक्षिण भी होता है, इसी वजह से परिक्रमा को प्रदक्षिणा भी कहा जाता है। इस मंत्र का अर्थ यह है कि हमारे द्वारा जाने-अनजाने में किए गए और पूर्वजन्मों के भी सारे पाप प्रदक्षिणा के साथ-साथ नष्ट हो जाए। परमपिता परमेश्वर मुझे सद्बुद्धि प्रदान करें। सूर्य देव की सात, श्रीगणेश की चार, श्री विष्णु की पांच, श्री दुर्गा की एक, श्री शिव की आधी प्रदक्षिणा करें। शिव की मात्र आधी ही प्रदक्षिणा की जाती है,जिसके विशेष में मान्यता है कि जलधारी का उल्लंघन नहीं किया जाता है। जलधारी तक पंहुचकर परिक्रमा को पूर्ण मान लिया जाता है।

पर्यटन

रूस में दिखती है भारतीय कल्चर की झलक दुनिया भर में मशहूर हैं ये टूरिस्ट स्पोर्ट

'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिशतानी। सर पे लाल टोपी रूसी , फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी' राज कपूर का एक सदाबहार गाना आज भी कहीं न कहीं सुनने को मिल ही जाता है। राजकपूर के इस गाने जैसा ही कुछ कनेक्शन रूस के साथ है। बात करें, यहां के कल्चर की, तो रूस में बहुत से लोग भारतीय परिधानों और यहां के गानों, फिल्मों में दिलचस्पी रखता है। वहीं रूस में कई रेस्टोरेंट ऐसे हैं, जो भारतीय व्यजंनों को स्पेशल डिश में शामिल करते हैं। आइए, जानते हैं यहां के खूबसूरत टूरिस्ट स्पोर्ट।

मोस्को- आर्ट और कल्चर के दीवानों के लिए मोस्को सबसे बेहतरीन जगह है। रूस की राजधानी मोस्को में खाने-पीने के कई ऑप्शन है। सेंट पीटरबर्ग- रूस का ऐतिहासिक केंद्र सेंट पीटरबर्ग को कहा जाता है। यहां पर आपको हरमिटेज म्यूजियम समेत कई ऐतिहासिक इमारतें मिलेंगी। सेंट पीटरबर्ग को 'वाइट नाइट' सिटी भी कहा जाता है। यहां रात के वक्त चमक-दमक के बीच कई फ़ेस्टिवल होते हैं। किझी आइलैंड- रूस का दिल किझी आइलैंड, जहां पर प्रकृति से रूबरू होने का मौका मिलेगा। आपको यहां पर रूस की सबसे पुरानी लकड़ी की चर्च मिलेगी। साथ ही यहां पर वुडन आर्ट से जुड़ी हुई कई चीजें मिलेगी। कजान- मुस्लिम और क्रिश्चन समुदाय का मेलजोल देखना हो, तो कजान एक परफ़ेक्ट जगह है। यहां पर चर्च और मस्जिद देखने को मिलेंगे। यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज के तौर पर लिस्ट में शामिल किया हुआ है। द गोल्डन रिंग- प्याज के गुंबद आकार की बनी चर्च, पुराने गांव देखने को मिलेंगे। ये जगह बहुत ही शांत हैं। आपको यहां नेचर से जुड़ी हुई कई खूबसूरत चीजें देखने को मिलेगी। बैकल लेक- अगर आपको झील पसंद है, तो आप रूस की बेकल झील जरूर देख सकते हैं। दुनिया के 20 प्रतिशत हिस्से का साफ पानी इस झील में है। करीब 25 मिलियन साल पुरानी ये झील विशाल पहाड़ों से ढ़की हुई है।

कैसे बने गांव स्मार्ट, लोगों की जुबानी.....

आत्मनिर्भर हो ग्राम पंचायतें, स्वास्थ्य शिक्षा और स्वच्छता पर हो विशेष ध्यान

विकास तिवारी

बाराबंकी। महात्मा गाँधी ने कहा था कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। वास्तव में हमारा भारतवर्ष तो गाँव में ही है। जिस देश की 80% से अधिक जनसंख्या गाँव में निवास करती है, उस देश की आत्मा गाँव में ही रह सकती है। इसलिए भारतवर्ष का महत्व गाँवों से ही आँका जाता है। प्रकृति प्रदत्त गाँव की शोभा अनायास ही हमारे मन को आकर्षित कर लेती हैं।शहरी विकास के बाद धीरे-धीरे विकास की बयार गांव तक जा पहुंची सरकार की तमाम योजनाओं के द्वारा गांव का विकास किया जा रहा है।कई सड़क योजनाओं के माध्यम से गांव को शहरों से जोड़ने के लिए सड़कों का जाल बिछाया गया है।विद्युतीकरण के द्वारा गांव में घर घर बिजली पहुंचाई गई जिससे गांव में भी शहरों की भांति टीवी वाशिंग मशीन फ्रिज जैसे आधुनिक उपकरण प्रयोग में लाए जा रहे हैं।चर्चा हो रही है गांव को स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने की आखिर किस तरह से गांव को स्मार्ट रूप से विकसित किया जाए जहां पर शहरों की तरह आधुनिकता के साथ साथ ग्रामीण जीवन की मिठास भी बनी रहे। सरकार गांव के विकास पर पूरा जोर दे रही है। देश की उन्नति गांव की प्रगति पर ही निर्भर करती है गांव को बिना समझे इस देश को समझना असंभव है।सरकार की विभिन्न योजनाओं के द्वारा गांव के लोगों के जीवन स्तर में सुधार का प्रयास किया जा रहा है। बजट का एक बड़ा हिस्सा गांव के विकास के ऊपर खर्च किया जा रहा है। लेकिन जिस तरह से गांव गांव का विकास किया जा रहा है उस हिसाब से गांव स्मार्ट बनाए जा सकते हैं आखिर स्मार्ट गांव की परिभाषा क्या होनी चाहिए जिससे भारत के गांव स्मार्ट गांव की श्रेणी में आ सके। स्मार्ट विलेज पर लोगों की क्या राय है प्रस्तुत है कैनविज टाइम्स की रिपोर्ट.....।

ग्राम पंचायत के लोगों का जागरूक होना जरूरी है पंचायत भवन विकसित हो ग्राम प्रधान पढ़ा लिखा हो । गावँ के हर मूलभूत सुविधाएं जैसे सड़क स्ट्रिक लाइट नालियां शौचालय स्मार्ट स्कूल शुद्ध पेय जल की व्यवस्था हो स्वच्छता के मुद्दे पर सप्ताह में प्रतिदिन वार्ड वार्ड अभियान चलाया जाए इससे हमारा वार्ड स्वच्छ रहने के साथ गावँ स्मार्ट बनेगा ।

अजय यादव, ग्राम विकास अधिकारी, हैदरगढ़ बाराबंकी

गाँव को स्मार्ट बनाने के लिए जरूरी है कि गावँ में अधिक से अधिक संसाधन एकत्र किए जाए जिसके बारे में विचार किया जाना चाहिए , गाँव की सड़कें बेहतर हो हर घर में शौचालय हो वह भी चालू हालत में, शिक्षा बेहतर हो स्कूल गावँ में हो और प्रयाश हो कि इन्टर तक शिक्षा गावँ से प्राप्त हो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हो गावँ में तालाब अतिक्रमण मुक्त हो उसका सुंदरीकरण किया जाए स्वच्छ पानी हो स्विमिंग पुल बने । स्वच्छता के मुद्दे पर हर वार्ड में सप्ताह में एक दिन विशेष सफाई अभियान चले लोग जागरूक हो गीला कूड़ा सूखा कूडा अलग अलग डस्टबिन में डाला जाए सफाई कर्मी उसे कलेक्ट कर ले जाये तभी गावँ को स्मार्ट बनाया जा सकता है ।

आस्था सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी, रामनगर बाराबंकी

यदि हम गांव को स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करना चाहते हैं तो सबसे पहले हमें यह प्रयास करना होगा कि लोगों की मानसिकता में बदलाव हो इसके लिए शिक्षा के माध्यम से जागरूकता लानी होगी।गांव में ऐसी व्यवस्था की जाए कि आपसी विवाद कम से कम हों विवाद की स्थिति में निपटारा गांव में ही हो जाये।चूंकि ग्रामीणों की जीविका का एकमात्र सहारा कृषि ही है इसके लिए कृषि के क्षेत्र में बदलाव किए जाए। गांव स्तर पर ही बाजार की उपलब्धता हो जल संरक्षण के लिए के प्रयास किए जाने होंगे गांव स्तर पर ही सौर ऊर्जा प्लांट की स्थापना कर आत्मनिर्भर बनना होगा।

अखिलेश कुमार मिश्र, ग्राम पंचायत अधिकारी, हैदरगढ़

वंदना वर्मा, ग्राम पंचायत अधिकारी, वि0ख0 सिंहपुर, अमेठी

सुव्यवस्थित ग्राम सचिवालय की स्थापना हो जहां हाई स्पीड इन्टर नेट व्यवस्था हो सबसे बड़ी समस्या बिजली की है ऐसे में गावँ में एक सार्वजनिक स्थान पर सोलर प्लांट लगाया जाए और बैठने की अच्छी व्यवस्था हो सके जिससे बच्चो को रात में पढ़ने के लिए समस्या न हो इसके अलावा पेय जल स्वास्थ्य शिक्षा ऊर्जा खेल का मैदान आदि होना एक स्मार्ट गावँ के लिए महत्वपूर्ण होगा । साथ ही समस्त सुविधाएं एवं योजनाएँ पूर्ण पारदर्शिता के साथ जनमानस तक पहुंच सकें

स्मार्ट विलेज के रूप में गांव को विकसित करने के लिए ग्राम पंचायतों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना बहुत ही आवश्यक है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास सरकार कर रही है। गांव कि स्वच्छता पर विशेष जोर होना चाहिए प्रत्येक व्यक्ति शौचालय का प्रयोग करें इसके लिए ग्राम पंचायत के साथ-साथ प्रत्येक ग्राम वासी को जिम्मेदारी निभानी होगी।

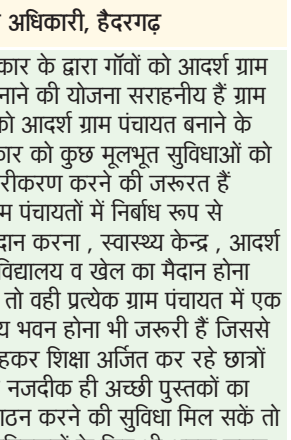

पवन कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी, हैदरगढ़

प्रदेश सरकार के द्वारा गॉवों को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने की योजना सराहनीय हैं ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने के लिए सरकार को कुछ मूलभूत सुविधाओं को और बेहतरीकरण करने की जरूरत हैं जिसमें ग्राम पंचायतों में निर्बाध रूप से बिजली प्रदान करना , स्वास्थ्य केन्द्र , आदर्श प्राथमिक विद्यालय व खेल का मैदान होना शामिल हैं तो वही प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक पुस्तकालय भवन होना भी जरूरी हैं जिससे गॉवों में रहकर शिक्षा अर्जित कर रहे छात्रों को अपने नजदीक ही अच्छी पुस्तकों का पठन – पाठन करने की सुविधा मिल सकें तो वही पुस्तकालय भवन ग्राम पंचायतों में रह रहें वरिष्ठजनों के लिए भी अपना समय व्यतीत करने का एक अच्छा स्थान मिल सकता है।

आशुतोष मिश्र, बी0एड0प्रशिक्षु, बैजनाथ शिवकला महाविद्यालय

मेले में शामिल हुए हजारों जायरीन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। गंगा-जमुनी एकता के प्रतीक सुप्रसिद्ध सूफी -सन्त सैय्यद अब्दुर्रज्जाक शाह बांसा शरीफ की मजार शरीफ पर ईद के दिन से चल रहे 8 दिवसीय सालाना मेले में शनिवार को शान-शौक़्त एव अक़ीदत के साथ कुल शरीफ सम्पन्न हुआ जिसमें फिरंगी महल के ओलेमा इकराम सहित पूरे देश से आये हजारो जायरीनों ने भाग लिया और दुआए मांगी। उल्लेखनीय हो कि सरकार-ए-बांसा शरीफ सैय्यद अब्दुर्रज्जाक शाह का कुल शरीफ परम्परागत रीतिरिवाज के अनुसार 5 शव्वाल को सज्जादा नशीन सैय्यद मुहम्मद उमर जिलानी के आवास पर बाद नमाज अस्र के सैय्यद साहब की टोपी,तसव्वी, कस कौल की जियारत दूर दराज से आये जायरीनों को करायी गयी था बाद नमाज मग़रिब के खानकाह रज्जाकिया में कारी अब्दुल रहीम की तिलावते कुरान शरीफ के साथ कुल शरीफ शुरू हुआ ।जिसमें लखनऊ स्थित फ़िरंगी महल से आये ओलेमा इकराम के साथ तमाम लोगों ने भाग लिया ।कुल शरीफ के बाद शीरनी का वितरण किया गया तथा सज्जादा नशीन के आवास पर लंगर का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने लंगर में खाना खाया।

आस्ताने पर दो वर्ष बाद लौटी रौनक

लॉक डाउन के कारण बीते दो वर्षों से सालाना उर्स मात्र साकेतिक रूप से मनाया जाता था कोरोना की दहशत कम होने के बाद इस वर्ष मेला पूरे शबाब पर रहा और आस्ताने पर जायरीनों की भारी भीड़ रही जायरीनों के चलते आस्ताने की दो वर्ष बाद रौनक लौटी और लोगो ने माथा टेक कर दुवाए मांगी।

भीषण गर्मी के चलते खुले आसमान में रहे है जायरीन

देवा-महादेवा के बाद जिले के बड़े मेलो में शुमार बांसा शरीफ के मेले देश के कोने कोने से हजारों की संख्या में जायरीन आते है जिसमे भूत प्रेत बाधा से त्रस्त, निः सन्तान दम्पति, मानसिक रोग से पीड़ित लोगों की संख्या ज्यादा होती है जो मजार शरीफ कई कई दिनों तक रहते है ।मेला परिसर में रेन बसेरा न होने के कारण हर मौसम में जायरीन खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर रहते है ।मेला परिसर में शौचालय न होने के कारण मेले में आनेवाली महिला जायरीनों को बागों एव झाड़ झखाड़ में जाना पड़ता जिन्हें मनचलो से बचना पड़ता है।

सर्कस, जादूगर झूला बने है आकर्षण का केंद्र

मेले में विगत कई वर्षों से लगने वाला जादूगर हमेशा आकर्षण का केंद्र रहता है सर्कस में करतब देखने के लिये सुबह से लेकर देर रात तक दर्शको की भीड़ लगी रहती है ,झूलो एव सर्कस जहा बच्चो की पहली पसंद तो महिलाओं की भीड़ विसात खानों पर लगी रहती है ।

बाराबंकी एक नजर

करोड़ों की अफीम के साथ एक गिरफ्तार

हैदरगढ़ बाराबंकी । पुलिस व एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा एक अभियुक्त को 02 किग्रा0 380 ग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया । पुलिस व एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा थाना हैदरगढ़ क्षेत्रान्तर्गत हैदरगढ़ चौराहा कस्बा हैदरगढ़ से अभियुक्त अतर सिंह पुत्र रामरतन निवासी करियाम्बई थाना उधैती जनपद बदायू हालपता रोजा के पास जवाहरपुरी बदायूं को मय 02 किग्रा0 380 ग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना हैदरगढ़ पर एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया।

पेशकार की ट्रेन से कटकर मौत

मसौली बाराबंकी। तेहरवीं संस्कार में गांव आये सहायक चकबन्दी अधिकारी हरदोई के पेशकार की ट्रेन से कटकर मौत हो गयी सूचना पर पहुँची सफदरगंज पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम अगेहरा मजरे बिरौली निवासी अजय वर्मा उर्फ बव्वा पुत्र रविन्द्र वर्मा जो हरदोई जनपद में सहायक चकबन्दी अधिकारी का पेशकार है शुक्रवार को बव्वा गांव के ही लाल जी वर्मा की माता की तेहरवीं संस्कार में आया था रात्रि में खाने खाने के बाद घर मे सो गया रविवार की भोर बव्वा का क्षत विक्षत शव डलाईपुरवा गांव के निकट रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। सूचना पर पहुँची पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के भेज दिया है।

हादसे रोकने के लिए इंटीग्रेटेड ऐप का प्रशिक्षण आयोजित

बाराबंकी । दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तैयार किये गए इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस ऐप का प्रशिक्षण जनपद बाराबंकी में आज प्रभारी पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी के निर्देशन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में समस्त थाने के सीसीटीएनएस कर्मी व उपनिरीक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। यह एप्लीकेशन दुर्घटना दुर्घटना मृत्यु को रोकने तथा सड़क दुर्घटनाओं के विवरण आंकड़ों को संग्रह करने में बहुत ही सहायक होगा।

राज्यमंत्री ने नारायणी ग्रह उद्योग का फीता काटकर किया शुभारंभ

सिद्धौर बाराबंकी। खाद एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने शनिवार को शोभापुर स्थित नारायणी गृह उद्योग का शुभारंभ फीता काटकर किया। नारायणी गृह उद्योग द्वारा विभिन्न प्रकार के मसाले बनाने की शुरुआत की गई है इसके निदेशक मनीष पांडे ने बताया कि बाजार में तमाम प्रकार के मसाले प्रचलन में है। उन्होंने शुद्ध मसाले उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए इसकी शुरुआत की है। इस अवसर पर श्री शर्मा के साथ आकांक्षा नर्सिंग होम के निदेशक रमेश सिंह तथा आकांक्षा एकेडमी की प्रबंध निदेशक राधा सिंह के साथ ही टिकैतनगर चेयरमैन जगदीश गुप्ता, नीलम पाण्डेय, अवधेश श्रीवास्तव, विवेक तिवारी ,मुलायम सिंह यादव, अवधेश मिश्रा, मधुकर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

आवारा पशु के आतंक से ग्रामीणों में फैला दहशत का माहौल

त्रिवेदीगंज बाराबंकी। विकासखंड त्रिवेदीगंज क्षेत्र अंतर्गत कस्बा त्रिवेदीगंज में आवारा पशु 1 सांड के आतंक ने 1 दर्जन से अधिक लोगों को घायल कर दिया। वही बीती रात त्रिवेदीगंज निवासी जग प्रसाद पुत्र रघुवीर प्रसाद को रात में ही उपरोक्त जानवर ने आकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां पर घायल अवस्था में पढ़े युवक को परिजनों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया । जहां पर प्रथम उपचार के बाद डॉक्टरों द्वारा पीड़ित को परिजनों के हवाले कर दिया गया । तो वही दूसरे दिन समाचार लिखे जाने पर खंड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि पशुधन चिकित्सा अधिकारी को बता दिया जाएगा तथा उनके द्वारा आवारा पशु को पकड़वा कर गौशाला भेज दिया जाएगा। तो वही पशुधन चिकित्सा अधिकारी को फोन लगाया गया। तो पशुधन चिकित्सा अधिकारी ने अपना पल्ला झाड़ते हुए सीधा खंड विकास अधिकारी पर निशाना साध दिया।

स्वच्छता के तहत कोतवाली पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी । आज भोर में हैदरगढ़ कोतवाली पुलिस द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया जिसके तहत थाने के कोने कोने की सफाई की गई प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार वर्मा ने बताया कि रविवार छुट्टी के दिन विशेष सफाई अभियान चलाया गया है जिसके तहत समूचे थाने की विधिवत सफाई की गई । जानकारी के अनुसार भोर में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार वर्मा कस्बा चौकी इंचार्ज संतोष कुमार राय वरिष्ठ उपनिरीक्षक धनीराम वर्मा कन्हैया यादव कांस्टेबल अजय पाल सिंह आशुतोष त्रिपाठी योगेन्द्र प्रताप सिंह बीरेंद्र पाल आदि ने समूचे थाने की सफाई की इस दौरान प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार वर्मा ने बताया कि स्वच्छता हमारी नैतिक जिम्मेदारी है इसे समझना चाहिए हमारी जागरूकता ही हमें औरों से अलग बनाती है श्री वर्मा ने आगे कहा कि हम अपने मोहल्ले गांव को स्वच्छ रखेंगे तो शहर स्वच्छ होगा यह अभियान निरंतर प्रत्येक रविवार चलाया जाएगा ।

रक्तदान कर पुलिस कर्मी बने महादानी

❐ आईजी की प्रेरणा से पुलिस अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मातृत्व दिवस के अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या, परिक्षेत्र अयोध्या श्री कवींद्र प्रताप सिंह के प्रेरणा स्वरूप रिजर्व पुलिस लाइन बाराबंकी में स्थित पुलिस अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया उक्त शिविर का शुभारम्भ प्रभारी पुलिस अधीक्षक के द्वारा स्वयं रक्तदान करते हुए किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी अपराध, प्रभारी निरीक्षक मोहम्मदपुर खाला श्री राम किशन राणा, थानाध्यक्ष लोनीकटरा श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष घुंघटेर श्री अमर कुमार चौरसिया तथा जनपद के विभिन्न चौकी प्रभारी उ0नि0गण एवं मुख्य आरक्षी आरक्षी, महिला आरक्षी,रिक्रूट आरक्षी व विभिन्न पुलिस कार्यालयों में नियुक्त अधिकारी कर्मचारीगणों द्वारा बढ़ चढ़ कर स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के सम्भ्रान्त नागरिकों,पत्रकारों, जन प्रतिनिधियों,समाज सेवियों द्वारा तथा एनसीसी कैडेट्स द्वारा भी स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में हिस्सा लेकर रक्तदान का पुनीत कार्य किया गया। मातृत्व दिवस के अवसर पर बाराबंकी पुलिस द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में करीब 100 यूनिट रक्तदान किया गया ।

रक्त दान हर व्यक्ति को करना चाहिए यह एक पुनीत कार्य है इससे कमजोरी नही आती बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए बेहतर है इसके लिए युवाओं को आगे आना चाहिए ।

गजेंद्र प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष लोनीकटरा

रक्त दान करना हमारी जिम्मेदारी है क्योकी हमारा एक मिनट का रक्त किसी को जीवनदान दे सकता है हमारा नुकसान भी नही है फायदे ही है रक्तदान से हम किसी व्यक्ति किसी परिवार को ढेर सारी खुशिया दे सकता है इसलिए हमे रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए व लोगो को भी जागरूक करना चाहिए ।

ज्योति शिखा सिंह चौहान, कांस्टेबल /रक्तदानी, बाराबंकी

श्रद्धांजलि सभा में याद किए गए ओम प्रकाश जयन्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

त्रिवेदीगंज बाराबंकी। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त खण्ड शिक्षा अधिकारी व अवधी के वरिष्ठ कवि ओम प्रकाश जयन्त को अवध भारती संस्थान व नव उमंग साहित्य संस्थान ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर भावपूर्ण श्रद्धाँजलि अर्पित की। ज्ञात हो कि बीते 29 अप्रैल को ओम प्रकाश जयन्त जी का लखनऊ में ईलाज के दौरान निधन हो गया था। स्वर्गीय जयन्त के पैतृक गाँव बारा में रविवार को श्रद्धाँजलि सभा हुई।जिसमें अवध भारती के अध्यक्ष डा.रामबहादुर मिश्र, गनपत सहाय डिग्री कालेज सुल्तानपुर के प्राचार्य प्रोफ़ेसर अरुण मिश्र, वरिष्ठ कवि वेद प्रकाश सिंह प्रकाश,कवि व पत्रकार सुनील वाजपेयी शिवम् ,रायबरेली के आचार्य सूर्य प्रसाद शर्मा निशिहर,लखनऊ से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक के सम्पादक के के वत्स, सुशील चन्द्र पाण्डेय (अमेठी),विष्णु कुमार शर्मा, जगदीशपुर के सलमान अंसारी, ओम प्रकाश चौहान, आलोक शर्मा, रामयश विक्रम,उदय प्रताप (रायबरेली) के अलावा ज्ञानेन्द्र पाण्डेय अवधी मधुरस व रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी प्रलयंकर सहित जयन्त के परिजनों यथा पुत्र सुशील कुमार चौधरी,सुनील कुमार जयन्त, व पोती गरिमा चौधरी आदि ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को यादकर कहा कि गाँव गली की माटी सदैव जयन्त की साहित्यक रूप मे अवधी भाषा की खुश्बू बिखेरती रहेगी। सभी ने अपनी भावाँजलि चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी। अंत मे दो मिनट का मौन रख सभी ने श्रद्धाँजलि दी।

देहदानी फुलझारा की मनाई गई पुण्यतिथि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। विकासखंड सिद्धौर के तपापुर में फुलझारा देहदानी की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई. इस दौरान जिला पंचायत सदस्य व भारतीय किसान यूनियन टिकट गुटके जिला महामंत्री हौसला प्रसाद वर्मा चेतराम वर्मा समेत कई दर्जन किसान यूनियन के नेता मौजूद रहे. दरअसल आपको बता दें कि फूलझारा ने अपना देहदान करते हुए एक अलग तरीके का संदेश देने का काम किया है । जानकारी के लिए बता दें कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के तत्वाधान में देहदान किया किया था। फुलझारा के परिवार के राजेश कुमार वर्मा कहते हैं कि उनकी दादी देहदान कर दिया है। तथा हम सब भी दे दान करने के लिए संकल्प पत्र भर चुके हैं । उनका मानना है कि देहदान करने से उनकी ये शरीर किसी के काम आ जाता है । हर व्यक्ति को देहदान करना चाहिए, जो नहीं करते हैं उनका शरीर या तो चिता में जलकर राख बन जाता है या फिर मिट्टी में दफन होकर सड़गुल जाता है यह सब ना हो इसलिए देहदान कर नेक काम करें।

जनप्रतिनिधियों के हाथों मोबाइल और टैबलेट पाकर खिले छात्रों के चेहरे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ ग्राम्यांचल महाविद्यालय में विधायक दिनेश रावत में बाटे स्मार्ट फोन

बाराबंकी। प्रदेश सरकार की टैबलेट और स्मार्ट मोबाइल वितरित कार्यक्रम के तहत आज जनपद में कई स्थानों पर छात्रों को मोबाइल एवं टेबल वितरित किए गए हैदर गढ़ संवाददाता के अनुसार ग्रामंचल पीजी कॉलेज हैदर गढ़ में बच्चों को निशुल्क स्मार्टफोन वितरित किया गया मसौली संवाददाता के अनुसार सागर इंस्टीट्यूट स्थित पीपीएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग रसौली के छात्र छात्राओं को प्रदेश के खाद्य एव रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा एव सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने प्रतिभाशाली छात्राओं को निशुल्क टेबलेट व स्मार्टफोन वितरित किया। राजमंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जो चुनाव के दौरान वादा किया था वह धीरे-धीरे पूरे किए जा रहे हैं छात्र-छात्राओं के भविष्य को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरीके से सजग है। खासकर छात्राओं के शिक्षा को लेकर प्रदेश सरकार नई नई योजनाएं बना रही है। जिस से आगे चलकर के हमारे समाज की बेटियां शिक्षित होकर अपने पैरों पर खड़ी हो सके। और समाज को एक नई दिशा दे सके। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित बेटी एक पूरे परिवार को शिक्षित बना सकती है। और इसी को लेकर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आने वाले समय में छात्राओं की शिक्षा को लेकर हमारी सरकार कई अहम कदम उठाने जा रही है जिससे हर घर की बेटी को शिक्षा का लाभ मिल सके। वितरण से पूर्व छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई कि आप लोग आगे भी अपनी पढ़ाई इसी प्रकार मेहनत से जारी रखेंगे। जिससे अपने परिवार का गांव व समाज का नाम रोशन करे । इस दौरान राज्यमंत्री एव सांसद ने संयुक्त रूप प्रतिभाशाली छात्राओं को टेबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए। टेबलेट और स्मार्ट फोन पा कर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष शंशाक कुशमेश, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, नवीन राठौर, कॉलेज के प्रिंसिपल सुनील कुमार शर्मा, एडमिनिस्ट्रेटर अमित सिंह , अध्यापिका प्रगति खन्ना, नेहा यादव, दीपशिखा सिंह, अंजली, ज्योति, दीक्षा पटेल , अंकिता त्रिगुणायत और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

हाइटेंशन विद्युत लाईन पर गिरी पेड़ की डाल, सैकड़ों गाँवो की बिजली गुल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। वर्षो पूर्व चंदौली पावर हाउस से मसौली विद्युत उपकेंद्र के लिए खींची गयीं 33 हज़ार हाईटेशन लाइन खराब मौसम की आहट पाते ही धरासायी हो जाती है। शुक्रवार की मध्यरात्रि हवा के साथ हुई बूंदाबांदी के दौरान पिपरौली के निकट 33 हजार हाईटेशन विद्युत लाईन पर पेड़ की डाल गिरने से मसौली करीब दो सैकड़ा से अधिक गांवों की बिजली पूरा दिन गुल रही। चंदौली पावर हाउस से विद्युत उपकेन्द्र मसौली को आपूर्ति होने वाली 33 हजार हाईटेशन विद्युत लाईन पर बारिश के साथ आयी तेज हवा के दौरान पेड़ की डाल गिरने से करीब साढ़े बारह बजे बिजली गुल हो गयी। रविवार की सुबह विभाग के कर्मचारियों ने पेट्रोलिंग शुरू किया तो पिपरौली के पास 33 हजार विद्युत लाईन पर कई जगहों पर पेड़ो की डाल गिरे मिले। जिनकी छंटाई कार्य शुरू हुआ तो रविवार की सुबह 12 बजे बिजली सप्लाई शुरू हो सकी।इस कारण से विधुत उपकेन्द्र मसौली सहित करीब दो सैकड़ा से अधिक गांव एवं उसके मजरो की 12 घण्टा तक बिजली बाधित रही। इस दौरान गर्मी एव मच्छरों से लोग बेहाल रहे।

हाईटेशन लाइन ठीक होने के बाद फीडर में आयी यांत्रिक खराबी शाम तक गुल रही बिजली

शुक्रवार की मध्यरात्रि हाईटेंशन लाइन में आयी खराबी को ठीक होने के बाद रविवार की दोपहर बिजली चालू होने पर लोगो ने गर्मी से राहत पायी थी एक घण्टे बाद फीडर में यांत्रिक खराबी आने के कारण क्षेत्र की बिजली पुनः गायब हो गयी और उपभोक्ता पूरा दिन गर्मी में बेहाल रहे।

क्या बोले अवर अभियंता

विद्युत उपकेन्द्र मसौली के अवर अभियंता जेपी सिंह ने बताया कि बीती रात्रि आँधी पानी के दौरान हाईटेंशन लाइन पर पेड़ की डाल गिरने से आपूर्ति बंद हो गई थी रविवार की सुबह पेट्रोलिंग कर लाइन को दुरुस्त कर बिजली चालू की गयीं परन्तु एक घण्टा बिजली चालू हुई थी कि 11 केवी इनकमिंग ट्राली में इंसुलेटर ब्लास्ट एव गियर में यांत्रिक खराबी के कारण बिजली ठप्प करनी पड़ी।

सबसे निचली पायदान पर काबिज मुंबई का केकेआर पर पलड़ा भारी

एजेंसी

नवी मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को यदि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी धुंधली उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो उसे जल्द से जल्द अदद संयोजन तलाश करके सोमवार को यहां मुंबई इंडियन्स से भिड़ना होगा जो अंतिम पायदान पर होने के बावजूद बढ़े मनोबल के साथ इस मैच में उतरेगा। शीर्ष क्रम में कई संयोजन आजमाना और टीम में लगातार बदलाव करना इस सत्र में केकेआर को भारी पड़ा है। वह तालिका में शीर्ष पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स से 75 रन से करारी हार झेलने के बाद इस मैच में उतरेगा। दूसरी तरफ मुंबई की टीम दूसरे नंबर की टीम गुजरात टाइटन्स पर पांच रन की जीत के कारण बढ़े मनोबल के साथ मैदान पर उतरेगी। मुंबई प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के 10 मैचों में चार अंक हैं। वह अधिक से अधिक 12 अंक तक पहुंच सकती है जो प्लेऑफ में पहुंचने के लिये पर्याप्त नहीं हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के 12 अंक हैं जबकि तीन अन्य टीम के 16 और 14 अंक हैं। नये कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में केकेआर को शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से बड़ी हार झेलनी पड़ी। उसके 11 मैचों में आठ अंक है। वह बाकी बचे तीन मैच में अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकता है लेकिन इससे भी उसकी चौथे स्थान पर रहने की गारंटी नहीं दी जा सकती। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दोनों टीम यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में एक दूसरे को कड़ी चुनौती देने की कोशिश करेंगी। दोनों टीम की निगाह अब अपने अभियान का सकारात्मक अंत करने पर टिकी रहेगी। इन दोनों टीम के बीच अब तक खेले गये मैचों में मुंबई ने 22 और केकेआर ने आठ मैच जीते हैं। मुंबई अपने इस रिकॉर्ड को अधिक बेहतर करने का प्रयास करेगा। मुंबई के लिये अच्छी बात यह है कि उसके दोनों सलामी बल्लेबाजों कप्तान रोहित और ईशान किशन ने टाइटन्स के खिलाफ टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। केकेआर के खिलाफ वे अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कोशिश करेंगे। रोहित भी मुंबई की तरफ से आईपीएल में 5000 रन पूरे करने से 88 रन दूर हैं और वह सोमवार को इस मुकाम तक पहुंच सकते हैं। मुंबई के बल्लेबाज रोहित, किशन और सूर्यकुमार यादव जहां पावरप्ले का अच्छी तरह से उपयोग करने में माहिर हैं वहीं केकेआर पहले छह ओवरों में रन बनाने के लिये जूझ रहा है जिसे उसके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम हार का कारण मानते हैं। मैकुलम ने कहा, ''हम पावरप्ले में संघर्ष करते रहे हैं जो इस पूरे सत्र में हमारे लिये निराशाजनक रहा। पूरे टूर्नामेंट में बीच के ओवरों में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा तथा डेथ ओवरों में भी हमने बुरा खेल नहीं दिखाया।

टीम इस प्रकार हैं :

कोलकाता नाइट राइडर्सः आरोन फिंच, अभिजीत तोमर, अजिंक्य रहाणे, बाबा इंद्रजीत, नीतीश राणा, प्रथम सिंह, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), अशोक शर्मा, पैट कमिंस, रसिख डार, शिवम मावी, टिम साउदी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती, अमन खान, आंद्रे रसेल, अनुकुल रॉय, चमिका करुणारत्ने, मोहम्मद नबी, रमेश कुमार, सुनील नारायण, वेंकटेश अय्यर, सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन।

मुंबई इंडियन्स : रोहित शर्मा (कप्तान), अनमोलप्रीत सिंह, राहुल बुद्धि, रमनदीप सिंह, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, टिम डेविड, अर्जुन तेंदुलकर, बासिल थम्पी, ऋतिक शौकीन, जसप्रीत बुमराह, जयदेव उनादकट, मयंक मार्कंडे, मुरुगन अश्विन, रिले मेरेडिथ, टाइमल मिल्स, कार्तिकेय सिंह, डेनियल सैम्स, डेवाल्ड ब्रेविस, फैबियन एलन, कीरोन पोलार्ड, संजय यादव, आर्यन जुयाल और ईशान किशन।

बच्चे के जन्म की वजह से शिमरॉन हेत्माएर ने छोड़ा आईपीएल 2022

एजेंसी

मुम्बई। अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण शिमरॉन हेत्माएर राजस्थान रॉयल्स को छोड़कर अपने घर गयाना लौट गए हैं। 25 वर्षीय वेस्टइंडीज़ के खिलाड़ी ने कहा कि मेरा सामान अभी भी मेरे कमरे मे हैं। ऐसा कहकर उन्होंने बचे हुए आईपीएल सीज़न में खेलने को लेकर वापसी का इशारा किया है। राजस्थान की टीम तीसरे स्थान पर बनी हुई है और वह 24 मई से शुरू हो रहे प्लेऑफ़ में पहुंचने की दावेदार नज़र आ रही है। अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंचाने में हेत्माएर का अहम रोल रहा है। उन्होंने टीम में फ?ि़निशर की भूमिका निभाते हुए 72 के औसत से 291 रन बनाए हैं, जिसमें 11 पारियों में वह सात बार नाबाद भी रहे हैं। उनके आंकड़े डेथ ओवरों (17-20) में शानदार रहे हैं, जहां उन्होंने 214.28 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। कम से कम 30 गेंद खेलने वाले खिलाड़ियों में वह शीर्ष पांच आक्रामक फिनिशरों में शामिल हैं। हेत्माएर सोमवार सुबह देश को छोड़ देंगे। उन्होंने पिछले ही मैच में पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़16 गेंद में नाबाद 31 रन बनाए थे और अपनी टीम को 190 रनों तक पहुंचाया था। जेम्स नीशम, डैरिल मिचेल, करुण नायर, रैसी वान डेर डुसेन अब बल्लेबाज़ी में उनकी जगह को भर सकते हैं। राजस्थान के अब लीग स्तर पर तीन मैच बचे हैं, जिसमें उन्होंने 11 मई को दिल्ली कैपिटल्स, 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और 20 मई को चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना है।

थॉमस : भारत ने जर्मनी को 5-0 से किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

बैंकॉक। भारत ने रविवार को द्वीवार्षिक अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप थॉमस कप के अपने पहले मुकाबले में जर्मनी के खिलाफ़ 5-0 की दमदार जीत हासिल की।

भारत के लिए लक्ष्य सेन ने यहां इम्पैक्ट एरिना में ग्रूप-सी का पहला मैच जीतकर जर्मनी के ख़िलाफ़ 1-0 की बढ़त हासिल की। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने करीबी युगल मैच जीतकर बढ़त को 2-0 पर पहुंचा दिया। इसके बाद, शीर्ष शटलर किदांबी श्रीकांत ने तीन गेम खेलकर भारत को 3-0 तक पहुंचाया, जिसके बाद एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की युगल टीम, और एचएस प्रणय ने सीधे सेटों में अपनी जीत के साथ भारत को विजय दिलाई। विश्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती मैच में मैक्स वीसकिर्चेन पर 21-16, 21-13 से आसान जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग ने जोंस राल्फ्टी जेनसेन और मार्विन सीडेल को 21-15, 10-21, 21-13 से हराया। तीसरे मैच के पहले गेम में हारने के बाद, श्रीकांत ने काई हेंड्रिक शेफ़र के खिलाफ करीब एक घंटे तक चले मैच में 18-21, 21-9, 21-11 से जीत दर्ज की। चौथे गेम में, अर्जुन और ध्रुव की युगल टीम ने गीस और जान कॉलिन वोएलकर को 25-23, 21-15 से हराया। प्रणय एच एस ने भारत के दबदबे को जारी रखते हुए मैथियास किक्लिट्ज़ को 21-9, 21-9 से हराकर शुरुआती मुकाबले में जर्मनी पर 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत का अगला मुकाबला कनाडा के साथ है, जहां वह अपनी बेहतरीन फॉर्म को जारी रखना चाहेगा।

अगले साल आईपीएल में वापस लौटूंगा : गेल

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके वेस्ट इंडीज़ के विस्फोटक बल्लेबाज़ क्रिस गेल ने कहा है कि वह अगले साल आईपीएल में वापसी करेंगे। ब्रिटेन के अखबार द मिरर से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं अगले साल वापस आ रहा हूं। उन्हें मेरी ज़रूरत है। मैं आईपीएल में तीन टीमों का हिस्सा रहा हूं, कोलकाता, बैंग्लोर और पंजाब। मैं बैंग्लोर या पंजाब में से किसी एक के लिए आईपीएल ख़िताब जीतना पसंद करूंगा। आरसीबी में मेरा समय अच्छा रहा था जहां मैं बहुत सफ़ल रहा। पंजाब भी अच्छी टीम है। मुझे नयी चीज़ें खोजना पसंद है। देखिये क्या होता है। गेल ने अपने आईपीएल छोड़ने की वजह बताते हुए कहा कि उनके साथ भारतीय टी-20 लीग में अच्छा बर्ताव नहीं हुआ। कैरिबियाई दिग्गज ने कहा, पिछले दो सालों में जिस तरह आईपीएल हुआ, मुझे लगा कि मेरे साथ अच्छा बर्ताव नहीं हुआ। इसलिये मैंने सोचा कि ठीक है, आईपीएल और क्रिकेट के लिये इतना कुछ करने के बाद तुम जिस इज्जत के हकदार हो वह तुम्हें नहीं मिली।

काउंटी में पुजारा ने ठोका चौथा शतक

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में चेतेश्वर पुजारा के बल्ले से चौथा शतक निकला है। मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में पुजारा 125 रन बनाकर नाबाद हैं और उनकी टीम ससेक्स ने मिडिलसेक्स के ख़िलाफ़ 270 रनों की बढ़त बना ली है। उन्होंने यह शतक 133 गेंदों में पूरा किया। दिन का खेल ख़त्म होने तक वह 149 गेंद में 125 रन बनाकर नाबाद थे। इस दौरान उन्होंने 16 चौके और दो छक्के भी लगाए। टेस्ट क्रिकेट में ख़राब फ़ॉर्म से जूझने के बाद पुजारा को श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ में भारतीय टीम से हाथ धोना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने ससेक्स के लिए खेलने का मन बनाया था। इस मैच में शाहीन शाह आफरीदी और पुजारा के बीच एक अच्छा मुक़ाबला देखने को मिला। पुजारा ने उन पर कवर्स की दिशा में एक बेहतरीन पंच से चौका लगाया, तो दूसरी ओर उनके साथी टॉम अल्सोप उनका अच्छा साथ देते दिखे। पुजारा का यह काउंटी में चार मैच की सात पारियों में चौथा शतक है, जिसमें उन्होंने डरहम और डर्बीशायर के ख़िलाफ़ दोहरे शतक भी लगाए थे।

टाटा मोटर्स को उम्मीद- इस वित्त वर्ष कमर्शियल व्हीकल की मांग रहेगी शानदार

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन उद्योग की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में दो अंकीय यानी 10 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है। टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने यह उम्मीद जताई है। वाघ का कहना है कि अनुकूल मांग परिस्थितियों और आर्थिक गतिविधियों में तेजी से इस साल वाणिज्यिक वाहन उद्योग तेजी से आगे बढ़ेगा। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कहा कि ईंधन के ऊंचे दाम और वाहन ऋण महंगा होने से इस उद्योग के रास्ते में अड़चनें आ सकती हैं। वित्त वर्ष 2018-19 में वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने अपना अच्छा समय देखा था। उस समय ऐसे वाहनों की बिक्री का आंकड़ा 10 लाख इकाई को पार कर गया था। हालांकि, उसके बाद के दो वित्त वर्षों में इस उद्योग में गिरावट आई थी लेकिन पिछले वित्त वर्ष में इसने फिर रफ्तार पकड़ी है। वाघ ने कहा कि हालांकि, बिक्री की मात्रा के लिहाज से उच्चतम स्तर पर पहुंचने में अभी समय लगेगा, लेकिन पेलोड (भार ढोने की क्षमता) के मामले में उद्योग पिछले शीर्ष स्तर पर जल्द पहुंच सकता है, क्योंकि अधिक भार क्षमता वाले वाणिज्यिक वाहनों की मांग बढ़ रही है। वाघ ने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले साल अर्थव्यवस्था ने फिर से अच्छा प्रदर्शन किया है और वाणिज्यिक वाहन बाजार में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। टाटा मोटर्स में हमने 33 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। पिछले तीन वर्षों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 हमारा पिछला सबसे अच्छा स्तर था। उस समय वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने 10 लाख इकाइयों की बिक्री के आंकड़े को पार किया था। उसके बाद इसमें गिरावट आई। 2019-20 देश में भारत चरण-छह (बीएस-छह) की ओर स्थानांतरण के लिए तैयारियों का साल था। वहीं 2020-21 कोविड महामारी से प्रभावित वर्ष था। इन दोनों वर्षों में बाजार में गिरावट आई और 2020-21 में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2018-19 का मात्र 52 प्रतिशत थी।

मैक्रोटेक 2022-23 में रियल्टी परियोजनाओं के निर्माण पर 3,800 करोड़ रुपए खर्च करेगी: लोढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष में विभिन्न मौजूदा और नई परियोजनाओं के निर्माण पर 3,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी का इरादा अगले साल मार्च तक 10,000 नए घरों की आपूर्ति का है। मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक लोढ़ा ने यह जानकारी दी। मैक्रोटेक डेवलपर्स पिछले साल सूचीबद्ध हुई थी। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से 2,500 करोड़ रुपए जुटाए थे। कंपनी लोढ़ा ब्रांड के तहत अपने उत्पादों का विपणन करती है।

लोढ़ा ने कहा, ''हमने पिछले वित्त वर्ष में निर्माण पर 2,600 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। चालू वित्त वर्ष में निर्माण पर हमारा खर्च 3,800 करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा कि परियोजनाओं का क्रियान्वयन बढ़ने और मजबूत 'पाइपलाइन' की वजह से कंपनी का निर्माण खर्च बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में जून तिमाही के दौरान कोविड महामारी की दूसरी लहर से निर्माण प्रभावित हुआ था। परियोजनाओं की आपूर्ति पर उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 6,000 आवासीय इकाइयों की आपूर्ति की थी। 2022-23 में कंपनी का लक्ष्य 10,000 घरों की आपूर्ति का है। आवासीय इकाइयों की मजबूत मांग के बीच मैक्रोटेक डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष में अपनी बिक्री बुकिंग को 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,500 करोड़ रुपए पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। पिछले साल यह 9,024 करोड़ रुपए रही थी। कंपनी को कुल 11,500 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग में से 10,500 करोड़ रुपए आवासीय खंड से और शेष वाणिज्यिक संपत्तियों से हासिल होने की उम्मीद है। लोढ़ा ने कहा कि कंपनी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे पर विशेष ध्यान देगी। उन्होंने बताया कि मैक्रोटेक बेंगलुरु के बाजार में संभावनाएं तलाश रही है। इस बारे में अंतिम फैसला अगले कुछ माह में लिया जाएगा।

डिस्कॉम पर उत्पादक कंपनियों का बकाया मई में 4% बढ़कर 1,21,765 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) का बकाया मई, 2022 में सालाना आधार पर 4.04 प्रतिशत बढ़कर 1,21,765 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। मई, 2021 तक डिस्कॉम पर बिजली वितरण कंपनियों का बकाया 1,17,026 करोड़ रुपए था। पेमेंट रैटिफिकेशन एंड एनालिसिस इन पावर प्रोक्यूरमेंट फॉर ब्रिंगिंग ट्रांसपैरेंसी इन इन्वॉयसिंग ऑफ जेनरेशन (प्राप्ति) पोर्टल से यह जानकारी मिली है। मई, 2022 में डिस्कॉम पर कुल बकाया पिछले महीने यानी अप्रैल, 2022 की तुलना में भी बढ़ा है। अप्रैल में यह 1,20,954 करोड़ रुपए था। बिजली उत्पादकों तथा डिस्कॉम के बीच बिजली खरीद लेनदेन में पारदर्शिता लाने के लिए प्राप्ति पोर्टल मई, 2018 में शुरू किया गया था। मई, 2022 तक 45 दिन की मियाद या ग्रेस की अवधि के बाद भी डिस्कॉम पर कुल बकाया राशि 1,06,902 करोड़ रुपए थी। यह एक साल पहले समान महीने में 94,354 करोड़ रुपए थी। अप्रैल, 2022 में डिस्कॉम पर कुल बकाया 1,06,071 करोड़ रुपए था। बिजली उत्पादक कंपनियां डिस्कॉम को बेची गई बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए 45 दिन का समय देती हैं। उसके बाद यह राशि पुराने बकाये में आ जाती है। ज्यादातर ऐसे मामलों में बिजली उत्पादक दंडात्मक ब्याज वसूलते हैं। बिजली उत्पादक कंपनियों को राहत के लिए केंद्र ने एक अगस्त, 2019 से भुगतान सुरक्षा प्रणाली लागू की है। इस व्यवस्था के तहत डिस्कॉम को बिजली आपूर्ति पाने के लिए साख पत्र देना होता है। केंद्र सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों को भी कोविड-19 महामारी की वजह से कुछ राहत दी है। भुगतान में देरी के लिए डिस्कॉम पर दंडात्मक शुल्क को माफ कर दिया गया है। सरकार ने मई, 2020 में डिस्कॉम के लिए 90,000 करोड़ रुपए की नकदी डालने की योजना पेश की थी। इसके तहत बिजली वितरण कंपनियां पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) तथा आरईसी लिमिटेड से सस्ता कर्ज ले सकती हैं।

वैश्विक रुख, वृहद आर्थिक आंकड़ों, तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

एजेंसी

शेयर समीक्षा

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों का रुख, मुद्रास्फीति, औद्योगिक उत्पादन के आंकडे और कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का मानना है कि सप्ताह के दौरान वैश्विक स्तर पर भी कई वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं जिसकी वजह से बाजारों में उतार-चढ़ाव कायम रह सकता है। इसके अलावा विदेशी कोषों का प्रवाह, कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा तय करेंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''वैश्विक बाजारों का रुख, डॉलर इंडेक्स का उतार-चढ़ाव तथा कच्चे तेल के दाम बाजार को प्रभावित करते रहेंगे। इसके अलावा 11 मई को अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़े आने हैं, जबकि 12 मई को भारत के महंगाई और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े आने हैं। निश्चित रूप से बाजार की दृष्टि से ये आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे।'' मीणा ने कहा कि बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजों की अब अंतिम खेप आना शेष है। इस वजह से कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। सप्ताह के दौरान एसबीआई, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, यूपीएल, टेक महिंद्रा और सिप्ला जैसी बड़ी कंपनियां तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा कि सबसे पहले बाजार रिलायंस इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा। जिसकी घोषणा शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद हुई है। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य बाजारों का प्रदर्शन भी यहां असर डालेगा। मिश्रा ने कहा कि वृहद आर्थिक मोर्चे पर 12 मई को औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आएंगे। बाजार की निगाह इन आंकड़ों पर रहेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्च, 2022 में समाप्त तिमाही का शुद्ध लाभ 22.5 प्रतिशत बढ़ा है। तेल रिफाइनिंग मार्जिन में जोरदार उछाल, दूरसंचार और डिजिटल सेवा क्षेत्र की सतत वृद्धि और खुदरा कारोबार के लगातार मजबूती से आगे बढ़ने के बीच रिलायंस के मुनाफ़े में बढ़ोतरी हुई है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि इस सप्ताह बाजार दुनियाभर के महंगाई के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। सैमको सिक्योरिटीज में इक्विटी शोध प्रमुख येशा शाह ने कहा, ''वृहद आर्थिक आंकड़ों, तिमाही नतीजों के अलावा सप्ताह के दौरान कई आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) भी खुलने जा रहे हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.85 लाख करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,85,251.65 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,225.29 अंक या 3.89 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 691.30 अंक या 4.04 प्रतिशत के नुकसान में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,14,767.5 करोड़ रुपए के नुकसान से 17,73,196.68 करोड़ रुपए पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 42,847.49 करोड़ रुपए टूटकर 12,56,152.34 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 36,984.46 करोड़ रुपए के नुकसान से 7,31,068.41 करोड़ रुपए रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 20,558.92 करोड़ रुपए घटकर 5,05,068.14 करोड़ रुपए रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,625.96 करोड़ रुपए टूटकर 5,00,136.52 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल का 16,091.64 करोड़ रुपए के नुकसान से 3,90,153.62 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी के मूल्यांकन में 13,924.03 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 3,90,045.06 करोड़ रुपए पर आ गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 10,843.4 करोड़ रुपए घटकर 4,32,263.56 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 10,285.69 करोड़ रुपए घटकर 6,49,302.28 करोड़ रुपए रह गया। अडाणी ग्रीन एनर्जी की बाजार हैसियत 2,322.56 करोड़ रुपए घटकर 4,49,255.28 करोड़ रुपए पर आ गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, अडाणी ग्रीन एनर्जी, एसबीआई, भारती एयरटेल और एचडीएफसी का स्थान रहा।

7000 साल पहले भी होते थे स्मार्ट शहर, राखीगढ़ी में मिले साक्ष्य

एजेंसी

राखीगढ़ी। देश के पांच प्रमुख हड़प्पन साइट में अब राखीगढ़ी भी शुमार हो गया है। यहां 7000 साल पुराने हड़प्पन कालीन स्मार्ट शहर मिले हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा की गई खुदाई में पता चला है कि आज से 7000 साल पहले भी लोग योजनाबद्ध तरीके से मकान बनाते थे। बस्तियों में पानी निकासी की व्यवस्था बेहतर होती थी। सड़कों से मिलती हुई गलियां होती थीं। सड़कों के मोड़ पर कच्ची मिट्टी को जलाकर ईंटों को मजबूत कर लगाया जाता था ताकि मोड़ पर निर्माण को नुकसान नहीं पहुंचे। राखीगढ़ी के उत्खनन में मुहर, मृदभांड व हाथी दांत,सोने, मानव की हडिडयों की वस्तुएं और मिट्टी के खिलौने मिले हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के संयुक्त महानिदेशक डा संजय मंजुल ने बताया कि

राखीगढ़ी में अपार संभावनाएं हैं। करीब 350 हेक्टेयर में फैले इस क्षेत्र में 7000 साल पहले के जीवन के बारे में कई राज उजागर हुए हैं। जमीन की खुदाई में कई साक्ष्य मिले हैं जिनसे उस समय के नगर योजना, रहन सहन, काम-काज के बारे में जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक साइट में अभी कई राज दफन है इसलिए सितंबर में दोबारा यहां खुदाई कराई जाएगी। एएसआई के अतिरिक्त महानिदेशक अजय यादव ने बताया कि टीले संख्या में अबतक के उत्खनन में प्राप्त अवशेषों के आधार पर प्रारंभिक हड़प्पा काल से परिपक्व हड़प्पा काल तक के पुरावशेषों और साक्ष्य मिले हैं। यहां बसी बस्तियां वैदिक सरस्वती की सहायक नदियों में से एक दृष्टवती के पास स्थित थीं, जिसे आधुनिक चौतांग नदी के रूप में पहचाना जाता है। यहां मिले अवशेषों में कपड़े रंगाई करने, कुंभकारी कार्यों में कलाकृतियों, मिट्टी के बर्तनों के निर्माण, बेशकीमती पत्थर से बने मनकों के साक्ष्य मिलें हैं। इस शहर के बारे में और जानने के लिए यहां अभी और खुदाई की जानी है ताकि तस्वीर पूरी तरह से साफ हो सकें और एक अद्भुत और योजनाबद्ध तरीके से बसे शहर को सबसे सामने लाया जा सकें। राखीगढ़ी का पुरातत्व स्थल हिसार शहर से 57 किमी और नई दिल्ली से 150 किमी उत्तर-पश्चिम में हरियाणा के जिला हिसार में नारनौद तहसील में है।साइट के पुरातात्विक साक्ष्य राखीखास और राखीशाहपुर और इसके आसपास के कृषि क्षेत्रों के वर्तमान गांवों को कवर करते हुए लगभग 350 हेक्टेयर में फैले हुए हैं। राखीगढ़ी में कुल 11 टीले हैं। इस स्थल की खोज सबसे पहले साल 1969 में प्रोफ़ेसर सूरज भान ने की थी। उसके बाद साल 1997-2001 में पुरातत्व संस्थान, एएसआइ द्वारा यहां उत्खनन का काम हुआ । उसके बाद साल 2013 से 2016 तक डेक्कन कालेज, पुणे के शोधकर्ताओं ने यहां खुदाई की। साल 2020-21 के केंद्रीय बजट के अनुसार भारत सरकार ने पांच प्रतिष्ठित स्थलों को आइकोनिक साइट के रूप में विकसित करने की योजना बनाई थी। उसमें से एक राखीगढ़ी है। इसका मकसद राखीगढ़ी के पुरातात्विक स्थल को आगंतुकों को सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ संरचनात्मक अवशेषों को उजागर करना है। इसके साथ भविष्य में यहां के अवशेष को संरक्षित करके लोगों के लिए सुलभ बनाना भी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और हरियाणा सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया चल रही है, जिसके अनुसार राखीगढ़ी की प्राचीन वस्तुओं को हरियाणा सरकार द्वारा बनाए गए संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। इस बार उत्खनन के लिए तीन टीले लिए गए हैं। इसमें टीला-एक,टीला-तीन और टीला-सात को जांच के लिए लिया गया है। तीन टीलों में कुल 13 खाइयां बनाई गई हैं।टीला- एक में पांच खाई, टीला-में सात खाई और टीला- सात में एक खाई है। टीला-एक में अन्य गतिविधियों के अलावा जैसे अर्ध-कीमती पत्थरों की बड़ी मात्रा में अपशिष्ट मिले हैं। जो व्यापक तौर पर मोतियों जैसी वस्तुओं के निर्माण के लिए उपयोग किया जाता था।पाए गए अवशेषों के अनुसार सड़क के साक्ष्य 2.6 मीटर की सामान्य चौड़ाई के साथ पाए गए हैं।

राशिफल

मेष : आज बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे।

वृष : आज आप अपने मनमौजी बर्ताव पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह आपकी दोस्ती को बर्बाद कर सकता है। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं।

मिथुन : आज सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्ज़ा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा।

कर्क : आज अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार लाभ पा सकते हैं।

सिंह : आज व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है।

कन्या : आज प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं।

तुला : आज पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको ही फ़ायदा होगा।

वृश्चिक : आज आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं।

धनु : आज के दिन किसी के साथ मजाक करने से बचें। रचनात्मक कामों से जुड़े लोगों के लिए बेहतरीन दिन है ।

मकर : आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा- कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ।

कुम्भ : आज आप शरारती मनोदशा में होंगे। अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं।

मीन : आज बच्चों के साथ वाद-विवाद झुंझलाहट पैदा करेगा। एक प्यारी-सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें।

पुलिस सुधारों को लागू करने पर नए सिरे से जोर देने की जरुरत : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने पुलिस विभागों में रिक्त पदों को भरने पर जोर देते हुए कहा कि पुलिस सुधार एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है। हमें अब इन सुधारों को लागू करने के लिए नए सिरे से जोर देना चाहिए। नायडू रविवार को इंडिया इंटरनेश्लन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'द स्ट्रगल फॉर पुलिस रिफॉर्म्स इन इंडिया' का विमोचन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने इस दौरान जनता के साथ पुलिस के व्यवहार को मित्रवत बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को उदाहरण पेश करने की सलाह दी। नायडू ने कहा कि पुलिस सुधार एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है। अब हमें इन सुधारों

पूर्व आईपीएस की पुस्तक 'द स्ट्रगल फॉर पुलिस रिफॉर्म्स इन इंडिया' का किया विमोचन

को लागू करने पर नए सिरे से जोर देना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि देश में बहुत जरूरी पुलिस सुधारों को लागू करने के लिए राज्य और केंद्र टीम इंडिया की सच्ची भावना के साथ एक साथ आएंगे। उन्होंने कहा कि आज, समाज साइबर अपराध, आर्थिक अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे नए डोमेन में कई अपराधों का सामना कर रहा है, जिसके लिए विशेष खोजी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। हमें 21वीं सदी के इन अपराधों से निपटने के लिए अपने पुलिस बलों को कौशल और उन्नत बनाने की जरूरत है। नायडू ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारतीय पुलिस फाउंडेशन एक स्मार्ट भारतीय पुलिस के दृष्टिकोण को साकार करने का प्रयास कर रहा है। विशेष रूप से पुलिस के पेशेवर और नैतिक मानकों में सुधार के लिए आंतरिक सुधार, प्रौद्योगिकी अनुकूलन, डिजिटल परिवर्तन और प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को उदाहरण पेश करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि आम आदमी के प्रति पुलिस कर्मियों का व्यवहार विनम्र और मैत्रीपूर्ण हो। पुलिस स्टेशन का दौरा उस व्यक्ति के लिए एक परेशानी मुक्त अनुभव होना चाहिए जो वहां मदद मांगने जाता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दो मुद्दे जिन्हें युद्ध स्तर पर संबोधित करने की आवश्यकता है, वे हैं पुलिस विभागों में भारी संख्या में रिक्तियों को भरना और आधुनिक युग की पुलिसिंग की आवश्यकताओं के अनुरूप पुलिस के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।

तेलंगाना : कमारेड्डी जिले में भीषण सड़क हादसे में छह की मौत, 21 गंभीर रूप से घायल

एजेंसी

कमारेड्डी। जिले के येलारेड्डी मंडल हसनअली गेट के निकट रविवार शाम को एक भीषण सड़क हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई जबकि 21 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार येल्लारेड्डी साप्ताहिक मार्केट में कुछ सामान खरीदने के बाद लोग ट्रॉली ऑटो से पितलाम मंडल के चेल्लार्गी गांव वापस लौट थे। उसी समय उनके ऑटो को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में 23-24 लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत निकट के अस्पताल पहुंचाया गया। इसी दो

अन्य घायलों ने भी दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान ऑटो ट्रॉली के ड्राइवर सायुलु के अलावा देवय्या, लचव्वा केसय्या, कमसव्वा के रूप में हुई है। अन्य दो मृतकों की पहचान अभी तक हो नहीं पाई है। बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल में इस समय 21 यात्रियों की हालात गम्भीर बताई जा रही है।

इंदौर : सात लोगों को जिंदा जलाने मामले में आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

इंदौर। शहर के विजय नगर थाना क्षेत्र की स्वर्ण बाग कॉलोनी में दो मंजिला मकान में आग लगाने के मामले में आरोपित को पुलिस ने शनिवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है। इस अग्निकांड में सात लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार युवक ने प्रेमिका की बेवफाई से नाराज होकर उसके स्कूटर में आग लगाई थी। पुलिस के अनुसार क्राइम ब्रांच टीम ने स्वर्ण बाग कॉलोनी के दो मंजिला मकान में आग लगाने के मामले में आरोपित निरंजनपुर निवासी संजय उर्फ शुभम दीक्षित पुत्र देवेन्द्र दीक्षित को शनिवार देर रात निरंजनपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी से बचने के लिए भागने के चक्कर में उसके हाथ पैर टूट गए। पुलिस ने उसे देर रात एमवाय अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के बाद आरोपित ने वारदात को अंजाम देना कबूल किया। पुलिस का संजय ने बताया कि स्वर्ण बाग कॉलोनी के दो मंजिला मकान में रहने वाली एक युवती से वह प्यार करता था। आरोपित के अनुसार दोनों के शारीरिक संबंध भी बन गए थे, लेकिन युवती का चंदननगर में रहने वाले युवक से रिश्ता तय हो गया। इस बात पर दोनों में विवाद शुरू हो गया और संजय स्वर्णबाग कालोनी से मकान खाली कर निरंजनपुर रहने चला गया। उसने युवती से बदला लेने की नियत से उसके स्कूटर को घटना की रात 3 बजे आग लगा दी थी। इस अग्निकांड में भवन में 14 दो और चार पहिया वाहन जल गए। आग और धुएं के कारण ईश्वर सिसोदिया, नीतू सिसोदिया, आकांक्षा, समीर सिंह सहित सात लोगों की मौत हो गई थी। आरोपित संजय ने पुलिस को बताया कि वह उस लड़की से बहुत परेशान हो गया था। उसने मेरे साथ बहुत गलत किया। उसने मुझसे खूब खर्चा करवाया और बाद में पता चला वह तो दूसरों से भी ऐसे करवाती है। मैं उससे सारे रिश्ते खत्म करना चाहता था, लेकिन वह मुझे छोड़ती ही नहीं थी। वह मुझसे अक्सर पैसे भी मांगती रहती थी। संजय ने उसी गाड़ी से पेट्रोल निकाला, जिससे वह स्वर्णबाग कालोनी आया था। लड़की की गाड़ी की सीट में आग लगाई और भाग गया। उसने बताया कि वह युवती की गाड़ी जलाना चाहता था लेकिन मुझसे बहुत बड़ा कांड हो गया। विजय नगर थाना प्रभारी तहजीब काजी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद यह साफ हो गया था कि किसी सफ़ेद शर्ट वाले युवक ने गाड़ियों में आग लगाई है। आरोपित संजय का मोबाइल रात 9 बजे तक चालू था और वह लगातार अपने दोस्त से बात कर रहा था, जिसकी लोकेशन ट्रैक करके आरोपित संजय दीक्षित को पुलिस ने लसूड़िया इलाके के निरंजनपुर चौराहे के समीप से गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी काजी ने बताया कि पुलिस को इलाके की रहने वाली युवती ने इस घटना के पीछे सिरफिरे आशिक संजय के बारे में बताया था। पुलिस उस युवती को भी थाने लेकर आई और देर रात तक उससे पूछताछ करने के बाद पूरा घटनाक्रम साफ हो गया। उन्होंने बताया कि खबर मिली है कि संजय दिल्ली में भी इसी तरह का कांड कर चुका है। उसने दिल्ली में रहने के दौरान द्वारका नाका इलाके में एक इमारत में आग लगाकर 11 लोगों को मारा था। थाना प्रभारी ने बताया कि संजय ने दिल्ली में दो महीने रुकना स्वीकारा है लेकिन वह घटना से इन्कार कर रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पेज एक का शेष

बुन्देलखण्ड...

कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तेजी से कार्य करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री सीधे वहां से कार से 12:30 बजे शहर के चौकाबाग में चल रही मुरारी बापू की रामकथा सुनने के लिए पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ को प्रमाण कर मुरारी बापू से आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने करीब आधे घंटे तक रामकथा सुनी।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि व्यास पीठ पर विराजमान पूज्य मुरारी बापू जी, इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के आयोजक पूज्य सतुआ बाबा महामण्डलेश्वर संतोषदास जी महराज, पूज्य संत जन और ललितपुर के बुन्देलखण्ड से आये हुए सभी श्रद्धालुजन, पिछले 9 दिनों से आप सब ने मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन की कथा का श्रवण का आनंद पूज्य बापू जी की के श्रीमुख से किया है।

कहा कि बुन्देलखण्ड तो भक्ति और शक्ति का एक महासंगम है, और यह संजोग ही था कि इसी बुन्देलखण्ड के चित्रकूट में भगवान राम ने अपने वनवास काल के सर्वाधिक समय व्यतीत किया। ये मेरा सौभाग्य है, कि इस पावन कथा में मुझे भी पूर्णाहुति की अवसर पर शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं इसके लिए पूज्य बापू का और सतुआ बाबा जी का हृदय से धन्यवाद करता हूं।

उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की कथा ये वास्तव में भारत की कथा है। भारत के प्रत्येक परिवार की कथा है, और भारत के प्रत्येक मानस के हृदय में रसी-वसी मानवीय कथा है, जो हमें जीने की एक नई प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा संकट के समय चुनौतियों से जूझने के लिए एक नया मार्ग दिखाती है तथा बड़ी से बड़ी चुनौती को पार करने का रास्ता भी सुझाता है। इस पावन कथा में पिछले 9 दिनों से बापू के श्रीमुख से आप सबको सुनने का आनंद प्राप्त हुआ है। मैं इसके लिए आप सब का हृदय से अभिनदंन करता हूँ। वास्तव में देश के अदर विपरीत पस्थितियों में भी श्रीराम कथा और व्यास पीठ ने इस देश को एक नई दिशा देने का भी काम किया है।

इस दौरान प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम एवं सेवा योजन राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

10 मई क्रांति...

की स्मृति में मेरठ में राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय और शहीद स्मारक बना हुआ है। शहीद स्मारक पर लाइड एंड साउंड शो होने जा रहा है। 10 मई को मेरठ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। पुलिस लाइन में हेलीपैड बनाया जा रहा है। ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर, आयुक्त सुरेंद्र सिंह, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी प्रभाकर चौधरी लगातार तैयारियां का जायजा ले रहे हैं। ब्ताया जाता है कि मुख्यमंत्री स्टेट प्लेन से परतापुर हवाई पट्टी पर उतरेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर उतरेंगे। पुलिस लाइन में अधिकारियों के ट्रांजिट हॉस्टल का निरीक्षण करने का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री सिविल लाइन थाने के सामने स्थापित धन सिंह कोतवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद शहीद स्मारक में हुए सुंदरीकरण कार्य और लाइड एंड साउंड शो गैलरी का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा रैपिड रेल प्रोजेक्ट के भैंसाली स्टेशन और निर्माणाधीन टनल का निरीक्षण करेंगे। आयुक्त सभागार में विकास योजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। विक्टोरिया पार्क में क्रांति दिवस और आजादी के अमृत महोत्सव समारोह में भी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा नौचंदी मेले में भाग लेने की भी संभावना है।

75 जिलों ...

औसतन हर महीने पांच-छह जिले जाएंगे। यही नहीं मंत्रियों द्वारा मंडल प्रभारी के तौर पर दी जाने वाली रिपोर्ट व अधिकारियों द्वारा दिए गए फीड बैक से मिलान होगा और चुनावी वायदों को लागू करने के संबंध में भी जनता की राय मिलेगी। इस तरह संयुक्त निष्कर्षों से अवगत कर मुख्यमंत्री जिलों के अधिकारियों के संबंध में उचित कार्रवाई भी करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगी सरकार को इस तरह के दौरे करने की सलाह दी है। इसके तहत पहले मंत्री, फिर डिप्टी सीएम व सीएम के दौरे रोटेशन से होंगे तो विकास के कामों व कानून-व्यवस्था व जनता की सुनवाई जैसे काम और बेहतर नतीजों के साथ होंगे। खुद प्रधानमंत्री गुजरात के सीएम के तौर पर इसी तरह जिलों को दौरा करते रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पिछले पांच साल के कार्यकाल में दो बार सभी 75 जिलों का दौरा कर वहां की जनता के समक्ष पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव के नजरिए से भाजपा सरकार की इस बार की मुहिम को खासा अहम माना जा रहा है।

शिक्षा के साथ-साथ ...

अध्ययनरत 665 छात्र रहते हैं। छात्रों के लिए अन्य सुविधाएं भी अच्छी गुणवत्ता की हैं। 2015 में शुरू हुए इस संगठन को अब इस नए परिसर के कारण एक नया जीवन मिला है।

आईआईएम नागपुर में 20 हाई-टेक क्लासरूम और 24 ट्रेनिंग सेंटर हैं। इसके अलावा 400 सीटों वाला कन्वेंशन सेंटर बनाया गया है। लक्ष्य निर्धारण का संदेश देने के प्रयास में नए भवन के प्रांगण में धनुर्धर अर्जुन की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। आईआईएम नागपुर ने दुनियाभर के अग्रणी संगठनों के साथ भागीदारी की है और विदेशों से ऑनलाइन मार्गदर्शन प्रदान करता है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए यहां मेरिट स्कॉलरशिप और नीड कम मेरिट स्कॉलरशिप दो तरह की सुविधाएं हैं।

देश का दिल नागपुर आईआईएम बिजनेस और मैनेजमेंट कोर्स के नक्शे पर है। आईआईएम की इंग्लैंड, अमेरिका, कनाडा, जापान, डेनमार्क, फ्रांस में विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों के साथ भागीदारी है। इनमें इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी ऑफ लिली फ्रांस, वेस्टमिंस्टर बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टमिंस्टर इंग्लैंड, यूनिवर्सिटी ऑफ मेम्फिस, यूएसए, इंस्टीट्यूट माइन्स टेलीकॉम, फ्रांस, कॉफिनहेगन बिजनेस स्कूल हैं।

काशी ज्ञानवापी...

सरकार है तब तक इन सारे मुद्दों को न्यायाल में लटका दो। मुकदमा चलता रहेगा तो इनका हल नहीं होगा और जब कांग्रेस की सरकार आ जायेगी तो कोई छू नहीं सकता।

अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि विवादित स्थल का सर्वे नहीं हुआ तो यह विफलता है सर्वे होना ही चाहिए। वहां पर ऐसी छुपाने वाली कोई चीत तो है नहीं।

उन्होंने कहा कि विवादित स्थल का सर्वेक्षण पहली बार नहीं हो रहा है। वर्ष 1937 में दो इतिहासकारों ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर उसके नीचे स्थित तहखाने और पश्चिमी दीवार में प्राचीन मंदिर के भग्नावशेषों का विस्तार से सर्वेक्षण और अध्ययन किया था। दोनों इतिहासकारों की गवाही पर उस समय मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति की थी। कहा था कि यदि विशेषज्ञों की आवश्यकता है तो सरकार की बजाए अदालत अपनी तरफ से नियुक्त कर सकती है। उस समय यह स्वीकार्य था तो आज क्यों नहीं। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती ने दावा किया कि अराजक तत्वों द्वारा काशी को दंगे की आग में झोंकने का प्लान था। शनिवार को ज्ञानवापी में नमाज पढ़ने के नाम पर पांच हजार लोग बाहर से बुलाये गये थे। प्रशासन ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती ने मुगल आक्रान्ताओं ने हिन्दुओं के हृदय तोड़े, करोड़ों हिन्दुओं की हत्या की, लाखों मंदिरों को ध्वस्त किया। उन्होंने बताया कि तीन हजार ऐसे मंदिर हैं जो चीख-चीफ कर भारतीय संस्कृति में आहत होने का प्रमाण दे रहे हैं जिनसे आंशू टपकते हैं। हम काशी के कपाल भैरव की पूजा भले ही गर्भग्रह में कर लें लेकिन हम कपाल भैरव के सर पर एक छत्र रहने की हैसियत में नहीं हैं। धर्म के आधार पर बंटे थे हम किस बात के हिन्दू बचे हैं। हिन्दुत्व के आधार पर सरकार बनी है। सम्मान से जीने के बीच में शुतुरमुर्ग उभर रहे हैं और संविधान की आड़ में मुसलमानों का बचाव कर रहे हैं।

नवनीत ...

डुबो देंगे। राणा ने कहा कि अगर हनुमान चालीसा पढ़ना और राम का नाम लेना अपराध है और इसकी सजा 14 दिन की जेल है। वह इसके लिए 14 वर्ष तक जेल में रहने के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय है कि मुंबई पुलिस ने उपनगरीय बांद्रा में मुख्यमंत्री ठाकरे के निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा के बाद 23 अप्रैल को राणा दंपति को गिरफ्तार किया था। उन पर राजद्रोह और वैमनस्व को बढ़ावा देने के आरोप सहित आईपीसी के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। राणा दंपति ने अपनी जमानत याचिका में दावा किया था कि 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने के आह्वान को वैमनस्य या घृणा की भावनाओं को बढ़ावा देने वाला नहीं कहा जा सकता है।

शिवसेना सांसद संजय राऊत ने नवनीत राणा को 20 फिट गहरे गड्ढे में दबाने की धमकी दी थी। इस पर राणा ने राऊत को पोपट (तोता) करार दिया। राणा ने कहा कि राज्य की व्यवस्थाएं राजनीतिक दबाव में है। नतीजतन वह दिल्ली जा कर राऊत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगी। साथ ही वह प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से मुलाकात कर राज्य में चल रही तानाशाही से भी अवगत कराएगी।

टीईटी परीक्षा....

प्रबंधक, अरविन्द कुमार यादव बाबू, कमलेश कुमार प्रबंधक, इन्द्रदेश यादव प्रबंधक सहित जिला विद्यालय निरीक्षक का बाबू धर्मेन्द्र कुमार राय शामिल है। एसपी ने बताया कि रामपुर के नौ लोग इसमें शामिल हैं। इनमें नीरज कुमार सक्सेना, रविन्द्र यादव, सारिक जावेद, जीतेन्द्र सिंह, जाफर खान, अरविन्द गुप्ता सहित तीन महिलाएं अर्शी पत्नी सारिक जावेद, साजिदा पत्नी जफर खान, नाजिया पत्नी मुकर्रम अली शामिल थे।

मिसाइलों से लेकर ...

किया गया है ताकि वायु सेना के स्ट्राइकर विमान बिना किसी बाधा के अपने मिशन को अंजाम दे सकें।

सूत्रों ने कहा कि डीआरडीओ इस साल के अंत तक अपनी सीमा को 350 किलोमीटर तक बढ़ाने के लिए ठोस ईंधन आधारित डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन पर आधारित एस्ट्रा-3 मिसाइल का पहला परीक्षण करने की भी योजना बना रहा है। मिसाइलों की एस्ट्रा श्रृंखला दिन और रात में फायर करने में सक्षम है। इसे लंबी दूरी पर अत्यधिक चुस्त सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों का पता लगाने, ट्रैक करने और नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो महंगे रूसी, फ्रेंच और इज़राइली मिसाइलों की जगह लेगी। डीआरडीओ 350 किमी. रेंज की रुद्रम-2 और 550 किमी. रेंज की रुद्रम-3 हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल भी विकसित कर रहा है, जिसमें आईएनएस-जीपीएस नेविगेशन भी है। रुद्रम-2 का ट्रायल भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

इसके अलावा स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड हथियारों के परीक्षण किये जाने हैं, जो सटीक गाइडेड बम हैं। इन्हें दुश्मन के रनवे, बंकर, एयरक्राफ्ट हैंगर और राडार को 100 किमी. की दूरी तक नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। 125 किलोग्राम के यह बम उपग्रह नेविगेशन या इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इमेजिंग इन्फ्रा-रेड सीकर (ईओआईआईआर) के दो विन्यासों पर आधारित हैं, जो सुखोई या जगुआर जैसे लड़ाकू विमानों में रैक पर रखे जाते हैं। एक सुखोई जेट ऐसे 32 बम ले जा सकता है। इसके अलावा 80 किलोमीटर तक मार करने वाले 1000 किलो भारी क्षमता वाले गाइडेड बम भी विकसित किए जा रहे हैं।

रूस ने ओडेसा में दागी मिसाइलें, कयामत की चेतावनी को तैयार पुतिन?

नौ मई को लेकर खौफ में यूरोप !

एजेंसी

कीव। रूस की सेना ने शनिवार को दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा शहर में क्रूज मिसाइलें दागी और मारियुपोल में घेरे गए इस्पात संयंत्र पर बमबारी की। विजय दिवस समारोह से पहले रूस को इस बंदरगाह पर कब्जा जमाने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि संयंत्र से आखिर में बची महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को निकाल लिया गया है लेकिन यूक्रेन के लड़ाके वहीं फंसे हुए हैं। वहीं, यूक्रेन की सेना ने काला सागर द्वीप पर रूस के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है जिसे रूस ने युद्ध के शुरुआती दिनों में अपने कब्जे में ले लिया था।

रविवार तड़के कई बार हवाई हमले के सायरन की आवाज सुनी गयी। उपग्रह से ली गयी तस्वीरों के विश्लेषण से पता चलता है कि यूक्रेन काला सागर पर कब्जा करने के रूस के प्रयासों को नाकाम करने के लिए रूसी कब्जे वाले स्नेक आइलैंड को निशाना बना रहा है। मारियुपोल में यूक्रेनी लड़ाकों ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस शहर पर रूस के पूर्ण कब्जे से पहले वहां एक इस्पात संयंत्र में फंसे नागरिकों को निकाला। इस शहर पर कब्जे से मॉस्को को क्रीमियाई प्रायद्वीप तक एक जमीनी संपर्क मिल जाएगा। पश्चिमी सैन्य विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यूक्रेन की सेना देश के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के आसपास बढ़ रही है, जहां अब भी रूस बमबारी कर रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर ''यूक्रेन के खिलाफ अपने बिना उकसावे के और क्रूर युद्ध को न्यायोचित ठहराने की कोशिश के लिए इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने'' का प्रयास करने का आरोप लगाया। हाल के दिनों में सबसे भीषण युद्ध पूर्वी यूक्रेन में देखा गया है। रूस का हमला वहां डोनबास क्षेत्र पर केंद्रित है जहां रूस समर्थित अलगाववादी 2014 से लड़ रहे हैं। लुहांस्क क्षेत्र के गवर्नर ने कहा कि रूस के हमले में बिलोगोरिव्का गांव में एक स्कूल तबाह हो गया, जहां 90 लोगों ने शरण ली हुई थी। टेलीग्राम पर जलते हुए मलबे की तस्वीरें पोस्ट करने वाले गवर्नर सेरही हेदई ने कहा कि 30 लोगों को बचाया गया है। आपात सेवाओं ने बाद में बताया कि दो शव बरामद किए गए हैं तथा और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। बचाव कार्य रात को निलंबित कर दिया गया लेकिन रविवार को बहाल

पुतिन से क्यों खौफजदा हैं यूरोप के देश

रूस- यूक्रेन युद्ध के बीच 9 मई को लेकर यूरोपीय देशों में टेंशन बढ़ती जा रही है। यूरोपीय देशों ने आशंका जताई है कि 9 मई को विक्टरी डे परेड के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कयामत के दिन की चेतावनी दे सकते हैं। दरअसल 9 मई को रूसी सेना मॉस्को के रेड स्क्वायर पर नाजी जर्मनी के खिलाफ मिली जीत की 77वीं वर्षगांठ मनाएगी। इस दिन रूसी सेना अपने नए-नए हथियारों को दिखा भव्य शक्ति प्रदर्शन भी करने वाली है। इस अवसर पर व्लादिमीर पुतिन रूसी सेना को संबोधित भी करेंगे। पहले यह आशंका जताई गई थी कि विक्टरी डे परेड के दिन पुतिन यूक्रेन के खिलाफ जंग का ऐलान कर सकते हैं, क्योंकि रूसी सेना अभी तक स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन का नाम देकर हमले कर रही है। यूक्रेन के नेताओं ने चेतावनी दी है कि 77 साल पहले नाजी जर्मनी की हार का जश्न मनाने के लिए सोमवार को आयोजित विजय दिवस के मद्देनजर रूसी हमले और भी बदतर होंगे और राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने लोगों से हवाई हमलों की चेतावनियों को मानने का अनुरोध किया है।

रूस के लिए विक्टरी डे का महत्व

9 मई को रूस में विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इसी दिन रूस की लाल सेना ने नाजी फौज को हराकर अपने देश को बचाया था। तब से लेकर आज तक 9 फरवरी को रूस में विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। एक अनुमान के मुताबिक, द्वितीय विश्व युद्ध क दौरान अकेले सोवितय रूस के 2.7 करोड़ नागरिकों की मौत हुई थी। तब शायद ही कोई रूसी परिवार ऐसा बचा था, जिसने किसी न किसी करीबी को न खोया हो। इस अवसर पर रूस अब अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करता है।रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि विक्टरी डे परेड के दिन सेंट बेसिल कैथेड्रल के ऊपर एक फ्लाई-पास्ट का आयोजन किया जाएगा।

रूस ने झुठलाया पश्चिमी देशों का दावा

हालांकि, पश्चिमी देशों के इस दावे पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहाः ''इसकी कोई संभावना नहीं है। यह बकवास है। पेसकोव ने यह भी कहा कि लोगों को उन अटकलों को नहीं सुनना चाहिए कि बड़े पैमाने पर सेना उतारने पर निर्णय हो सकता है। पेसकोव ने कहा कि यह सच नहीं है। हालांकि, रूस के वादों और दावों पर यकीन करना इतना आसान नहीं है, क्योंकि 23 फरवरी की रात तक पुतिन से लेकर रूस के हर नेता और प्रवक्ता एक ही रट लगाए हुए थे कि उनका देश यूक्रेन के खिलाफ कोई भी सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा, लेकिन 24 फरवरी को तड़के ही रूसी सेना यूक्रेनी सीमा में दाखिल हो गई थी।

अमेरिका में पुलिस स्टेशन के पास कारों में आग लगा रहे शख्स को गोली मारी

लॉस एंजलिस। अमेरिका में उत्तरी कैरोलिना के राले इलाके में एक पुलिस स्टेशन के पास मोलोटोव कॉकटेल (पेट्रोल बम) फेंकने और कारों में आग लगाने वाले एक शख्स को पुलिस अधिकारियों ने शनिवार रात गोली मार दी। पुलिस प्रमुख एस्टेला पैटरसन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह टकराव तब शुरू हुआ, जब एक अधिकारी ने जिला पुलिस थाने के पास एक पार्किंग स्थल में दोपहर करीब 1.20 बजे एक व्यक्ति को वाहनों में आग लगाते हुए देखा। पैटरसन के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने मदद की गुहार लगाई, जिसके बाद तीन अन्य अधिकारी वहां पहुंचे और वाहनों में आग लगा रहे शख्स को रुकने के आदेश दिए। हालांकि, वह शख्स नहीं रुका और पुलिस अधिकारियों पर पेट्रोल बम फेंकता रहा, जिसमें से एक बम पुलिस अधिकारी के पास आकर गिरा। पैटरसन ने कहा, अधिकारियों ने तब अपने हथियारों का इस्तेमाल किया और शख्स पर गोलीबारी शुरू कर दी।

नेपाल नगर निकाय चुनाव को लेकर 72 घंटे नहीं 48 घंटे होगी अंतर्राष्ट्रीय सीमा सील

एजेंसी

अररिया। नेपाल में आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर 72 घंटे नहीं बल्कि 48 घंटे होगी भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा सील।नगर निकाय चुनाव को लेकर 11 मई की रात 12 बजे से लेकर 13 मई की रात 12 बजे तक अंतर्राष्ट्रीय जोगबनी सीमा सील रहेगी। नेपाल विराटनगर भंसार कार्यालय के चीफ तारा प्रसाद सांपकोटा ने एक नोटिस जारी कर सर्वसाधारण को यह जानकारी दी है। इससे पहले 5 मई को नेपाल के विराटनगर के एक होटल में भारत-नेपाल के अधिकारियों की बैठक में चुनाव से 72 घंटे पहले भारत-नेपाल सीमा को सील करने का निर्णय लिया गया था।यह निर्णय इंडो-नेपाल कोऑर्डिनेशन कमिटी की बैठक में तय हुआ था।जिसके तहत नेपाल के नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर सीमा ओर दोनों देशों की सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त गश्ती का निर्णय लिया गया था,ताकि असामाजिक या विध्वंसकारी तत्व चुनाव में विघ्न डालने के उद्देश्य से सीमा पार करने की जहमत नहीं उठा सके। कोऑर्डिनेशन कमिटि की बैठक में नगर निकाय कगुनव के सुरक्षा व्यवस्था के साथ सीमा से हथियार, गोला बारूद,मादक पदार्थ सहित अन्य वस्तुओं की तस्करी पर रोक के साथ ही सूचना के आदान-प्रदान को लेकर चर्चा हुई थी। इधर नेपाल में नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर मतपत्र जिला मुख्यालय पहुंच गया है और विभिन्न वार्डो में भेजे जाने का सिलसिला लगातार जारी है।नगर निकाय चुनाव को लेकर भारत से सटे सीमावर्ती इलाकों में सघन पुलिस पेट्रोलिंग अभियान चलाया जा रहा है।सीमावर्ती थानों को अलर्ट करने के साथ साथ जगह-जगह चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।विभिन्न चौकों और सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है।

ताइवान की सीमा में फिर घुसे 18 चीनी फाइटर जेट्स, तइपे वायु सेना ने दिया करारा जवाब

ताइवान। एक तरफ दुनिया कोरोना महामारी और रूस-युक्रेन जंग के खौफ में जी रहे हैं और दूसरी तरफ इन हालात में भी चीन अपनी आक्रामक गतिविधियों से बाज नहीं आ रहा है। इस बीच ताइवान के खिलाफ अपना रूख सख्त कर लिया है। ताइवान पर दोबारा अपनी सत्ता काबिज करने के लिए बौखलाए चीन ने फिर उसकी सीमा में घुसपैठ की है। चीन ने ताइवान के एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में 18 लड़ाकू विमान भेजे। दरअसल, ताइवान ने पिछले शुक्रवार को दावा किया कि चीन लगातार घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। ताइवान सरकार के मुताबिक, चीन के 18 फाइटर विमान और बॉम्बर ने उनके क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की। ताइवान के इस दावे के बाद दोनों देशों के बीच टेंशन और बढ़ गया है। यह पिछले कुछ महीनों में की गई चीन की यह तीसरी सबसे बड़ी घुसपैठ है। ताइवान सरकार ने हमले की आशंका से चीन के फाइटर प्लेन को ट्रैक करने के लिए मिसाइलें तैनात कर दी हैं। हालांकि, चीन के रक्षा मंत्रालय ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। ताइपे डिफेंस मिनिस्ट्री ने बताया कि चीनी घुसपैठ की जानकारी मिलने के बाद वायु सेना ने चेतावनी सिग्नल भेजे और जेट को ट्रैक करने के लिए एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किया। इसके बाद ताइवान के वायु सेना ने चीनी विमानों का पीछा किया और उन्हें वहां से खदेड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ताइवान की डिफेंस मिनिस्ट्री ने इस बात की पुष्टि की है कि चीनी विमानों में छह जे-11 फाइटर जेट, छह जे-16 लड़ाकू जेट दो शीआन एच-6 बॉम्बर, दो केजे-500, एक शानक्सी वाई-8 कंट्रोलर विमान और एक शानक्सी वाई-8 विमान शामिल था।

श्रीलंका में विपक्ष ने अंतरिम सरकार बनाने का राष्ट्रपति राजपक्षे का प्रस्ताव ठुकराया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में जारी राजनीतिक अनिश्चितता के बीच मुख्य विपक्षी दल एसजेबी ने रविवार को कहा कि उसने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा अपने नेता सजिथ प्रेमदास को दिया गया अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। देश में अभी आपातकाल लागू है। समागी जन बालवेग्या (एसजेबी) के राष्ट्रीय संयोजक टिस्सा अतनायके ने संवाददाताओं से कहा, ''हमारे नेता ने राष्ट्रपति के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।'' राजपक्षे ने अंतरिम सरकार बनाने की संभावना को लेकर प्रेमदास और एसजेबी के आर्थिक गुरु हर्ष डी सिल्वा, दोनों को फोन किया था।

शक्तिशाली बौद्ध भिक्षुओं के साथ-साथ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग हुए समूहों ने अंतरिम सरकार के गठन की मांग का समर्थन किया है। एसजेबी ने शनिवार को घोषणा की कि वह अधिवक्ताओं के संगठन बीएएसएल के उस प्रस्ताव का समर्थन करेगी, जिसमें राष्ट्रपति शासन प्रणाली को खत्म करने के कदम के साथ-साथ 18 महीने की अवधि के लिए अंतरिम सरकार की स्थापना की पैरवी की गई है। एसजेबी ने संविधान के 20वें संशोधन को निरस्त करने का भी आह्वान किया, जिसने 2020 में राजपक्षे को ज्यादा शक्तियां प्रदान की थीं। बार एसोसिएशन ऑफ श्रीलंका (बीएएसएल) ने संविधान के 19वें संशोधन की बहाली की मांग की है, जिसने राष्ट्रपति से ज्यादा संसद को अधिकार दिया था। एसजेबी नेता हरिन फर्नांडो ने कहा कि एसजेबी इस प्रस्ताव पर बीएएसएल के साथ चर्चा करेगी। 2015 में लागू 19ए ने संसद को सशक्त बनाकर राष्ट्रपति की शक्तियों को कम कर दिया था। हालांकि, 19ए को नवंबर 2019 के राष्ट्रपति चुनाव में गोटबाया राजपक्षे की जीत के बाद समाप्त कर दिया गया था। इस बीच, पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना ने भी शनिवार को प्रेमदास से मुलाकात कर एसजेबी को अंतरिम सरकार संभालने के लिए कहा। प्रेमदास (55) पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह दोनों राजपक्षे-गोटाबाया और महिंदा के नेतृत्व वाली किसी भी सरकार का हिस्सा नहीं होंगे। बौद्ध पुजारियों ने भी अंतरिम सरकार की योजना को लागू करने के लिए राजपक्षे पर दबाव बढ़ा दिया है। एक महीने से व्यापक विरोध-प्रदर्शन का सामना करने वाली सरकार ने देश में आपातकाल लागू कर दिया है, जिसके तहत सुरक्षाबलों को कार्रवाई के लिए व्यापक शक्तियां मिल गई हैं। श्रीलंका इस समय अभूतपूर्व आर्थिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। समूचे देश में नौ अप्रैल से हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर मौजूद हैं, क्योंकि सरकार के पास महत्वपूर्ण आयात के लिए धन नहीं है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ती जा रही हैं और ईंधन, दवाओं तथा बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

हांगकांग चुनावः एकमात्र उम्मीदवार जॉन ली अगले मुख्य कार्यकारी नियुक्त

हांगकांग। हांगकांग के अगले मुख्य कार्यकारी प्रमुख के चयन के लिए एक चुनाव समिति ने रविवार को मतदान शुरू किया। इस चुनाव के लिए मैदान में एकमात्र उम्मीदवार जॉन ली जीतकर हांगकांग का अगले मुख्य कार्यकारी चुन लिए गए। चीन की समर्थक लगभग 1500 सदस्यों वाली चुनाव समिति ने गुप्त मतदान के जरिए मुख्य कार्यकारी का चयन किया। इस समिति में बड़े पैमाने पर बीजिंग समर्थक सदस्य शामिल हैं। मतदान की प्रक्रिया करीब अढ़ाई घंटे तक चली जिसमें ली ने 1,416 वोट हासिल किए। चुनाव जीतने के लिए ली को 750 से ज्यादा वोट चाहिए थे। चुनाव में एकमात्र प्रत्याशी न सिर्फ बीजिंग का समर्थन प्राप्त है, बल्कि पिछले महीने वह अपनी उम्मीदवारी के पक्ष में चुनाव समिति के सदस्यों से 786 नामांकन हासिल करने में कामयाब रहे थे। साल 2021 में हांगकांग के चुनावी कानूनों में बड़े बदलाव किए गए थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल बीजिंग के प्रति वफादार देशभक्त को ही शहर की कमान मिले। हांगकांग में विधायिका को भी पुनर्गठित किया गया था, ताकि विपक्ष की आवाज दबाई जा सके। रविवार सुबह एक स्थानीय कार्यकर्ता समूह 'लीग ऑफ सोशल डेमोक्रेट्स' के तीन सदस्यों ने सार्वभौमिक मताधिकार की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने चुनाव स्थल की तरफ मार्च करने का प्रयास कर चुनाव को लेकर विरोध भी जताया। पुलिस के आने से पहले एक प्रदर्शनकारी राहगीरों को पर्चे बांट रहा था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के सामान की तलाशी ली और उनके व्यक्तिगत विवरण भी निकाले, हालांकि तत्काल कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

पाकिस्तान में गेहूं उत्पादन में भारी कमी, पीएम शहबाज बोले- मुझे पता आटे के भाव कैसे कम करने

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इस साल गेहूं के उत्पादन में भारी गिरावट का अनुमान है। ऐसे में गेहूं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाक में इस साल गेहूं का उत्पादन करीब 30 लाख टन कम होने का अंदाजा लगाया गया है और इसका कारण गेहूं की खेती के लिए जमीन, पानी, उर्वरक की कमी और समर्थन मूल्य की घोषणा में देरी को बताया जा रहा है। साथ ही तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और सामान्य से पहले हीटवेव का चलना भी इसकी वजह है। इन कारणों से उत्पादन में 2 प्रतिशत की कमी आई है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने भी पाकिस्तान में गेहूं की भारी कमी पैदा कर दी है। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले की बिशम तहसील में पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की जनसभा को संबोधित करते आटे की कीमतें कम करने का संकल्प लिया और कहा कि वह किसी भी हाल में आटा महंगा नहीं होने देंगे भले ही इसके लिए अपने कपड़े तक बेचने पड़े। शरीफ ने घोषणा की कि वह अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रांत में आटे की कीमतों को कैसे कम किया जाए। उन्होंने प्रांतीय सरकार को अपने खर्च पर आटे की कीमतों में कमी करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, देश के प्रधानमंत्री कार्यालय (घ्ख्रग) ने शनिवार को कहा कि 28.89 मिलियन टन के लक्ष्य के मुकाबले गेहूं का उत्पादन 26.173 मिलियन टन होने का अनुमान है, जबकि अनुमानित खपत करीब 30.79 मिलियन टन होगी। पीएम शरीफ ने इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान करने की योजना पर काम करने के बजाय देशद्रोहियों और वफादारों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। पीटीआई सरकार ने इतिहास में सबसे अधिक ऋण प्राप्त किया था, लेकिन उसने विकास व लोक कल्याणकारी परियोजनाओं में कुछ भी निवेश नहीं किया। उन्होंने कहा कि तेल और गैस की खरीद के लिए समय पर निर्णय नहीं लेने के कारण राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था नष्ट हो गई।

चीन की जीरो कोविड पॉलिसी बनी जंजाल, 34 करोड़ लोग घरों में कैद

20 और शहरों में लगा लॉकडाउन

एजेंसी

बीजिंग। चीन में कोरोना से बुरा हाल है। यहां हालात अब फिर कंट्रोल से बाहर होते जा रहे हैं। कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रशासन ने शंघाई के कॉलेज और सीनियर हाई स्कूल के लिए प्रवेश परीक्षाओं को एक महीने के लिए स्थगित कर दिया है। चीन की नेशनल हेल्थ कमीशन के अनुसार चीन में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 345 नए केस सामने आए हैं। फिलहाल चीन को छोड़कर किसी भी देश में लॉकडाउन नहीं है। 5 दिन के भीतर ही चीन के 20 और शहरों में लॉकडाउन लगाना पड़ा है। चीन में अब लॉकडाउन वाले शहरों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। साथ ही लॉकडाउन में आबादी भी 21 करोड़ से बढ़कर अब 34 करोड़ हो गई है। करीब 2.5 करोड़ की आबादी वाला शंघाई शहर पहले से लॉकडाउन में है और अब 2.15 करोड़ की आबादी वाली राजधानी बीजिंग में भी लॉकडाउन का खतरा बढ़ रहा है। शंघाई में अब भी लगभग 5 हजार से ज्यादा लोग रोज पॉजिटिव आ रहे हैं। चीन में जीरो कोविड पॉलिसी फ़ेल होने के बावजूद राष्ट्रपति जिनपिंग अपनी जीरो कोविड पॉलिसी पर अड़े हुए हैं। जिनपिंग ने शुक्रवार को पहली बार राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि जीरो कोविड पॉलिसी से ही कोरोना संक्रमण पर काबू पाया जा सकता है। कोई भी देश चीन की इस पॉलिसी पर उंगली न उठाए। जीरो कोविड पॉलिसी में संक्रमण का केस आने पर मरीज को अनिवार्य रूप से अस्पताल में भर्ती कराया जाता है।चीन अपनी जीरो कोविड पॉलिसी को कड़ाई से लागू करने पर आमादा है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और राष्ट्रपति जिनपिंग के करीबी ली क्वांग ने शुक्रवार को कोरोना के खिलाफ मुकाबले के लिए अब सभी स्तरों पर सैन्य आदेश जारी करने की आवश्यकता जताई जिससे प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू किया जा सके। शंघाई के जेसे ही संक्रमण बेकाबू न हो जाए, इसके लिए बीजिंग में और भी सख्ती कर दी गई है। अभी बीजिंग में लॉकडाउन नहीं लगाया गया है, लेकिन रोज 1000 से ज्यादा केस आने के कारण 2 साल से 90 साल तक के सभी लोगों की टेस्टिंग के आदेश जारी किए गए हैं। बीजिंग के 60 सबवे को बिना लॉकडाउन की घोषणा के ही बंद कर दिया गया है। स्कूल, रेस्टोरेंट-बार और जिम बंद कर दिए गए हैं। चीन की विवादास्पद जीरो-कोविड पॉलिसी के चलते न सिर्फ चीन बल्कि दुनिया के लिए भी टेंशन बनती जा रही है। शी जिनपिंग सरकार ने जीरो-कोविड पॉलिसी को बदलने से साफ इनकार किया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि तेजी से बढ़ते मामले फिर से बड़े पैमाने पर लॉकडाउन को मजबूर कर रहे हैं। चीनी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन कोरोना के अपने सबसे खराब प्रकोप से गुजर रहा है जिसका असर माल ढुलाई लागत और ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

ट्विटर के प्रतिबंध को चुनौती देने वाला ट्रंप का मुकदमा खारिज

लॉस एंजिलिस। अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को के एक न्यायाधीश ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दायर उस मुकदमे को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने ट्विटर द्वारा उन पर लगाए गए स्थाई प्रतिबंध को चुनौती दी थी। जिला न्यायाधीश जेम्स डोनाटो ने शुक्रवार को कहा कि ट्रंप यह सिद्ध करने में नाकाम रहे हैं कि ट्विटर ने अभिव्यक्ति की आजादी के उनके प्रथम संशोधन के अधिकार का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार निजी कंपनियों पर लागू नहीं होता है और ट्रंप यह साबित करने में भी विफल रहे हैं कि ट्विटर डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से एक राजकीय संस्था के रूप में काम कर रहा था। ट्रंप ने जुलाई 2021 में ट्विटर, फ़ेसबुक और यूट्यूब के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। उन्होंने दावा किया था कि इन साइटों ने उन्हें अवैध रूप से प्रतिबंधित किया है। दरअसल, फ़ेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब ने छह जनवरी 2021 को कैपिटल परिसर (संसद भवन) में हुई हिंसा के बाद ट्रंप का अकाउंट निलंबित कर दिया था।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान सह सम्पादक* - धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063